



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 66] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 24, 2017/चैत्र 3, 1939

No. 66] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 24, 2017/CHAITRA 3, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2017

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जनवादी गणराज्य, दक्षिण कोरिया, ताईवान और विएतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच।

एफ. संख्या 14/29/2015-डीजीएडी.—1. यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) को नियमवाली के अंतर्गत मेसर्स इंडोराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जिन्हें आगे याचिकादाता अथवा आवेदक भी कहा है) से एक लिखित आवेदन-पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उन्होंने चीन जनवादी गणराज्य, दक्षिण कोरिया, ताईवान और विएतनाम (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "रंजित यार्न को छोड़ कर 150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न" का पाटन होने का आरोप लगाया है।

2. यतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर जांच की शुरुआत को यथोचित सिद्ध करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 27 जनवरी, 2016 की अधिसूचना द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी करके पाटन-रोधी नियमावली के उप-नियम 6 (1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच की शुरुआत की थी, ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जा सके।

क. क्रिया-विधि

3. इस जांच के संबंध में निम्नोक्त वर्णित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है:-
- (1) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन-रोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावासों को सूचित कर दिया था।
 - (2) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच की शुरुआत करने के बारे में दिनांक 27 जनवरी, 2016 को एक सार्वजनिक अधिसूचना जारी की थी जो कि भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित हुई थी।
 - (3) प्राधिकारी ने पत्र के साथ अधिसूचना की एक प्रति संबद्ध देशों में सभी ज्ञात निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों/उद्योग संघों (जिनके व्यौरे घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को प्रेषित की थी और उन्हें पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया था।
 - (4) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन-पत्र के अगोपनीय वृत्तांत की एक प्रति प्रदान की थी। आवेदन-पत्र की एक प्रति अनुरोध किए जाने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।
 - (5) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए उनको निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं:-
 - (क) मेसर्ज ह्योसुंग कार्पोरेशन, कोरिया
 - (ख) मेसर्ज इन्विस्टा (कोरिया) इंक, कोरिया
 - (ग) मेसर्ज टीकवांग इंडस्ट्रियल, कोरिया
 - (घ) मेसर्ज टी.के. केमिकल्स, कोरिया
 - (ङ) मेसर्ज ह्योसुंग विएतनाम कंपनी, विएतनाम
 - (च) मेसर्ज यानटाई, चीन
 - (छ) मेसर्ज इन्वेस्टा, चीन
 - (ज) मेसर्ज असाही, ताईवान
 - (6) निम्नलिखित कंपनियों ने भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों/निर्यातकों के रूप निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।
 - (क) मेसर्ज टी.के. केमिकल्स, कोरिया
 - (ख) मेसर्ज ह्योसुंग कार्पोरेशन, कोरिया
 - (ग) मेसर्ज चोन बाउंग टेक्सटाईल्स कंपनी लिमिटेड, कोरिया
 - (घ) मेसर्ज विनविन कार्पोरेशन, कोरिया
 - (ङ) मेसर्ज हंसविल कंपनी लिमिटेड, कोरिया
 - (च) मेसर्ज फोटरूस्ट कंपनी लिमिटेड, कोरिया
 - (छ) मेसर्ज एसओ एफएनसी इंटरनेशनल, कोरिया
 - (ज) मेसर्ज ह्योसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड, विएतनाम

- (झ) मेसर्ज ह्योसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड, विएतनाम
- (ञ) मेसर्ज हंगझोऊ सनराईज स्पेन्डेक्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ट) मेसर्ज यानटाई टाईहो एडवांस्ड मेटेरियल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ठ) मेसर्ज हंगझोऊ सनराईज स्पेन्डेक्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ड) मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर (शंघाई) कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ढ) मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर फोशन कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ड) मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर कंपनी, लिमिटेड, चीन
- (ण) मेसर्ज इन्विस्टा सिंगापुर प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर

(7) पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं/प्रयोक्ता संघों को प्रश्नावलियां प्रेषित की गई थीं:-

- (क) औरा स्पिनिंग मिल्स
- (ख) आरवी डेनिम्स एंड एक्सपोर्टर्स लिमिटेड
- (ग) अग्रवाल मेटल इंडस्ट्रीज
- (घ) अलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (ङ) बीएसटी टेक्सटाईल मिल्स लिमिटेड
- (च) बलाऊमान इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड
- (छ) बम्बई रेयन फैशन लिमिटेड
- (ज) दीपक इम्पेक्स प्राईवेट लिमिटेड
- (झ) सैजपुर - गोपालपुर
- (ञ) कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया टेक्सटाईल इंडस्ट्री (सी.आई.टी.आई.)
- (ट) इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन (आई.एस.ए.)
- (ठ) इंडियन वुलन मिल्स फेडरेशन
- (ड) फेडरेशन ऑफ इंडियन आर्ट सिल्क वीविंग इंडस्ट्री

(8) निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने आयातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-

- (क) जिमाटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (ख) मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (ग) एसोसिएशन केमिकल कार्पोरेशन
- (घ) इंटरनेशनल बिजीनेस एंड ट्रेड
- (ङ) मॉस्कट एक्सपोर्टर्स
- (च) सचिनाम फेब्रिक्स प्राईवेट लिमिटेड
- (छ) रामा स्पिनर्स प्राईवेट लिमिटेड
- (ज) अनाधि
- (झ) सेंचरी टेक्सटाईल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (ञ) एस.भास्कर इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड
- (ट) गिन्नी इंटरनेशनल लिमिटेड
- (ठ) मेसर्ज वर्धमान टेक्सटाईल्स लिमिटेड
- (ड) मेसर्ज रेमण्ड यूसीओ डेनिम प्राईवेट लिमिटेड
- (ण) मेसर्ज वर्धमान एक्क्रेलिक्स लिमिटेड

- (त) बंसवाडा सिंटेक्स लिमिटेड
- (थ) मालवा इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (द) मेसर्ज अरविंद लिमिटेड
- (ध) मेसर्ज वर्धमान टेक्सटाईल्स लिमिटेड
- (न) जिंदल डेनिम इंक
- (प) आरवी डेनिम
- (फ) लॉयल टेक्सटाईल लिमिटेड

- (9) प्राधिकारी ने विभिन्न पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध करा दिया है, जो कि हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुली पड़ी हुई है।
- (10) जांच अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के आंकड़े प्रदान करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था। इसलिए प्राधिकारी ने आवश्यक विश्लेषण करने के लिए डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदत्त किए गए आंकड़ों और सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई विस्तृत सूचना पर विश्वास किया है।
- (11) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और डीजीएडीमें संगत क्रिया-विधियों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और निर्माण और बिक्री की लागत के आधार पर गैर-क्षति कीमत का आकलन किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन-रोधी शुल्क, पाटन मार्जिन से कम लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अंतर्गत निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार क्षति रहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की है।
- (12) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को निदेश दिए गए थे कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें।
- (13) प्राधिकारी ने नियम 6 (6) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों को मौखिक रूप से प्रकट करने का अवसर प्रदान करने के लिए 7 अक्टूबर, 2016 को मौखिक सुनवाई की थी। ऑटोमेटिव टायर मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में दिनांक 07.01.2011 को सीविल अपील संख्या 949 में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार निर्दिष्ट अधिकारी में परिवर्तन होने को ध्यान में रखते हुए 7 नवंबर, 2016 को दूसरी सुनवाई आयोजित की गई थी। मौखिक सुनवाई में जिन हितबद्ध पक्षकारों ने अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित में भी प्रस्तुत करें और साथ ही उत्तर भी दें। मेसर्ज एसोसिएटिड केमिकल कार्पोरेशन नामक आयातक को, जो कि सूचना प्राप्त नहीं होने के कारण दिनांक 7 नवंबर, 2016 को हुई सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं हो सकता था, प्राधिकारी द्वारा सुनवाई का दूसरा अवसर प्रदान किया गया था। घरेलू उद्योग, आयातक/प्रयोक्ता (मेसर्ज अरविंद लिमिटेड) और निर्यातक (मेसर्ज ह्योसुंग कार्पोरेशन इंडिया) ने भी आयातक का साथ दिया था।
- (14) जांच की कार्यवाही के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों पर प्राधिकारी द्वारा जहां कहीं भी आवश्यक समझा गया है, इस प्रकटन विवरण में उन विचार किया गया है। साथ ही जितना आवश्यक समझा गया है, घरेलू उद्योग और निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों की भी जांच की गई है।

- (15) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अक्टूबर, 2014 से शुरू होकर 30 सितंबर, 2015 (जांच अवधि) तक की है। तथापि, क्षति का विश्लेषण करने के परिप्रेक्ष्य में, अप्रैल, 2012 – मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 – मार्च, 2014, अप्रैल, 2014 – मार्च, 2015 और जांच अवधि शामिल है।
- (16) वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों का निदान इस प्रकटन विवरण में किया गया है।
- (17) इस प्रकटन विवरण में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा ***सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय माना गया है।
- (18) विश्लेषण के लिए प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के दौरान प्रचलित औसत विनिमय दर को अपनाया गया है, जो कि 1 अमरीकी डालर = 64.11 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

4. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तुएं नहीं हैं। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं प्रयोक्ता उद्योग की गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती हैं।
5. हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से यह स्वीकार किया है कि बीम रूप से पैक की गई संबद्ध वस्तुएं, 20 डेनियर्स से कम का यार्न, रंगीन यार्न आदि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं किए जाते हैं। निर्यातकों ने अपने निवेदनों में बीम किस्म के इलेस्टोमेरिक यार्न और कोन किस्म के इलेस्टोमेरिक यार्न के बीच विद्यमान मुख्य अंतर को सिद्ध कर दिया है। बीम किस्म का इलेस्टोमेरिक यार्न, उत्पादन प्रक्रिया, उपयोग, रूप और कीमत आदि में भिन्नता होने के कारण कोन किस्म के इलेस्टोमेरिक यार्न के समान उत्पाद नहीं है। चूंकि घरेलू उद्योग बीम किस्म का इलेस्टोमेरिक यार्न उत्पादित नहीं कर सकता है, इसलिए पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) का अनुसरण करते हुए इसको विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
6. इन्विस्टा ग्रुप ने सुदृढता से यह तक दिया है कि "लिकरा" के ब्रांड नाम से उनके द्वारा उत्पादित और पूर्ति की जाने वाली वस्तुओं के निम्नलिखित कारणों से संबद्ध वस्तुओं के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए:-
 - (1) इन्विस्टा ग्रुप दो किस्मों के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न का उत्पादन करता है और उनके निर्यात भारत को करता है - (क) इलेस्पान यार्न जो कि सीमित निष्पादन के साथ इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न का मानक ग्रेड है और यह याचिकादाता द्वारा पेश किया जा रहा इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न के समान है और (ख) अत्यधिक विशेषीकृत स्पेंडिक्स फिलेमेंट यार्न जिसे "लिकरा" के ब्रांड नाम से बेचा जाता है। याचिकादाता इस प्रकार का विशेषीकृत ग्रेड के फिलेमेंट यार्न का उत्पादन नहीं करता है, जो कि "लिकरा" का प्रतिस्थापन है अथवा जिसे पारस्परिक रूप से बदला जा सकता है।
 - (2) "लिकरा" घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं से भिन्न है जिसके मुख्य कारण रिकवरी फोर्स, यार्न की फ्रिक्शन, सफेदी को बनाए रखने की क्षमता, क्लोरीन रोधक, आराम दायक मुलायम, कीमत, अंत-प्रयोक्ता की आवश्यकता, उपभोक्ता की अवधारणा आदि हैं। "लिकरा" की तुलना बाजार में किसी भी अन्य ग्रेड के साथ की जाती है, जिसमें याचिकादाता के ग्रेड भी शामिल हैं। यह विशेषकर उपयुक्तता, संगतता, समानता, रिकवरी फोर्स, आय और उपभोक्ता की मान्य कार्य-क्षमता की गुणवत्ता में श्रेष्ठ है।
 - (3) इसलिए इन्विस्टा का यह निवेदन है कि पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 2.6 और भारतीय पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (घ) के आलोक में "लिकरा" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।

7. हयोसंग ग्रुप ने यह निवेदन किया है कि वे इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न के अपने निजी ब्रांड को, जिसे क्रियोरा स्पेंडेक्स ("क्रियोरा") कहा जाता है, जो कि उच्च कोटि का स्पेंडेक्स ब्रांड है, निर्मित करते हैं और उसका निर्यात करते हैं। इस संबंध में निर्यातक ने यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग के उत्पाद ("इन्विया") को "क्रियोरा" के समान वस्तु नहीं कहा जा सकता है क्योंकि उनके बीच संवृद्धि % (रिकवरी), इलोनगेशन % (खिंचाव), क्लोरीन रोधी और फ्लोरोसेंस जैसी भौतिक और रसायनिक गुणक्षमताओं में अंतर होने के साथ-साथ लो-हीट सेटेबल, रंजित ईको सॉफ्ट ब्लेक डोप, सुपर क्लोरीन, रंजन योग्य नायलोन, दुर्गंध रोधी जैसे उत्पाद विनिर्देशनों में भी अंतर हैं, इसलिए उनके उत्पाद घरेलू उद्योग के उत्पाद से श्रेष्ठ हैं। तदनुसार अंत-प्रयोक्ता की आवश्यकता और उपभोक्ता की अवधारणा के कारण क्रियोरा स्पेंडेक्स ग्रेड के उत्पाद को आवदेक के उत्पाद से भिन्न श्रेणी में रखा जाता है और ये दोनों उत्पाद "समान वस्तु" नहीं हैं। निर्यातक ने यह निवेदन किया है "क्रियोरा" पर कोई पाटन-रोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता है।

8. आयातकों और प्रयोक्ताओं ने भी निवेदन किया है कि उनके मूलभूत क्रेता उनसे आग्रह करते हैं कि उनके द्वारा विनिर्मित फैब्रिक में "लिकरा" और "क्रियोरा" जैसे ब्रांड की संबद्ध वस्तुओं का उपयोग किया जाना चाहिए क्योंकि उनकी बेहतर गुणवत्ता और ब्रांड मूल्य होता है। साथ ही उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि "लिकरा" अथवा "क्रियोरा" पूर्णतया भिन्न वाणिज्यिक श्रेणी और बाजार में आते हैं, जिनमें घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद नहीं आते हैं। "लिकरा" अथवा "क्रियोरा" को घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद अथवा किसी भी स्रोत से भारत में आयातित उत्पाद के समान वस्तु अथवा प्रतिस्थापन योग्य वस्तु नहीं माना जा सकता है। इसलिए वे दृढ़ता पूर्वक यह निवेदन करते हैं कि इन दोनों ब्रांडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।

9. प्रयोक्ता उद्योग ने भी यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता स्वीकार्य नहीं है और अनेक बार उन्हें अपने द्वारा विनिर्मित फैब्रिक में गुणवत्ता के मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जिसके फलस्वरूप उन्हें वित्तीय घाटे होते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर आने वाले कुछ डेनियर्स का उत्पादन नहीं करता है और उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के विचार

10. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "रंजित यार्न को छोड़ कर 150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न" हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया है कि वे स्वीकार्य गुणवत्ता के साथ विचाराधीन उत्पाद की सभी किस्मों का उत्पादन कर रहे हैं और उनको समान वस्तुएं अथवा आयातित वस्तुओं के साथ सीधे प्रतिस्थापन करने योग्य वस्तुएं माना जा सकता है। इसके अतिरिक्त यह भी निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग समान विशिष्टता के अंत-प्रयोगों अथवा आवश्यकता को पूरा करने के लिए विचाराधीन उत्पाद की संपूर्ण श्रृंखला की पेशकश करता है।

11. घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उत्पाद के दायरे से अपवर्जन के अपने दावे को सिद्ध करने के लिए कोई वास्तविक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। उन्होंने जांच की कार्यवाही के दौरान विविध निवेदन करके केवल निजी-हित में बयान दिए हैं, जो कि कल्पनाओं मात्र पर आधारित हैं और ऐसे सभी दावों को अस्वीकार कर दिए जाने की आवश्यकता है। यह स्थापित विधिशास्त्र है कि उत्पाद को तब तक विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता है, जब तक कि यह सिद्ध नहीं हो जाता है कि जिस उत्पाद का अपवर्जन की मांग की गई है, वह घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद नहीं है अथवा ऐसी वस्तुएं हैं, जिनका उत्पादन करने में घरेलू उद्योग सक्षम नहीं है।

12. घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया है कि ऐसे सभी उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के एक भाग के रूप में बनाए रखा जाना चाहिए, जो कि समान उत्पाद के योग्य हैं। इसके अतिरिक्त कोई विशेष उत्पाद समान उत्पाद नहीं है, इसको आवश्यक साक्ष्य और तकनीकी विनिर्देशनों के साथ सिद्ध करने का दायित्व ऐसे पक्षकार का है, जो कि उत्पाद के अपवर्जन की मांग करता है। ऐसे दावे अथवा साक्ष्य के उपलब्ध नहीं होने पर हितबद्ध पक्षकार के तर्कों को सीधे अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

13. इन्विस्टा ग्रुप और हयोसंग ग्रुप द्वारा निर्मित विशिष्ट ब्रांडों के अपवर्जन के अनुरोधों के संबंध में घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि निर्यातक तकनीकी विशेषताओं/विनिर्देशनों तथा तकनीकी और वाणिज्यिक प्रमाणिकता के आधार पर अपने उत्पाद की विशिष्ट पहचान स्थापित करने में विफल रहे हैं और इसलिए उनके दावों को बाहर नहीं रखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त यह भी निवेदन किया गया है कि श्रेष्ठ गुणवत्ता और बाजार में प्रीमियम कीमत का दावा उनके उत्पादों के अपवर्जन के लिए आधार नहीं हो सकता है। घरेलू उद्योग ने केवल "ब्रांड नाम" के आधार पर किसी उत्पाद को बाहर रखने के हितबद्ध पक्षकार की किसी भी मांग पर भी कड़ी आपत्ति की है। यह भी निवेदन किया जाता है कि चीन के प्राधिकारियों ने भी अपनी जांच में इन्विस्टा ग्रुप को उनके ब्रांड "लिकरा" को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखने की स्वीकृति नहीं दी है।

14. बीम रूप में आने वाले इलेस्टोमेरिक के अपवर्जन के संबंध में घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि बीम पेकिंग करने का एक तरीका है और यह स्वतः मूल इलेस्टोमेरिक यार्न से विशिष्टता बनाए रखने का आधार नहीं हो सकता है। इसको ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि प्राधिकारी को इलेस्टोमेरिक फैब्रिक यार्न को बाहर रखने के हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध को मात्र इस कारण से स्वीकार नहीं करना चाहिए कि वे पेकेजिंग के विभिन्न रूपों में आ रहे हैं।

15. घरेलू उद्योग के अनुसार उनके द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी किस्मों के बेयर इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न और 150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स हैं। इन फिलेमेंट यार्न को सामान्यतया "स्पेंडेक्स" अथवा "इलेस्टेन" भी कहा जाता है। विचाराधीन उत्पाद फाईबर को उसकी निर्मित स्थाई लोचशीलता प्रदान करता है। यह एक इलेस्टोमेरिक फाईबर है जिसका उपयोग व्यापक रूप से परिधानों में छोटे संघटक के रूप में किया जाता है तो उसमें खिंचाव पैदा किया जा सके। संबद्ध वस्तुओं का उपयोग मुख्यतया ऐसे परिधान बनाने के लिए किया जाता है, जो अत्यधिक आरामदेह होते हैं और पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। इस प्रकार इनका अनुप्रयोग हौजरी, स्विमसूट्स, एयरोबी अथवा व्यायाम करने की पोशाकों, स्कि पेंटों, गोल्फ जेकेटों, डिस्पोजेबल डायपर, वेस्ट बैंड्स, ब्रा स्ट्रेप्स पेनल आदि के लिए किया जाता है। ये ब्रा कप्स जैसे आकृति के परिधान बनाने के लिए भी अत्यधिक उपयुक्त होते हैं। संबद्ध वस्तुओं का उपयोग, सर्जिकल होज, सपोर्ट होज, बाईसाईकिल पेंट्स, फाउंडेशन आदि जैसे कम्प्रेशन परिधानों के लिए भी किया जाता है। संबद्ध वस्तुओं को टैरिफ के अध्याय के शीर्ष 54041100 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, संबद्ध वस्तुओं के आयात टैरिफ शीर्ष 54024400 और 54026990 के अंतर्गत भी किए जाते हैं। किसी भी स्थिति में सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह वर्तमान जांच में शामिल विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

17. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं को डेनियर्स में भी वर्णीत किया जाता है और सामान्यतया इन्हें 10 से 1680 डेनियर्स की सीमा में बेचा जाता है। घरेलू उद्योग की क्षमता इन डेनियर्स की समग्र श्रृंखला का उत्पादन करने की है, लेकिन इस समय यह केवल 150डी तक का उत्पादन कर रहा है क्योंकि इस श्रृंखला की अत्यधिक मांग है। तथापि, घरेलू उद्योग रंगीन इलेस्टोमेरिक यार्न का उत्पादन नहीं करता है। इसलिए 150 डेनियर्स तक के रंगीन इलेस्टोमेरिक यार्न को जांच शुरू किए जाने के समय विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया गया था।

18. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गुणवत्ता के मुद्दों से संबंधित की गई शिकायतों के बारे में यह नोट किया जाता है कि यह पाटन-रोधी जांच के प्रयोजनार्थ स्वतः एक निश्चयात्मक कारक नहीं है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के अपने प्रचालनों के प्रारंभिक चरण में कुछ गुणवत्ता संबंधी मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन जांच की अवधि के दौरान वह यह प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है कि उसको प्राप्त हुए गुणवत्ता संबंधी दावे बहुत नाम मात्र के हैं, जो कि उसके कुल कारोबार के ***% मात्र हैं। जांच की कार्रवाई के दौरान यह नोट किया गया था कि इस उद्योग को निश्चित रूप से निष्क्रिय अथवा अस्वीकार्य गुणवत्ता के कारण प्रतिलाभ प्राप्त नहीं हुआ है, बल्कि मशीन की संगतता, प्रौद्योगिकी, प्रयुक्त किए गए फिनिश ऑयल आदि के कारण उसे प्रतिलाभ प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने यह सिद्ध करने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग और निर्यातक प्रायः अपने उत्पाद से संबंधित संगतता अथवा गुणवत्ता संबंधी किसी भी मुद्दे की मौके पर विधिवत् जांच करने के बाद उसके लिए प्रयोक्ताओं की क्षतिपूर्ति कर देते हैं। इसलिए निकृष्ट गुणवत्ता अथवा संगतता की कमी के आरोपित आधार पर कुछ मात्राओं के प्रतिलाभ को पाटन-रोधी जांच के प्रयोजनार्थ वैध आधार नहीं माना जा सकता है।

19. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जब कि हितबद्ध पक्षकारों ने संबद्ध वस्तुओं की गुणवत्ता पर प्रतिवाद किया है, उन्हीं हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग से संबद्ध वस्तुओं की बार-बार खरीदारी की है। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने विभिन्न देशों को उत्पाद के निर्यात किए हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि उनकी गुणवत्ता स्वीकार्य है। किसी भी स्थिति में यह भी एक सुस्थापित न्यायाशास्त्र है कि गुणवत्ता संबंधी अवधारणा, पाटन-रोधी जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे को निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक नहीं होती है।

20. "लिकरा" और "क्रियोरा" जैसे ब्रांड को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखे जाने के अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों में अपवर्जन के उनके दावे को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं और वे तकनीकी आधार पर अपने उत्पाद की विशिष्ट पहचान स्थापित करने में विफल रहे हैं तथा उनकी आयातित संबद्ध वस्तुएं वाणिज्यिक रूप से और उपयोग-वार, घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के स्थानापन्न योग्य हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी उत्पाद को उसके ब्रांड नाम के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता है। इसलिए प्राधिकारी ने नोट किया है कि अपवर्जन के मानदंड को पूरा नहीं किया गया है और इस प्रकार हितबद्ध पक्षकारों के "लिकरा" और "क्रियोरा" जैसे ब्रांड को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया है।

21. विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बीम रूप में आने वाले इलेस्टोमेरिक के अपवर्जन के संबंध में यह नोट किया जाता है कि बीम रूप में आयातित संबद्ध वस्तुएं, पेकेजिंग का एक भिन्न तरीका है और यह उत्पाद को कोई विशिष्टता प्रदान नहीं करता है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग बीम रूप में इलेस्टोमेरिक यार्न का उत्पादन नहीं करता है। जब कि पेकेजिंग का रूप, "समान वस्तु" के मुद्दे पर निर्णय करने का स्वतः आधार नहीं हो सकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मामले में प्रयोक्ता उद्योग अपने सामान्य प्रचालनों के लिए कोन पेकेजिंग से बीम रूप को बदल नहीं सकता है। कोन किस्म से बीम किस्म में अनेक कार्य निहित होते हैं और इस प्रक्रिया में अत्यधिक मूल्य संवर्धन होता है। तदनुसार प्राधिकारी बीम रूप में इलेस्टोमेरिक यार्न को विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु नहीं मानने का निर्णय लेते हैं।

22. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"रंजित यार्न और बीम किस्म के इलेस्टोमेरिक यार्न को छोड़ कर 150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न"।

23. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किए जाने योग्य हैं। घरेलू उद्योग उत्पादित संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद, पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार और उसके दायरे के भीतर आने वाली समान वस्तु हैं।

ग. घरेलू उद्योग और उसका आधार

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

24. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह निवेदन किया गया है कि मेसर्स इंडोरामा इंडस्ट्रीज लिमिटेड को देश में इलेस्टोमेरिक यार्न का एकमात्र उत्पादक होने के नाते घरेलू उद्योग नहीं माना जाना चाहिए। इस परिप्रेक्ष्य में यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग को "घरेलू उत्पादकों" को बहुवचन के रूप में विचार करने के लिए परिभाषित किया गया है और उसकी परिभाषा {पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख)} में से एकल (ओलिगोपोलिस्टिक) उत्पादक को बाहर रखा जाना चाहिए। जबकि घरेलू उद्योग को परिभाषित करते समय घरेलू उत्पादकों के बहुवचन संदर्भ को घरेलू उद्योग के बतौर माने जाने के लिए एकल प्रयोज्यता नहीं माना जा सकता है। घरेलू उद्योग से अपवर्जन अथवा प्राधिकारियों द्वारा प्रशासनिक प्रयोजनार्थ अथवा आंकड़े

उपलब्ध नहीं होने के कारण एक एकल उत्पादक घरेलू उद्योग नहीं बन सकता है। लेकिन जहां एकल (ओलिगोपोलिस्टिक) उत्पादक को घरेलू उद्योग माना जाता है, वहां यह नियम 5 (3) और 5 (3) (ख) के प्रावधानों के अंतर्गत अमान्य होगा।

25. अपवर्जन के कारण अथवा आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण एक एकल उत्पादक, घरेलू उद्योग नहीं बन सकता है। घरेलू उत्पादकों को "बहुवचन" में परिभाषित करने में विधि का उद्देश्य समग्र उद्योग को संरक्षण प्रदान करना था और न कि एकल उत्पादक को भारत में अनुचित कीमत निर्धारण करने का तंत्र प्रदान करना था। इसको ध्यान में रखते हुए हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि कृपया इस जांच को समाप्त कर दें क्योंकि एकल घरेलू उत्पादक को पाटन-रोधी उपायों का मामला दायर करने अथवा उससे कोई संरक्षण की मांग करने के लिए पात्र नहीं कहा जा सकता है।

घरेलू उद्योग के विचार

26. याचिका मेसर्स इंडोरामा इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर की गई है, जिसका अंशदान कुल भारतीय उत्पादन में 100% है। इसके अतिरिक्त यह भी निवेदन किया गया है कि याचिकादाता ने न तो संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात किया है और न ही वह संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के किसी आयातक से संबंधित है। इसलिए आवेदक पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत "आधार" की आवश्यकताओं को पूरा करता है और साथ ही पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" बनता है।

27. इस मुद्दे के संबंध में कि नियम 2 (ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग ऐसी स्थिति को कवर नहीं करता है, जिसमें भारत में समान वस्तु का एक एकल उत्पादक, जैसा कि नियम 2 (ख) में "उत्पादकों" और न कि "उत्पादक" उल्लिखित है, इस परिप्रेक्ष्य में घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि यह समस्त मुद्दा साधारणतया मेरिट विहीन है अथवा इसमें कोई वास्तविकता नहीं है और इसलिए इसे अस्वीकार किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त उसने यह भी निवेदन किया है कि सामान्य अनुच्छेद अधिनियम, 1897 की धारा 13 के अनुसार विशेष रूप से एक वचन के शब्दों में बहुवचन भी शामिल है और इसी प्रकार की अवधारणा सभी केन्द्रीय अधिनियमों और विनियमों में की गई है। इसलिए नियम 2 (ख) में प्रयुक्त शब्द "उत्पादकों" में स्वतः उसका एक वचन अर्थात् "उत्पादक" निहित है। इसके अतिरिक्त समग्र नियम 2 (ख) में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे ऐसा पता चलता हो कि एक वचन के पाठन को बहुवचन की अभिव्यक्ति से विषय अथवा परिप्रेक्ष्य खंडित होता हो। घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया है कि प्राधिकारी ने एकल घरेलू उत्पादक को पात्र घरेलू उद्योग माना है।

प्राधिकारी की जांच

28. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

"2 (ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।"

29. याचिका मेसर्स इंडोरामा इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर की गई है, जिसका अंशदान कुल भारतीय उत्पादन में 100% है। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाता है कि याचिकादाता ने न तो संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात किया है और न ही वह संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के किसी आयातक से संबंधित है। इसलिए याचिकादाता, पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" बनता है। चूंकि आवेदन-पत्र ऐसे आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जिसका अंशदान, कुल भारतीय उत्पादन में 100% है और जिसे अन्य उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है, इसलिए वह पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत "आधार" की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

30. इस मुद्दे के संबंध में कि याचिकादाता एकल उत्पादक है, इसलिए वह घरेलू उद्योग नहीं बनता है, प्राधिकारी ऐसे तर्क में कोई मेरिट नहीं पाते हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने उल्लिखित किया है, सामान्य अनुच्छेद अधिनियम, 1897 की धारा 13 में विशेष रूप से यह उल्लिखित है कि विशेष रूप से एक वचन के शब्दों में बहुवचन भी शामिल है और इसी प्रकार की अवधारणा

सभी केन्द्रीय अधिनियमों और विनियमों में की गई है। इसलिए नियम 2 (ख) में प्रयुक्त शब्द "उत्पादकों" में स्वतः उसका एक वचन अर्थात् "उत्पादक" निहित है। इसके अतिरिक्त समग्र नियम 2 (ख) में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे ऐसा पता चलता हो कि एक वचन के पाठन को बहुवचन की अभिव्यक्ति से विषय अथवा परिप्रेक्ष्य खंडित होता हो। इसको ध्यान में रखते हुए ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है कि एकल घरेलू उत्पादक को नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए इस तर्क को कि एकल घरेलू उत्पादक को पात्र घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है, किसी भी मेरिट के बिना खंडित किया जाता है।

31. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह मानना है कि याचिकादाता, वर्तमान याचिका दायर करने और पाटन-रोधी नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के भीतर "घरेलू उद्योग" बनने के आधार की आवश्यकता को पूरा करता है।

गोपनीयता

32. वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान गोपनीयता के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) याचिका में अत्यधिक गोपनीयता रखी गई है। याचिका में मात्रा से संबंधित कोई संपूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।
- (2) याचिकादाता के वितरण संबंधी माध्यमों, कमीशन/छूट संबंधी नीति, ऋण की शर्तों, सामान्य मूल्य के परिकलन आदि से के बारे में याचिकादाता की नीति संबंधी सूचना को भी गोपनीय रखा गया है।
- (3) घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और उसे गोपनीयता बनाए रखने की अनुमति भी इस हद तक दी गई है कि उन्होंने अपनी वार्षिक रिपोर्ट को भी सार्वजनिक फाईल में उपलब्ध नहीं कराया है।
- (4) घरेलू उद्योग ने अपनी लागत निर्धारण के बारे में भी कोई विवरण प्रस्तुत नहीं किए हैं।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

33. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- (1) निर्यातकों द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है। निर्यातकों ने न केवल मात्रा संबंधी सूचना की ही गोपनीयता का दावा किया है, बल्कि उत्तर के कुछ विवरणात्मक भाग को भी गोपनीय रखा हुआ है।
- (2) प्रश्नावली के उत्तर को अगोपनीय वृत्तान्त, निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए गोपनीय वृत्तान्त की सही अनुकृति नहीं है।
- (3) याचिकादाता ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 7 में यथा स्वीकृत सूचना की गोपनीयता का दावा किया है और ऐसी सूचना के सार्थक संक्षिप्त विवरण को भी याचिका के अगोपनीय वृत्तान्त में वर्णात्मक सूचना के साथ प्रस्तुत किया है। हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा निराधार है कि याचिकादाता ने अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखी हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

34. वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार हैं:-

गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट

होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते।

(2) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना की गोपनीय के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी दायर करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है।

ड. विविध निवेदन

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

35. वर्तमान जांच की कार्यवाई के दौरान गोपनीयता के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किया गया आवेदन-पत्र प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र और तरीके से प्रस्तुत नहीं किया गया है। याचिका में कमी है और इसलिए जांच को समाप्त कर दिए जाने की आवश्यकता है।
- (2) महानिदेशक, सुरक्षा जो कि वित्त मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाला एक अर्द्ध-न्यायिक प्राधिकारी है, ने इस आशय का निश्चयात्मक निर्णय दिया है कि आवेदक को वर्ष 2012-13 और 2014-15 की पहली तिमाही के बीच की अवधि में संबद्ध वस्तुओं के आयातों से कोई क्षति नहीं हुई है। साथ ही आवेदक ने कभी भी ऐसे निर्णय को किसी भी अपीलीय मंच में कोई चुनौती नहीं दी है। इसका तात्पर्य यह है कि महानिदेशक, सुरक्षा का आदेश अक्षत है और वह निर्दिष्ट प्राधिकारी पर बाध्यकारी हैं, जो कि अर्द्ध-न्यायिक प्राधिकारी भी हैं और उन्हीं संबद्ध वस्तुओं पर वर्तमान जांच का संचालन कर रहे हैं।
- (3) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 (3) के साथ पठित विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 5.3 के अनुसार याचिका का विधिवत् मूल्यांकन नहीं किया है और इसलिए वर्तमान जांच को समाप्त कर दिए जाने की आवश्यकता है।
- (4) घरेलू उद्योग को उनके कच्चे माल के आयातों के लिए शून्य आयात शुल्क के लाभ के रूप में भारत सरकार की सहायता प्राप्त थी। ऐसा कटौती से घरेलू उद्योग को अपनी बिक्रियों की लागत को कम करने और संबद्ध वस्तुओं की अपनी लाभप्रदता को बढ़ाने में सहायता मिली है।
- (5) इलेस्टोमेट्रिक फिलेमेंट यार्न महंगी सामग्री है और यह कुल लागत का लगभग 35% भाग बनता है, हालांकि यार्न और फाईबर में यह मात्रा-वार 2 - 10% होता है। इस पर शुल्क लगाए जाने के फलस्वरूप भारतीय फैब्रिक गैर-प्रतिस्पर्द्धी हो जाएगा जिसके परिणामस्वरूप उसकी बिक्रियों में विशेष कर निर्यात बिक्रियों में कमी होगी।

घरेलू उद्योग के विचार

36. वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) हितबद्ध पक्षकारों की आपूर्ति श्रृंखला पूरी नहीं है और इसलिए उनके उत्तर को अस्वीकृत कर दिए जाने की आवश्यकता है। हयोसुंग ग्रुप ने सभी संबद्ध देशों में स्थित अपनी संबंधित कंपनियों के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं और इसलिए उनके उत्तर को अस्वीकृत कर दिए जाने की आवश्यकता है।
- (2) घरेलू उद्योग द्वारा यह भी निवेदन किया गया है कि हयोसुंग ग्रुप ने दिल्ली कार्यालय के विद्यमान होने का प्रकटन नहीं किया है, जो कि संपूर्ण ग्रुप भारत में संबद्ध वस्तुओं की उनकी बिक्रियों और विपणन में सहायता दे रहा है। यह भी निवेदन किया गया है कि हयोसुंग ग्रुप ने यह जानते हुए इस तथ्य का प्रकटन नहीं किया है कि चीन में उनसे संबंधित प्रयोज्यता कंपनी ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं।
- (3) साथ ही घरेलू उद्योग द्वारा यह भी निवेदन किया गया है सभी प्रतिवादी एसोसिएशनों को पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ग) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों के रूप में नहीं माना जा सकता है। एसोसिएशनों को जांच में केवल एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में भाग लेने की अनुमति दी जा सकती है और वह भी तब जब कि वह प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए यह प्रमाणित कर दे कि उसके अधिकतर सदस्य संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक हैं अथवा आयातक हैं। इस संबंध में यह नोट करना आवश्यक है कि संबंधित एसोसिएशन की कुल सदस्यता के परिप्रेक्ष्य में ऐसा बहुमत परीक्षण लागू होता है। साथ ही यह नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि रिकार्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है जिससे पता चलता हो कि इन एसोसिएशनों में से किसी भी एसोसिएशन ने ऐसी कोई कार्रवाई की है, जिससे सिद्ध होता हो कि उसने अपने सदस्यों की सूची के साथ उनके क्रियाकलापों को निर्दिष्ट किया हो। इसलिए किसी भी परिस्थिति में सभी एसोसिएशनों को एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- (4) विगत सुरक्षा जांच के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों के संबंध में घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि विगत मामलों का इतिहास, इस तथ्य का कोई कानूनी अथवा तथ्य परक साक्ष्य नहीं है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद और जांच की अवधि भिन्न है। प्राधिकारी को केवल यह देखने की आवश्यकता है कि क्या वर्तमान मामले में उनसे संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों में पाटन-रोधी शुल्कों को लागू करने का मामला बनता है। इसके अतिरिक्त यह भी निवेदन किया गया है कि वर्तमान जांच में भिन्न विधि के अंतर्गत कोई भी विगत जांच कोई संबंध नहीं रखती है क्योंकि विधि के अनुसार दोनों विधि के उद्देश्य और लक्ष्य भिन्न हैं। इसलिए विभिन्न उद्देश्यों के लिए स्थापित किए गए दो भिन्न प्राधिकारियों की कार्रवाइयों की तुलना करना न केवल गलत अवधारणा है, बल्कि किसी वास्तविक अथवा कानूनी महत्ता के विहीन भी है।
- (5) अंत-उपभोक्ता पर पाटन-रोधी शुल्क के प्रभाव के संबंध में यह बताया गया है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाने से निचले स्तर के उद्योग/अंत-प्रयोक्ता पर मामूली/नगण्य प्रभाव पड़ेगा। घरेलू उद्योग ने यह कल्पना करते हुए कि माननीय प्राधिकारी 20% पाटन-रोधी शुल्क की सिफारिश करेंगे, उसके प्रभाव का विश्लेषण किया है। तात्कालिक उपभोक्ता अर्थात् फैब्रिक विनिर्माताओं पर उनका प्रभाव 0.6% से 3% के बीच पड़ेगा, जबकि पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के कारण फैब्रिक के अंत-उपभोक्ताओं को 0.1% से 0.49% तक की मामूली अतिरिक्त राशि का भुगतान करना पड़ेगा। विभिन्न विनिर्मित उत्पादों के लिए निचले स्तर के उद्योग के प्रभाव का परिकलन निम्नानुसार है:-

क्रमांक	विवरण	मापन का यूनिट	जुराबों के जोड़े	स्ट्रेच डेनिम फैब्रिक	सूटिंग फैब्रिक	महिलाओं की ब्रेजरीज	टी-शर्ट्स	जीन्स	लेगिंग
1	प्रयुक्त किस्म के फैब्रिक		निटिड	वुवन	वुवन	वुवन/निटिड	निटिड	वुवन	निटिड
2	फैब्रिक का कुल	ग्राम/	40.00	520.00	375.0	50.00	300.00	600.0	300.00

	वजन	यूओएम			0			0	
3	स्पेंडेक्स/ इलेस्टोमेरिक यार्न की मात्रा	%	5.00	2.00	2.00	10.00	3.00	2.00	5.00
4	स्पेंडेक्स/ इलेस्टोमेरिक यार्न की मात्रा	ग्राम	2.00	10.40	7.50	5.00	9.00	12.00	15.00
5	प्रयुक्त स्पेंडेक्स डेनियर	डेन	20	70	70	40	20	70	40
6	आयातित स्पेंडेक्स- सीआईएफ भारतीय कीमत	अमरी कीडाल र/ कि.ग्राम	5.80	4.50	4.50	4.50	5.80	4.50	4.50
7	ग्राहक को औसत सुपुर्दकी कीमत (निबल सीवीडी)- 0% एएसईएन से बीसीडी	रुपए कि.ग्राम @ एक्स - 67.50	381	315	315	315	381	315	315
8	उत्पाद में स्पेंडेक्स की लागत	रुपए/ अदद	0.76	3.28	2.36	1.58	3.43	3.78	4.73
9	विनिर्मित परिधान के लिए औसत बिक्री कीमत	निम्नतर - रुपए	70	170	500	200	400	500	200
10	कुल कीमत में स्पेंडेक्स की % लागत	कीमत का %	1.1%	1.9%	0.5%	0.8%	0.9%	0.8%	2.4%
11	आयात शुल्क में वृद्धि होने पर स्पेंडेक्स की संभावित सुपुर्दगी कीमत	20%	460	380	380	380	460	380	380
12	विनिर्मित उत्पाद में स्पेंडेक्स की संभावित कीमत	रुपए/ अदद	0.92	3.95	2.85	1.90	4.14	4.56	5.70
		कीमत का %	1.3%	2.3%	0.6%	1.0%	1.0%	0.9%	2.9%

13	स्पेंडेक्स शुल्क में वृद्धि होने पर बेचे गए उत्पाद पर प्रभाव	रुपए/ अदद	0.16	0.68	0.49	0.33	0.71	0.78	0.98
		कीमत का %	0.23%	0.40%	0.10%	0.16%	0.18%	0.16 %	0.49%

- (6) उपरोक्त से यह स्पष्ट होता है कि किसी भी पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के कारण प्रयोक्ता उद्योग पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा। ऐसा प्रभाव विनिमय दर में उतार-चढ़ाव होने के साथ-साथ मुख्य कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव होने के कारण भी पड़ सकता है। इसलिए प्रयोक्ता उद्योग के एक भाग का यह तर्क सही नहीं है कि इससे उनका स्थानीय अथवा निर्यात बाजार प्रभावित होगा। इसके विपरीत इस चरण में पाटन-रोधी शुल्क लगाने से प्रयोक्ता उद्योग लाभान्वित होगा क्योंकि उन्हें प्रतिस्पर्द्धी दरों पर स्थानीय रूप से उत्पादित गुणवत्ता युक्त वस्तुओं की नियमित और शीघ्र आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

37. वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदनों की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार हैं :-

- (क) प्रतिवादी पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि याचिका में कमी है और इसलिए जांच को समाप्त कर दिए जाने की आवश्यकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच की शुरुआत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए *प्रथम दृष्टया* साक्ष्य के आधार पर की गई थी जिससे पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध होने का पता चलता है। अधिनियम और नियमावली के अनुसार जांच को शुरू करने को यथोचित सिद्ध करने के पर्याप्त साक्ष्य थे।
- (ख) हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 (3) के साथ पठित विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 5.3 के अनुसार याचिका का विधिवत् मूल्यांकन करने में विफल रहे हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने मेक्सिको से ग्रे पोर्टलैंड सीमेंट पर निश्चयात्मक पाटन-रोधी उपाय लागू करने के लिए डीएस 156 गुआटेमाला में विश्व व्यापार संगठन की पेनल रिपोर्ट पर विश्वास किया है। इस परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार नियम 5 के कार्य-क्षेत्र को और साथ ही जांच शुरू करने के समय प्राधिकारी के दायित्वों को ठीक तरह से समझने में पूर्णतया विफल रहे हैं। इसके अतिरिक्त स्थापित विधि यह है कि अंतिम निर्धारण, घरेलू उद्योग के साथ-साथ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर उनकी विधिवत् जांच करने और प्राधिकारी द्वारा उनको सत्यापित करने के पश्चात ही किए जाने की आवश्यकता है। इसलिए जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त की गई सामान्य मूल्य की विधि पृष्ठभूमि में पीछे लुप्त हो जाती है और उसका इस मामले के परिणाम से कोई संबंध नहीं है।
- (ग) प्रतिवादी पक्षकारों की आपूर्ति श्रृंखला पूरी नहीं होने के घरेलू उद्योग आरोप के संबंध में निवेदन है कि इसका उल्लेख पाटन मार्जिन के परिकलन से संबद्ध पैराओं में किया गया है।
- (घ) नियम 2 (ग) के अनुसार व्यापारिक एसोसिएशनों को पात्र हितबद्ध पक्षकारों के रूप में माने जाने के मुद्दों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि एसोसिएशनों द्वारा प्रस्तुत उत्तरों को अस्वीकार करने के घरेलू उद्योग के तर्क का महत्व है क्योंकि किसी भी एसोसिएशन ने नियमावली के अनुसार अपने दायित्वों को पूरा नहीं किया है। तथापि, प्राधिकारी ने व्यापक हित में उनके द्वारा किए गए निवेदनों/प्रस्तुत की गई सूचना को स्वीकार कर लिया है।
- (ङ) हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग मुख्य कच्चे माल के आयात शुल्कों में कमी होने के कारण लाभान्वित हुआ है, यह नोट किया जाता है कि लागत और क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए इनके प्रभाव पर पहले से ही विचार कर लिया गया है।

- (च) निचले स्तर के उद्योगों पर शुल्क के प्रभाव के संबंध घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विश्लेषण की जांच की गई है और प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि फैब्रिक के प्रयोक्ताओं और विनिर्माताओं पर लागत के रूप में इसका प्रभाव नगण्य है क्योंकि अंतिम रूप से विनिर्मित उत्पादों में संबद्ध वस्तुओं का अंश बहुत कम होता है। यदि इन पर किसी प्रकार का कोई पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है, तो उसका भारत में उत्पाद के कीमत स्तर पर केवल मामूली प्रभाव पड़ेगा।

मान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

च. सामान्य मूल्य

38. धारा 9 (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- (1) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा
 - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत।

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से संबंधित प्रावधान

39. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:

7. "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।"

8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश" शब्द का अर्थ ऐसा कोई देश है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लागत या कीमत निर्धारण संरचनाओं के बाजार सिद्धांतों पर प्रचालन करते हुए निर्धारित नहीं किया है क्योंकि ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियां उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के अनुसार पण्य वस्तुओं का उचित मूल्य प्रदर्शित नहीं करती हैं।

(2) ऐसी एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले तीन वर्ष की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटन-रोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में निर्धारित किया गया है या माना गया है, को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाएगा ;

बशर्ते कि फिर भी यह कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ऐसे देश की संबंधित फर्मों निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय की सूचना और साक्ष्य उपलब्ध कराके ऐसी किसी परिकल्पना का खंडन कर सकती हैं, जो यह सिद्ध करती हों कि वह देश उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करेंगे कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं ;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे-खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;

(ग) इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है।

बशर्ते कि फिर भी जहां इस पैरा में विनिश्चित मानदंड के आधार पर लिखित साक्ष्य द्वारा ऐसा दर्शाया गया है कि एक अथवा अधिक ऐसी फर्मों के लिए पाटन-रोधी जांच के अध्यधीन बाजार की दशाएं विद्यमान हैं, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी पैराग्राफ 7 और इस पैराग्राफ में उल्लिखित सिद्धांतों के बजाए पैराग्राफ 1 से 6 में उल्लिखित सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

40. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजने के साथ उनको सलाह दी थी कि संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत किए हैं :-

- (क) मेसर्ज ह्योसुंग कार्पोरेशन, कोरिया
- (ख) मेसर्ज ह्योसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड, विएतनाम
- (ग) मेसर्ज ह्योसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड, विएतनाम
- (घ) मेसर्ज टी.के. केमिकल्स कार्पोरेशन, कोरिया
- (ङ) मेसर्ज विनविन कार्पोरेशन, कोरिया
- (च) मेसर्ज चोन बाउंग टेक्सटाईल्स कंपनी लिमिटेड, कोरिया

- (छ) मेसर्ज हंसविल कंपनी लिमिटेड, कोरिया
- (ज) मेसर्ज फोटूरूस्ट कंपनी लिमिटेड, कोरिया
- (झ) मेसर्ज एसओ एफएनसी इंटरनेशनल, कोरिया
- (ञ) मेसर्ज हंगझोऊ सनराईज स्पेन्डेक्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ट) मेसर्ज यानटाई टाईहो एडवांस्ड मेटेरियल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ठ) मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर (शंघाई) कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ड) मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर फोशन कंपनी लिमिटेड, चीन
- (ढ) मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर कंपनी, लिमिटेड, चीन
- (ज) मेसर्ज इन्विस्टा सिंगापुर प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर

1. चीन जनवादी गणराज्य

घरेलू उद्योग के विचार

41. घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में पूरी सूचना प्रस्तुत की है, जो कि जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ आवश्यक थी। नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग को ऐसी सूचना देना आवश्यक है जो कि जांच शुरू करने को यथोचित सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हो। उसने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के अपने दावे के समर्थन में साक्ष्य भी प्रस्तुत किए हैं।
42. इन्विस्टा ग्रुप की ताईवान, विएतनाम और दक्षिण कोरिया में स्थित कंपनियों ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। इसलिए उनका प्रत्युत्तर अपूर्ण है और उसे अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए।
43. चीन जनवादी गणराज्य को निम्नलिखित कारणों से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए:-
- (1) चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि उसके प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं कर देते हैं कि प्रमुख इनपुट की कीमते पर्याप्त रूप से बाजार के मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं।
 - (2) ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण को अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए जहां चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहते हैं कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों (आईएस) से सुसंगत नहीं हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों का अनुपालन करने के आग्रह की आवश्यकता, रिपोर्ट में उल्लिखित निर्दिष्ट राजस्व और व्यय, परिसम्पतियों और देयताओं की शुद्धता और पर्याप्तता सुनिश्चित करती है।
 - (3) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमावली के अंतर्गत निर्धारित किए गए प्रत्येक प्राचल के संबंध में परीक्षण पूर्णतया सफल नहीं हो जाते हैं। इसके विपरीत आर्थिक क्षति की जांच करते समय एकल प्राचल की मौजूदगी को ऐसी क्षति के विद्यमान होने को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त माना जाता है। अन्य शब्दों में यदि एक प्राचल क्षति के विद्यमान होने को सिद्ध करने के लिए विफल हो जाता है, तो ऐसा एकल प्राचल में विफल होना ही बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे को अस्वीकृत करने के लिए पर्याप्त होता है।

- (4) प्राधिकारी का यह सिद्ध करने का दायित्व नहीं है कि प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकार बाजार अर्थव्यवस्था के परिवेश में कार्य कर रहे हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने के हकदार हैं। लेकिन यह दायित्व चीन के निर्यातकों का है कि वे यह सिद्ध करें कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन कार्य कर रहे हैं।
- (5) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक स्वीकृत नहीं किया जा सकता है, जब तक की प्रतिवादी कंपनी और उसका समग्र ग्रुप उसका दावा नहीं करता है। यदि किसी कंपनी के समूह में शामिल एक अथवा अधिक कंपनियों ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, तो उसके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए।
- (6) यह निवेदन किया गया है कि उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) में उल्लिखित प्रावधान को लागू किए बिना केवल उसके पैरा 7 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।
- (7) इस प्रकार चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, (क) भारत को तृतीय देश से आयात कीमत, (ख) भारत में बिक्री कीमत और (ग) भारत में उत्पादन की लागत, जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों और लाभ का विधिवत समायोजित किया जाना शामिल है, के आधार पर किया जा सकता है। साथ ही यह भी निवेदन किया जाता है कि चूंकि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए ये विकल्प उपलब्ध हैं, प्राधिकारी कृपया "किसी अन्य आधार" पर भी विचार कर सकते हैं क्योंकि इसे तभी लागू किए जाने की आवश्यकता है, जब कि विधि के अंतर्गत सूचीबद्ध किए गए अन्य आधार को लागू नहीं किया जा सकता है।

प्रतिवादी पक्षकारों/निर्यातकों के विचार

44. वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। इस संबंध में यह निवेदन है कि आधार भूत साक्ष्य मानकों को पूरा किए बिना कोई भी जांच तर्क संगत नहीं होती है और इसलिए वर्तमान को तुरंत समाप्त कर दिया जाना चाहिए।
- (2) संबद्ध प्रावधानों में विनिश्चित की गई शर्तों में सामान्य मूल्य की संरचना के एक आधार के रूप में घरेलू बिक्री कीमतों से संबंधित आंकड़ों की "अनुपलब्धता" शामिल नहीं है। इस प्रकार संरचित सामान्य मूल्य का आश्रय लेने के लिए आवेदन-पत्र में उल्लिखित आधार गलत है।
- (3) घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त किए गए अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, कमीशन आदि के अनुमान के समर्थन में भी कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। आवेदन-पत्र में ऐसा कोई साक्ष्य निहित नहीं है, जिससे ऐसा पता चलता हो कि उल्लिखित कैसे आंकड़े आंकलित किए गए हैं और संबद्ध परिकलन क्या हैं।
- (4) याचिका में याचिकादाता द्वारा आक्कलित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को सही नहीं माना जा सकता है क्योंकि याचिकादाता ने अपने परिकलन के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।
- (5) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी सामान्य मूल्य के बारे में पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित कियाविधि का अनुसरण नहीं किया है।
- (6) निर्यात कीमत के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किया गया समायोजन असामान्य रूप से अत्यधिक है और उसके समर्थन में कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी को निर्यात कीमत का परिकलन करते समय सही समायोजन करना चाहिए।

45. इन्विस्टा की चीन में तीन कंपनियां हैं, जिनके नाम हैं: मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर कंपनी ("आईएफसी") लिमिटेड, मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर (फोशन) कंपनी लिमिटेड ("आईएफएफ") और मेसर्ज इन्विस्टा फाईबर (शंघाई) कंपनी लिमिटेड। ये

कंपनियां विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करती है और सिंगापुर में स्थित अपनी मेसर्ज इन्विस्टा (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड ("आईएसपी") नामक कंपनी के माध्यम से उनका निर्यात भारत को करती हैं। चीन में स्थिति ये तीन कंपनियों के पूर्ण स्वामित्वाधीन सीएच हांगकांग होल्डिंग II लिमिटेड नामक कंपनी है, जो कि अप्रत्यक्ष रूप से इन्विस्टा बी.वी. के पूर्ण स्वामित्वाधीन कंपनी है जो कि नीदरलैंड के कानूनों के अंतर्गत पंजीकृत एक कंपनी है। इन्विस्टा बी.वी. कोच इंडस्ट्रीज इंक के पूर्ण स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी है। इन्विस्टा ग्रुप ने बाजार अर्थव्यवस्था के निरूपण के लिए कहा है और उसने प्रश्नावली का उत्तर विस्तार से दिया है। इसकी जांच की गई है कि इन्विस्टा बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन कार्य करती है और यह विदेशी स्वामित्वाधीन कंपनी है। इन्विस्टा अपनी संबंधित कंपनियों से निकटस्थ दूरी के आधार पर और बाजार कीमतों पर विभिन्न प्रयोज्यताओं के लिए अपना कच्चा माल प्राप्त करती है।

46. यह बताया गया है कि हालांकि इन्विस्टा की ताईवान और दक्षिण कोरिया में उपस्थिति है, लेकिन वहां से उसकी किसी भी कंपनी ने जांच अवधि अथवा क्षति अवधि के दौरान भारत को संबद्ध उत्पाद का कोई निर्यात नहीं किया है। विएतनाम के संबंध में निवेदन है कि इन्विस्टा की विएतनाम में किसी भी प्रकार की कोई उपस्थिति नहीं है। इसलिए विभिन्न कंपनियों के संबंध में इन्विस्टा द्वारा प्रस्तुत किया गया उत्तर पूरा है।

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण से संबंधित दावे की प्राधिकारी की जांच

47. प्राधिकारी ने यह पाया है कि इन्विस्टा ऐसी विभिन्न कंपनियों का एक समूह है, जो कि विभिन्न उत्पादों से संबंधित हैं। संबद्ध वस्तुओं के लिए कच्चे माल की अधिप्राप्ति संबंधित कंपनियों से की जाती है। कंपनी ने बताया है कि कच्चा माल बाजार कीमतों पर होता है, लेकिन इस संबंध में कोई सहायक कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। वास्तव में इस प्रकार से अधिप्राप्त किए गए कच्चे माल की कीमतें प्रचलित बाजार कीमतों से कम होती हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने इन्विस्टा ग्रुप को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं देने का निर्णय लिया है क्योंकि उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था के परिवेश में प्रचालन कार्य नहीं किया है और सामान्य मूल्य की संरचना समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से अदा की गई अथवा देय कीमत के आधार पर की गई है, जिसमें उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए उचित समायोजन किया गया है।

48. वर्तमान जांच में उसकी सभी संबद्ध कंपनियों के भाग लेने के बारे में इन्विस्टा का निवेदन सही है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने इन्विस्टा ग्रुप को समग्र रूप से उसकी समस्त तीन कंपनियों को एकल आर्थिक कंपनी मानते हुए उसके लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का परिकलन करने का निर्णय लिया है।

मेसर्ज इन्विस्टा ग्रुप चीन के मामले में निर्यात मूल्य

49. आईएफसी: परिशिष्ट-2 में आईएफसी ने इन्विस्टा सिंगापुर के माध्यम से जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात के *** करोबार होने सूचित किए हैं। उत्पादक ने समुद्रपार भाड़े का समायोजन करने का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन करने के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है।

50. आईएफएस: परिशिष्ट-2 में आईएफसी ने इन्विस्टा सिंगापुर के माध्यम से जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात के *** करोबार होने सूचित किए हैं। उत्पादक ने समुद्रपार भाड़े का समायोजन करने का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन करने के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है।

51. आईएफएफ: परिशिष्ट-2 में आईएफसी ने इन्विस्टा सिंगापुर के माध्यम से जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात के *** करोबार होने सूचित किए हैं। उत्पादक ने समुद्रपार भाड़े का समायोजन करने का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन करने के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है।

52. इन्विस्टा सिंगापुर ने जांच अवधि के दौरान अपने संबंधित उत्पादकों नामतः आईएफसी, आईएफएस और आईएफएफ द्वारा उत्पादित उत्पादों के भारत को निर्यात के *** करोबार होने सूचित किए हैं। निर्यातक ने भाड़े, क्लियरेंस और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्रपार बीमे, एसओएंडए, लाभ और ऋण लागत का समायोजन करने का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन करने के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस निर्यातक के लिए प्रस्तावित निर्यात कीमत नीचे तालिका में उल्लिखित की गई है।

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	5-15

मेसर्ज हंगझाऊ सनराईज स्पेंडेक्स कंपनी लिमिटेड, चीन के मामले में सामान्य मूल्य

53. प्राधिकारी ने नोट किया है कि मेसर्ज हंगझाऊ सनराईज स्पेंडेक्स कंपनी लिमिटेड ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (3) में उल्लिखित प्रावधान के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के निरूपण का दावा किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उक्त कंपनी के लिए समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से अदा किए गए अथवा देय कीमत के आधार पर अनुमानित सामान्य मूल्य में उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए उसमें विधिवत् समायोजन करके उसका निर्धारण करने के सिवाए और कोई विकल्प नहीं बचा है।

मेसर्ज हंगझाऊ सनराईज स्पेंडेक्स कंपनी लिमिटेड, चीन के मामले में निर्यात कीमत

54. जांच अवधि के दौरान मेसर्ज हंगझाऊ सनराईज स्पेंडेक्स कंपनी लिमिटेड, चीन ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन निर्यात किए थे। इस निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़े, समुद्रीपार भाड़े, समुद्री बीमे, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन करने का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। प्रस्तावित सीएनवी और निबल निर्यात कीमत का परिकलन पीसीएन-वार किया गया है। उसके लिए भारित औसत निम्नानुसार है:

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	35-45

मेसर्ज यानटाई टायहो एडवांस्ड मेटेरियल कंपनी लिमिटेड, चीन के मामले में सामान्य मूल्य

55. प्राधिकारी ने नोट किया है कि मेसर्ज यानटाई टायहो एडवांस्ड मेटेरियल कंपनी लिमिटेड ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (3) में उल्लिखित प्रावधान के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के निरूपण का दावा नहीं किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उक्त कंपनी के लिए समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से अदा किए गए अथवा देय कीमत के आधार पर अनुमानित सामान्य मूल्य में उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए उसमें विधिवत् समायोजन करके उसका निर्धारण करने के सिवाए और कोई विकल्प नहीं बचा है।

मेसर्ज यानटाई टायहो एडवांस्ड मेटेरियल कंपनी लिमिटेड, चीन के मामले में निर्यात

56. जांच अवधि के दौरान मेसर्ज यानटाई टायहो एडवांस्ड मेटेरियल कंपनी लिमिटेड ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन निर्यात किए थे। इस निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़े, समुद्रीपार भाड़े, समुद्री बीमे, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन करने का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। प्रस्तावित सीएनवी और निबल निर्यात कीमत का परिकलन पीसीएन-वार किया गया है। उसके लिए भारित औसत निम्नानुसार है:

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	45-55

सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

57. इस जांच में सहयोगी/भाग लेने वाले अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए प्राधिकारी का पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को निर्धारण करने का प्रस्ताव है। संबद्ध वस्तुओं के लिए अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में इस प्रकार से निर्धारित किया गया प्रस्तावित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निम्नानुसार है:

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/ कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	45-55

2. कोरिया**घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन**

58. ह्योसुंग कार्पोरेशन ग्रुप के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि जबकि ह्योसुंग ग्रुप ने कोरिया और विएतनाम से अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं, यह अपनी पूरी आपूर्ति श्रृंखला के संबंध में सही और संपूर्ण सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहा है। उन्होंने चीन में जो कि वर्तमान जांच में संबद्ध देशों में से एक है, संबद्ध वस्तुओं के अपने विनिर्माण क्रियाकलापों के बारे में जटिल सूचना को दबा कर रखा हुआ है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया है कि ह्योसुंग ग्रुप ने इस तथ्य का भी प्रकटन नहीं किया है कि ह्योसुंग, चीन ने भारत और अन्य तीन देशों नामतः दक्षिण कोरिया, विएतनाम और ताईवान को संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति की है।
- (2) ह्योसुंग ग्रुप ने अपूर्ण सूचना प्रस्तुत की है क्योंकि उन्होंने भारत में अपने कार्यालय का प्रकटन नहीं किया है जो कि विपणन और बिक्री के पश्चात सेवाएं प्रदान करने का कार्य करता है।
- (3) ह्योसुंग ग्रुप ने इस तथ्य के बारे में सूचित नहीं किया है कि वे दिल्ली स्थित अपनी शाखा को 3% - 6% तक का कमीशन दे रहे हैं और साथ ही व्यापारियों को बिक्री पश्चात छूट भी दे रहे हैं। ऐसी सूचना का निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के परिकलन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसको ध्यान में रखते हुए ह्योसुंग कोरिया और ह्योसुंग विएतनाम के लिए निर्यात कीमत को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी का यह दृष्टिकोण हाल ही के परिणामों में प्राधिकारी द्वारा प्रकट किए गए दृष्टिकोण के अनुरूप होगा।
- (4) ह्योसुंग ग्रुप ने संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य और प्रयोक्ताओं को की गई उनकी बिक्रियों के बीच कीमत के अंतर की प्रतिपूर्ति करने के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातकों/प्रयोक्ताओं को ह्योसुंग ग्रुप द्वारा अदा किए जाने वाले कमीशन के मामलों के बारे में सूचित नहीं किया है। इससे पहुंच मूल्य के समान अपनी कीमत को बनाए रखने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रभाव पड़ा है, जो कि घट गई है और इसलिए कीमत में कटौती नकारात्मक प्रतीत होती है।
- (5) ह्योसुंग ग्रुप ने घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती करने के लिए आयातकों/व्यापारियों को बिक्री पश्चात कमीशन/छूट देने की घटनाएं सूचित नहीं की हैं।
- (6) ह्योसुंग ग्रुप ने संबद्ध वस्तुओं के आयातकों/व्यापारियों को संबद्ध वस्तुओं की गुणवत्ता के दोषों के लिए अदा की गई ऐसी प्रतिपूर्ति के बारे में भी सूचित नहीं किया है, जो कि अंततः संबद्ध वस्तुओं के प्रयोक्ताओं को की जाती है।
- (7) यह भी निवेदन किया गया है कि चूंकि ह्योसुंग ग्रुप की सभी कंपनियों ने वर्तमान जांच में भाग लिया है, कोरिया और विएतनाम के लिए सामान्य मूल्य के संबंध में मूलभूत सांविधिक परीक्षण को लागू नहीं किया जा सकता है।

तदनुसार निर्यातक विशिष्ट सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उनकी सूचना को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

- (8) प्रतिवादी निर्यातक ने कच्चे माल की आपूर्ति के स्रोतों और प्रयोज्यताओं से संबंधित सूचना को विशेष रूप से प्राधिकारी को नहीं बताने के लिए दबा कर रखा हुआ है। जहां तक कि परिशिष्ट 8 में लागत निर्धारण के शीर्षों को भी निर्दिष्ट नहीं किया गया है, जिससे ऐसा संदेह उत्पन्न होता है कि वे प्राधिकारी से कुछ छिपाना अथवा उनको गुमराह करना चाहते हैं।

हयोसुंग कार्पोरेशन द्वारा किए गए निवेदन

59. हयोसुंग ग्रुप ने अपनी तीन कंपनियों नामतः हयोसुंग कोरिया, हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड और हयोसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड के बारे में व्यापक सूचना प्रस्तुत की है, जो कि प्रत्येक तरीके से सही है। इसके अतिरिक्त हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड और हयोसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड के लिए ग्रुप स्तर पर एकल पाटन मार्जिन निर्धारित करने का अनुरोध किया गया है क्योंकि ये कंपनियां एक समान ग्रुप से संबद्ध हैं।

60. हयोसुंग ग्रुप ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए आरोप का विशेष रूप से खंडन किया है।

- (क) हयोसुंग चीन ने केवल 150 से अधिक डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न का निर्यात किया है जो कि विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं है। निर्यातकों ने भी हयोसुंग चीन द्वारा भारत को किए गए निर्यातों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं जिनसे सिद्ध होता है कि उसने भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है।
- (ख) हयोसुंग ने भारत में स्थित अपने कार्यालय का उल्लेख किया था लेकिन असावधानी से गलती हो जाने के कारण निर्यातक की प्रश्नावली में हयोसुंग भारत के कार्यालय का पता नहीं दिया गया था। तथापि, हयोसुंग की कंपनियों ने इस जांच में सहयोग दिया है और सभी संबद्ध सूचना प्रदान की है।
- (ग) हयोसुंग ग्रुप ने बताया है कि हयोसुंग, दिल्ली कार्यालय को कोई कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है। तथापि, हयोसुंग विएतनाम दिल्ली कार्यालय को मौद्रिक सहायता प्रदान करती है क्योंकि दिल्ली कार्यालय, हयोसुंग की ओर से विभिन्न क्रियाकलाप करता है और इन सभी व्यवसायिक क्रियाकलापों पर विभिन्न व्यय होते हैं। हयोसुंग विएतनाम के निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तरों के परिशिष्ट-2 में ऐसी राशियों के ब्यौरे बिक्री पश्चात होने वाले व्यय के रूप में दर्शाए गए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने कानूनी सलाहकार के माध्यम से मौखिक निवेदन में यह कहा है कि यदि प्राधिकारी इन्हें कमीशन के रूप में मानते हैं तो वह ऐसा मान सकते हैं और इसका समायोजन निर्यात कीमत से कर सकते हैं। तथापि, उन्होंने अनुरोध किया है कि जांच के दौरान उनके द्वारा किए गए निवेदनों पर विश्वास किया जाए।
- (घ) उन्होंने आगे यह भी स्पष्ट किया है कि हयोसुंग विएतनाम निर्यात और घरेलू बाजार दोनों में विचाराधीन उत्पाद में खराबी के लिए कमीशन प्रदान करती है ताकि उत्पाद की गुणवत्ता की गारंटी दी जा सके। जांच अवधि के दौरान भारतीय ग्राहकों को हयोसुंग विएतनाम द्वारा प्रतिपूर्ति किए गए दावों की कुल संख्या *** है और यह भारत को की गई कुल निर्यात बिक्रियों के *** कारोबार से संबंधित है। इसके अतिरिक्त व्यय का कुल दावा भारत में कुल निर्यात बिक्रियों का ***% है। इसके अतिरिक्त हयोसुंग विएतनाम के विएतनाम में घरेलू बिक्रियों के लिए ***दावे की प्रतिपूर्ति की है जो कि कुल घरेलू बिक्रियों के मूल्य का *** % है।
- (ङ) हयोसुंग ग्रुप ने स्पष्ट किया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए कीमत में अंतर के लिए प्रतिपूर्ति करने के लिए बिक्री पश्चात कोई छूट प्रदान नहीं की गई है। जैसा ऊपर स्पष्ट किया गया है, कमीशन गैर-संबंधित बिक्री एजेंटों और हयोसुंग भारत कार्यालय को व्ययों के लिए दिया जाता है, जिनके ब्यौरे हयोसुंग विएतनाम की निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर के परिशिष्ट-2 में पहले से ही प्रदान कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त निर्यातकों ने अपने निवेदन में विशेष रूप से यह उल्लेख किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई 2 ऋण टिप्पणियों को छोड़ कर अन्य सभी बीजक जांच अवधि के बाद के हैं। इस प्रकार निर्यातकों ने यह निवेदन किया है कि जांच अवधि पश्चात की अवधि से संबंधित दस्तावेज और आंकड़े इस जांच से असंबद्ध हैं और इन्हें अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए।

प्राधिकारी की जांच

61. प्राधिकारी ने नोट किया है कि हयोसुंग ग्रुप की कंपनियों नामतः हयोसुंग कार्पोरेशन कोरिया, हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड और हयोसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड, विएतनाम जो सभी संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक कंपनियां हैं, ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। हयोसुंग ग्रुप ने विस्तृत उत्तर प्रस्तुत किए हैं और वे सम्पूर्ण हैं और उन्हें स्वीकार किया जाता है।

62. यह देखा गया है कि चीन और ताईवान में हयोसुंग की अन्य कंपनियां हैं जिन्होंने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है क्योंकि उनमें से किसी ने भी जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात नहीं किए हैं। इसलिए हयोसुंग ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर को पूरा माना गया है।

63. हयोसुंग ग्रुप की निर्यात कीमत के बारे में सभी प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न निवेदनों की विस्तार से जांच की गई है। उत्पादक - निर्यातक मेसर्ज हयोसुंग कार्पोरेशन और मेसर्ज हयोसुंग विएतनाम को उनके दिल्ली कार्यालय का अत्यधिक कमीशन का भुगतान करने के बारे में घरेलू उद्योग के अभ्यावेदन के उत्तर देने और उसके साथ साक्ष्य के रूप में कुछ दस्तावेज संलग्न करने के लिए कहा गया था। प्राधिकारी द्वारा निवेदनों और निवेदनों के उत्तरों की गहन जांच की गई है और सत्यापन प्रदर्शों के रूप में प्रस्तुत किए गए दस्तावेज के आधार पर कमीशन के कारण निर्यात कीमत में उपयुक्त समायोजन करने का निर्णय लिया गया है ताकि हयोसुंग ग्रुप के लिए कारखाना-गत निर्यात कीमत का आक्कलन किया जा सके।

हयोसुंग कार्पोरेशन के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

64. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर की जांच घरेलू बिक्रियों के लिए की गई है और यह पाया गया है कि कुल घरेलू बिक्रियों के ***% कारोबार लाभप्रद हैं। इसलिए प्राधिकारी ने संपूर्ण बिक्रियों के आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्रवाई की है। उन्होंने अंतरदेशीय भाड़े, समुद्रीपार भाड़े, हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, ऋण लागत, बैंक प्रभारों और शुल्क वापसी की प्रतिपूर्ति के लिए समायोजन का दावा किया है। आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। उत्पादक - निर्यातक के लिए प्रस्तावित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निम्नानुसार है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	(10)-0

मेसर्ज टी.के. केमिकल्स के मामले में सामान्य मूल्य

65. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर की जांच की गई है और यह पाया गया है कि मेसर्ज टी.के. केमिकल्स ने अपने उत्तर के संबद्ध परिशिष्ट में संबद्ध वस्तुओं के ब्यौरे प्रदान किए हैं। यह नोट किया गया था कि कुल घरेलू बिक्रियों के ***% कारोबार लाभप्रद हैं। इसलिए प्राधिकारी ने संपूर्ण बिक्रियों के आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्रवाई की है। इस प्रकार से निर्धारित किया गया प्रस्तावित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत नीचे तालिका में दी गई है।

मेसर्ज टी.के. केमिकल्स के मामले में निर्यात कीमत

66. उत्पादक ने सीधे और अन्य गैर-संबंधित निर्यातकों के माध्यम से निर्यात किया है। उन्होंने अपने निजी यूनिट के लिए प्रश्नावली के उत्तर विस्तार से दिए हैं। अपने सीधे निर्यातों पर निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़े, समुद्रीपार भाड़े, हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, दलाली, ऋण व्यय, बैंक प्रभारों और शुल्क वापसी की प्रतिपूर्ति के लिए समायोजन का दावा किया है। इनका सत्यापन किया गया है और जितना सही पाया गया है, उन्हें स्वीकार कर लिया गया है। इस प्रकार सीधे निर्यातों के लिए निर्यातक के लिए निर्धारित की गई निर्यात कीमत निम्नानुसार है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	1-10

मेसर्ज चौन बोऊंग टेक्सटाईल्स कंपनी लिमिटेड के मामले में निर्यात कीमत

67. जांच अवधि के दौरान मेसर्ज चौन बोऊंग टेक्सटाईल्स कंपनी लिमिटेड ने संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं, जिन्हें मेसर्ज टी.के. केमिकल्स, कोरिया नामक गैर-संबंधित उत्पादक से अधिप्राप्त किया गया था। मेसर्ज चौन बोऊंग टेक्सटाईल्स कंपनी लिमिटेड ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन के निर्यात किए हैं। निर्यातक ने समुद्रीपार भाड़े, क्लियरेंस और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, दलाली, एसजीसीएंडए, लाभ और ऋण व्ययों के समायोजन का दावा किया है और सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस प्रकार निर्यातक के लिए प्रस्तावित निर्यात कीमत को नीचे तालिका में दिया गया है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	5-15

मेसर्ज विन विन कार्पोरेशन, कोरिया के मामले में निर्यात कीमत

68. जांच अवधि के दौरान मेसर्ज विन विन कार्पोरेशन ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जिन्हें मेसर्ज चौन बोऊंग टेक्सटाईल्स कंपनी लिमिटेड से अधिप्राप्त किया गया था जिसने संबद्ध वस्तुओं को मेसर्ज टी.के. केमिकल्स, कोरिया नामक गैर-संबंधित उत्पादक के स्रोत से प्राप्त किया था। मेसर्ज विन विन कार्पोरेशन ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन के निर्यात किए हैं। निर्यातक ने समुद्रीपार भाड़े, क्लियरेंस और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, दलाली, एसजीसीएंडए, लाभ और ऋण व्ययों के समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस प्रकार निर्यातक के लिए प्रस्तावित निर्यात कीमत को नीचे तालिका में दिया गया है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	5-15

मेसर्ज हंसविल कंपनी लिमिटेड, कोरिया के मामले में निर्यात कीमत

69. जांच अवधि के दौरान मेसर्ज हंसविल कंपनी लिमिटेड ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जिन्हें मेसर्ज टी.के. केमिकल्स, कोरिया नामक गैर-संबंधित उत्पादक से प्राप्त किया गया था। मेसर्ज हंसविल कंपनी लिमिटेड ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन के निर्यात किए हैं। निर्यातक ने समुद्रीपार भाड़े, क्लियरेंस और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, दलाली,

एसजीसीएंडए, लाभ और ऋण व्ययों के समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस प्रकार निर्यातक के लिए प्रस्तावित निर्यात कीमत को नीचे तालिका में दिया गया है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	10-20

मेसर्ज फोटरस्ट कंपनी लिमिटेड, कोरिया के मामले में निर्यात कीमत

70. जांच अवधि के दौरान मेसर्ज फोटरस्ट कंपनी लिमिटेड ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जिन्हें मेसर्ज टी.के. केमिकल्स, कोरिया नामक गैर-संबंधित उत्पादक से प्राप्त किया गया था। मेसर्ज फोटरस्ट कंपनी लिमिटेड ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन के निर्यात किए हैं। निर्यातक ने समुद्रीपार भाड़े, क्लियरेंस और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, दलाली, एसजीसीएंडए, लाभ और ऋण व्ययों के समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस प्रकार निर्यातक के लिए प्रस्तावित निर्यात कीमत को नीचे तालिका में दिया गया है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	5-15

मेसर्ज सो एफएनसी इंटरनेशनल, कोरिया के मामले में निर्यात कीमत

71. जांच अवधि के दौरान मेसर्ज सो एफएनसी इंटरनेशनल ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जिन्हें मेसर्ज टी.के. केमिकल्स, कोरिया नामक गैर-संबंधित उत्पादक से प्राप्त किया गया था। मेसर्ज सो एफएनसी इंटरनेशनल ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन के निर्यात किए हैं। निर्यातक ने समुद्रीपार भाड़े, क्लियरेंस और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, दलाली, एसजीसीएंडए, लाभ और ऋण व्ययों के समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस प्रकार निर्यातक के लिए प्रस्तावित निर्यात कीमत को नीचे तालिका में दिया गया है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	5-15

अन्य सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

72. कोरिया से अन्य ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों के लिए जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया है, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। संबद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्रस्तावित सामान्य मूल्य, निबल निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	30-40

3. विएतनाम

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

73. विएतनाम में दो उत्पादकों से प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं, जो कि भारत को विएतनाम के अधिकांश निर्यातों को कवर करते हैं। संबद्ध वस्तुओं के ये दोनों उत्पादक हयोसुंग ग्रुप से संबंधित हैं। इन दोनों कंपनियों में से हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। तथापि, विएतनाम में दोनों उत्पादक एक ही हैं और क्षति का विश्लेषण करने के लिए उन्हें एक कंपनी के रूप में माने जाने के लिए कहा गया है। हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड और हयोसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड "समान स्वामित्व ढांचे, प्रशासनिक विभागों, तकनीकी सेवा, बिक्री दलों, बिक्री प्रबंधन विभागों, बिक्री कार्यालय, वेतन और मानव संसाधन प्रणाली आदि" में समान रूप से सहभागी हैं। इनके अतिरिक्त ये दोनों कंपनियां एक ही भौगोलिक क्षेत्र में स्थापित हैं और उसी ब्रांड की संबद्ध वस्तुओं (जिन्हें "क्रियोरा" के नाम से जाना जाता है) का विनिर्माण करती हैं। हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड और हयोसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड की उत्पादन प्रक्रिया और उनके द्वारा विनिर्मित उत्पादों में कोई अंतर नहीं है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड और हयोसुंग डोंग नाई कंपनी लिमिटेड को एकल कंपनी माना जाना चाहिए और इसलिए इन दोनों कंपनियों को एकल पाटन/क्षति मार्जिन प्रदान किया जाना चाहिए।

74. हयोसुंग ग्रुप विएतनाम के निवेदनों पर विचार किया गया है और यह निर्णय लिया गया है कि विएतनाम में इन दोनों उत्पादक कंपनियों का एकल पाटन मार्जिन दिया जाए क्योंकि ये दोनों एक ग्रुप की संबंधित कंपनियां हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी की यह सुसंगत पद्धति रही है कि एक समान ग्रुप से संबंध रखने वाले संबंधित निर्यातक उत्पादक और निर्यातक उत्पादक को पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए एकल कंपनी माना जाए और इस प्रकार उनके लिए एकल पाटन मार्जिन की व्यवस्था की जाए।

हियोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड और हियोसुंग डोंग नाई कंपनी के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

75. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर की जांच घरेलू बिक्रियों के लिए की गई है और यह पाया गया है कि कुल घरेलू बिक्रियों का ***% कारोबार लाभप्रद है। प्राधिकारी ने संपूर्ण बिक्रियों के आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्रवाई की है। उत्पादक ने भारत को सीधे निर्यात किए हैं। निर्यातक ने समुद्रीपार भाडे, क्लियरेंस और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री बीमा, दलाली, एसजीसीएंडए, लाभ और ऋण व्ययों के समायोजन का दावा किया है और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस प्रकार निर्यातक के लिए प्रस्तावित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को नीचे तालिका में दिया गया है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	1-10

अन्य सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

76. विएतनाम से अन्य ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों के लिए जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया है/सहयोग नहीं दिया है, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। संबद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में प्रस्तावित सामान्य मूल्य, निबल निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	35-45

4. ताईवान

77. ताईवान से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। इसलिए सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। संबद्ध वस्तुओं के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में इस प्रकार से निर्धारित किया गया प्रस्तावित सामान्य मूल्य, निबल निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

संरचित सामान्य मूल्य		निबल निर्यात कीमत		पाटन मार्जिन			
अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	रुपए/कि.ग्रा.	अमरीकी डालर	रुपए	%	सीमा
***	***	***	***	***	***	***	55-65

पाटन मार्जिन

78. संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन को पीसीएन वार सामान्य मूल्य (जहां वास्तविक सामान्य मूल्य उपलब्ध/स्वीकार्य नहीं है वहां परिकलित) और संबद्ध वस्तु के लिए कारखाना-द्वार स्तर पर निबल निर्यात कीमत की तुलना करके निर्धारित किया गया है। नीचे तालिका विभिन्न संबद्ध देशों के लिए भारित औसत मूल्यों को दर्शाती है। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के लिए पाटन मार्जिन कोरिया के एक सहयोगी निर्यातक को छोड़कर सभी संबद्ध देशों से आयातों के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।

क्र. सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	एनसी/सी एनवी	एनईपी	पाटन मार्जिन		
				अ.डा./कि ग्रा	अ.डा./किग्रा	अ.डा./किग्रा	%	रेंज
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	चीन							
	i	हेंगझू सनराइज स्पेनडेक्स कं. लि.	हेंगझू सनराइज स्पेनडेक्स कं. लि.	***	***	***	***	35-45
	ii	यंताई टेहो एडवांस्ड मैटेरियल्स कं. लि.	यंताई टेहो एडवांस्ड मैटेरियल्स कं. लि.	***	***	***	***	45-55
	iii	इंविस्टा फाइबर (शंघाई)कं. लि., इंविस्टा फाइबर कं. लि., इंविस्टा फाइबर्स(फोशान) कं. लि.	इंविस्टा सिंगापुर पीटीई लि., सिंगापुर	***	***	***	***	5-15

1	2	3	4	5	6	7	8	9
	iv	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	45-55
2.	कोरिया			***	***	***	***	
	i	ह्योसंग कार्पोरेशन	ह्योसंग कार्पोरेशन	***	***	***	***	(10) - 0
	ii	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	***	***	***	***	1-10
	iii	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	चोन वोंग टैक्सटाइल्स कं. लि.	***	***	***	***	5-15
	iv	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	विनविन कार्पोरेशन	***	***	***	***	5-15
	v	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	हंसविल कं. लि.,	***	***	***	***	10-20
	vi	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	फोट्रस्ट कं. लि. .,	***	***	***	***	5-15
	vii	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	एसओ एफएनसी इंटरनेशनल,	***	***	***	***	5-15
	viii	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	30-40
3.	वियतनाम							
	i	ह्योसंगत वियतनाम, ह्योसंग डोंग नार्ड	ह्योसंगत वियतनाम, ह्योसंग डोंग नार्ड	***	***	***	***	1-10
	ii	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	35-45
4.	ताइवान	कोई उत्पादक/निर्यातक	कोई उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	55-65

क्षति निर्धारण की पद्धति और क्षति और कारणात्मक संबंध की जाँच

उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

79. वर्तमान जाँच की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए क्षति संबंधी अनुरोधों का सारांश निम्नानुसार है:

- क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतों में वृद्धि हुई है और इसलिए याचिकाकर्ता का यह दावा कि पाटित आयातों से लाभप्रदता प्रभावित हो रही है और वह बिक्री कीमत बढ़ाने में असमर्थ है में कोई सच्चाई नहीं है। कोई मात्रात्मक प्रभाव भी नहीं पड़ा है।

- ii. मांग और आपूर्ति में भारी अंतर है और इसलिए संबद्ध देशों से आयात अपरिहार्य हैं और इसलिए इन आयातों को घरेलू उद्योग के लिए क्षतिकारी नहीं कहा जा सकता है।
- iii. आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन, उत्पादन क्षमता, बिक्री, रोजगार, उत्पादकता (प्रति दिन और प्रति कर्मचारी) में सुधार स्वीकार किया गया है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के क्षति के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा बढ़ा है जबकि संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। अतः घरेलू कोई हुई क्षति के लिए संबद्ध देशों से आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
- iv. पीओआई के बाद की अवधि में आवेदक की घरेलू बिक्री, लाभप्रदता और मालसूची की स्थिति में आगे और सुधार हुआ है, जिससे पता चलता है कि आयातों से आवेदक को कोई गंभीर क्षति नहीं हुई थी।
- v. याचिकाकर्ता को हुई कथित क्षति, यदि कोई हो, का वास्तविक कारण संबद्ध वस्तु का पाटन नहीं है बल्कि अन्य कारण हैं जैसे उच्च मालभाड़ा लागत, बैकवार्ड एरिया लाभ है जिन्हें आवेदक नहीं ले पाया है, गुणवत्ता संबंधी समस्याएं जिन्हें रक्षोपाय महानिदेशक ने भी दर्ज किया है।
- vi. घरेलू उद्योग वास्तविक क्षति के अपने मामले को सिद्ध करने में पूरी तरह से विफल हो गया है और कथित पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, के बीच कारणात्मक संबंध सिद्ध करने में विफल रहा है।

घरेलू उद्योग की विचार

80. वर्तमान जाँच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए क्षति संबंधी अनुरोधों का सारांश निम्नानुसार है :

- i. विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पीओआई में भारी वृद्धि के साथ कई वर्षों में भारी वृद्धि हुई है।
- ii. मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा काफी अधिक है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान कमी आई है। वह संबद्ध देशों से भारी आयातों के कारण हुआ है।
- iii. घरेलू उद्योग की कीमतें घरेलू बाजार में आयातकोंद्वारा दी जा रही कीमतों के प्रभाव को दर्शाती हैं। विदेशी उत्पादकों द्वारा कीमतों में कमी के कारण भारतीय उत्पादकों के पास उपलब्ध एकमात्र विकल्प या तो आयात कीमतों में परिवर्तनों के साथ अपनी कीमतों को सुमेलित करना या आर्डर गंवाना और परिणामस्वरूप बाजार हिस्सा गंवाना है।
- iv. यह भी अनुरोध किया गया है कि संबद्ध देश से निर्यातक बिक्री के बाद छूट और कमीशन दे रहे हैं ताकि घरेलू उद्योग पर दबाव डाला जा सके।
- v. आयातित माल से घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास/न्यूनीकरण हुआ है।
- vi. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण जाँच अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बुरी तरह से प्रभावित हुई है। पाटित कीमतों में बढ़ी हुई मात्रा के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग क्षति जाँच अवधि के दौरान क्षति उठा रहा है। इसके अलावा, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों से गंभीर क्षति हुई है और घरेलू उद्योग पूरी क्षति अवधि के दौरान अपनी कीमतों को लाभकारी स्तर तक नहीं बढ़ा पाया है। इस प्रकार, पाटित आयातों ने न केवल लाभप्रदता को बुरी तरह से प्रभावित किया है बल्कि निवेश पर युक्तिसंगत आय प्राप्त करने में भी काफी हद तक बाधा आई है।
- vii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट संबद्ध देशों से अलाभकारी कीमतों पर आयात मात्रा में वृद्धि के कारण आई है।
- viii. बिक्री कीमत में कमी उत्पादन लागत में कमी से अधिक रही थी। इससे पता चलता है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर कीमत ह्रासकारी प्रभाव पड़ रहा है।
- ix. घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के संबंध में वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है। इसके अलावा घरेलू उद्योग को वर्तमान स्थिति के जारी रहने पर निरंतर क्षति का खतरा बना हुआ है।

- x. मांग और आपूर्ति की समस्याओं के संबंध में घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि उन्होंने भारत में मांग में वृद्धि को पूरा करने के लिए 15000 मी.टन की स्थापना की योजना बनाई थी जिसे 5000 मी.टन प्रत्येक के तीन चरणों में स्थापित किया जाना था। यह अनुरोध इस आशय के दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा समर्थित है। तथापि, निर्यातकों द्वारा सृजित कीमत दबाव के कारण घरेलू उद्योग समय पर अपना लक्षितचरण-वार क्षमता स्थापन कार्यान्वित नहीं कर पाया है। इसके अलावा, यह बताया गया है कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य आयातों पर रोक लगाना नहीं है बल्कि संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की समस्या का समाधान करना है। यह भी बताया गया कि माननीय प्राधिकारी के समक्ष पहले भी इसी प्रकार के तर्क दिये गए थे परंतु उन्हें निरंतर अस्वीकार किया गया है। घरेलू उद्योग ने अपने तर्क के समर्थन में पूर्ववर्ती मामलों का उल्लेख किया है और प्राधिकारी से मांग और आपूर्ति से संबंधित मामले को अस्वीकार करने का अनुरोध किया है क्योंकि मांग-आपूर्ति की स्थिति में कोई अंतर होता भी है तो उससे इस तथ्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता कि संबद्ध वस्तु को क्षतिकारी कीमत पर भारत में पाटित किया जा रहा है। पाटनरोधी कानून और नियम का मूल्य तत्व घरेलू विनिर्माताओं और भारतको निर्यात करने वाले अन्य विनिर्माताओं को समान अवसर प्रदान करना है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

81. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की तथ्यपरक जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।

82. इस दलील के संबंध में कि मांग और आपूर्ति में काफी अंतर है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग-पूर्ति का अंतर परस्पत आयात को उचित ठहराता है परंतु देश में उत्पादन के पाटन को उचित नहीं ठहराता। प्राधिकारी मानते हैं कि उत्पाद में मांग आपूर्ति का अंतर कानून के अधीन संरक्षण मांगने के घरेलू उद्योग के अधिकारों का हनन नहीं करता है। यदि यह सिद्ध होता है कि पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है तो पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया है।

83. यहां प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षों के विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है। भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने संबंधित नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले कारकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार किया है।

84. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 3 के अनुसार और डीजीएडी के स्थापित प्रक्रियाओं के तहत क्षतिरहित कीमत को परिकलित किया गया है।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

85. पाटित आयातों के मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात आकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
1	चीन जन. गण.	मी.टन	2174	1318	1459	1689
2	कोरिया गणराज्य	मी.टन	2066	1948	1908	2095
3	ताइवान	मी.टन	465	257	428	553

4	वियतनाम	मी.टन	3534	3947	5565	6904
5	संबद्ध देशों से आयात	मी.टन	8240	7470	9359	11241
5 क	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	114	136
6	अन्य देशों से आयात	मी.टन	1539	2323	2819	2377
6 क	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	151	183	154
7	कुल आयात	मी.टन	9779	9793	12178	13619
7 क	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	125	139
8	घरेलू बिक्रियां- आवेदक	मी.टन	1592	3280	3487	3608
8 क	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	206	219	227
8	कुल मांग (मी.टन)	मी.टन	11371	13073	15666	17227
9 क	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	138	151
10	कुल मांग में हिस्सा					
क	चीन जन. गण. से आयात	%	19	10	9	10
ख	कोरिया से आयात	%	18	15	12	12
ग	ताइवान से आयात	%	4	2	3	3
घ	वियतनाम से आयात	%	31	30	36	40
ड.	कुल आयात – संबद्ध देश	%	72	57	60	65
च	अन्य देशों से आयात	%	14	18	18	14
11	घरेलू उद्योग की बिक्री	%	14	25	22	21

86. उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में पीओआई में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयातों में आधार वर्ष अर्थात् 2012-13 की तुलना में पीओआई के दौरान 36 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

87. समग्र आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 83 प्रतिशत है। इसी प्रकार, कुल मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा 65 प्रतिशत है जो काफी अधिक है। इस प्रकार यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से मात्रा समग्र रूप से तथा देश में कुल आयातों और समग्र मांग की दृष्टि से काफी अधिक है।

ख. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

88. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, इस बात का विश्लेषण करना अपेक्षित है कि क्या कथित पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में काफी उच्च स्तर तक बढ़ गई होती। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हो, के संदर्भ में जाँच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पंहुच लागत के साथ की गई है। प्राधिकारी ने पीसीएन आधार पर कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का विश्लेषण किया है क्योंकि डेनियर के विभिन्न प्रकारों की प्रति किग्रा. कीमतों में काफी अंतर है।

क. कीमत कटौती

89. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं, प्राधिकारी ने आयातों की पंहुच कीमत की तुलना पीसीएन से पीसीएन आधार पर घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की है, विभिन्न डेनियरों का भारित औसत निम्नानुसार है :

	इकाई	चीन	कोरिया	ताइवान	वियतनाम	संबद्ध देश
मात्रा	मी.टन	1689	2095	553	6904	11241
पंहुच मूल्य	रु./ मी.टन	471390	468043	293717	444659	445610
बिक्री कीमत	रु./ मी.टन	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./ मी.टन	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज	(20) - (10)	(15) - (5)	30-40	(15) - (5)	(15) - (5)

90. पीसीएन वार विस्तृत विश्लेषण किया गया और प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को विभिन्न संयोजनों में कुछ संबद्ध देशों से कुछ डेनियरों के विरुद्ध कीमत कटौती झेलनी पड़ी है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वे संबद्ध देशों से कम कीमत के पाटित आयातों जिसमें पीओआई के दौरान मात्रात्मक रूप में काफी वृद्धि हुई है के कीमत दबाव के कारण अपनी बिक्री कीमत को बढ़ा नहीं पाए हैं।

ख. कम कीमत पर बिक्री

91. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई कम कीमत पर बिक्री की भी जाँच की है। पीसीएन वार और भारित औसत पर तुलना की गई है और सभी गणनाएं निम्नानुसार हैं :

	इकाई	चीन	कोरिया	ताइवान	वियतनाम	संबद्ध देश
मात्रा	मी.टन	1689	2095	553	6904	11241
पंहुच मूल्य	रु./ मी.टन	471390	468043	293717	444659	445610
क्षतिरहित कीमत	रु./ मी.टन	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./ मी.टन	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रेंज	20 - 30	30 - 40	75-85	15-25	20-30

उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कम कीमत पर भारी बिक्री करनी पड़ी है।

ग. कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

92. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में ह्रास या न्यूनीकरण हो रहा है और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में भारी कमी की गई है अथवा ऐसी कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो सामान्य प्रक्रिया में अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है जिसका व्योरा निम्नानुसार है:

भारित औसत	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
संबद्ध देशों से आयातों का भारित औसत पंहुच मूल्य	रु./मी.टन	375718	473280	463123	445610
सूचीबद्ध	सूचीबद्ध	100	126	123	119
भारित औसत बिक्री लागत	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	77	71	70
भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	122	117

93. उक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से आयातों के पंहुच मूल्य (भारित औसत) में पीओआई के दौरान, जिसमें इसमें तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कमी आई है, को छोड़कर क्षति अवधि में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। इसी प्रकार, घरेलू

बिक्री कीमत में भी वही प्रवृत्ति इस अवधि के दौरान रही है। तथापि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान बिक्री कीमत में गिरावट बिक्री लागत की तुलना में काफी अधिक है। इससे स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग की कीमतों में हास और न्यूनीकरण हुआ है।

ग. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

94. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

95. घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति संबंधी विभिन्न मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है :

i. बाजार हिस्सा : आयातों, घरेलू बिक्रियों और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के ब्योरे निम्नानुसार है:

	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.टन	1592	3280	3487	3608
	सूचीबद्ध	100	206	219	227
संबद्ध देशों से आयात	मी.टन	8240	7470	9359	11241
अन्य देशों से आयात	मी.टन	1539	2323	2819	2377
कुल आयात	मी.टन	9779	9793	12178	13619
कुल मांग	मी.टन	11371	13073	15666	17227
	प्रवृत्ति	100	115	112	184
मांग में निम्न का बाजार हिस्सा					
घरेलू बिक्री का	%	14.00	25.09	22.26	20.95
संबद्ध देशों से आयातों का	%	72.46	57.14	59.74	65.25
अन्य देशों से आयातों का	%	13.53	17.77	18.00	13.80

जैसा पहले बताया गया है, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में 2013 से पीओआई में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाए कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पूर्ववर्तीवर्षों की तुलना में पीओआई के दौरान कमी आई है जबकि उसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में काफी वृद्धि हुई है।

ii. **लाभप्रदता** : यह नोट किया जाता है कि इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में पीओआई में गिरावट आई है और यह कि घरेलू उद्योग अपनी पूर्ण क्षमता पर कार्य कर रहा है, वे संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा डाले गए कीमत दबाव के कारण लाभ कमाने में अब भी असमर्थ हैं। घरेलू उद्योग ने बताया है कि उन्हें निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित पंहुच कीमत पश्चात छूट के बराबर रहने को बाध्य होना पड़ा है। यह भी देखा जाता है कि यद्यपि बिक्री कीमत में 2013-14 तक वृद्धि की प्रवृत्ति रही है और पीओआई में कमी आई है तथापि वह घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से निरंतर कम रही है जिसके परिणामस्वरूप बिक्री कीमत पर समग्र दबाव के कारण लगातार घाटा हुआ है।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
बिक्री लागत	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	77	69	70
बिक्री कीमत	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	122	116
लाभ/हानि	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(31)	0	(5)
लाभ/हानि	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(64)	0	(11)
व्याज	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	53	45	47
पीबीआईटी	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	49	26	56

iii. **निवेश पर आय** : निवेश पर आय में लाभप्रदताजैसी ही प्रवृत्ति रही है जिसे नीचे तालिका से देखा जा सकता है:

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
आरओआई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(60)	0	(9)

iv. **उत्पादन और क्षमता उपयोग** : यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है जो मुख्यतः इस तथ्य के कारण है कि आधार वर्ष उनके प्रचालन का पहला ही वर्ष था। तथापि यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2014-15 की तुलना में पीओआई में कमी आई है। घरेलू

उद्योग के क्षमता उपयोग में भी उत्पादन जैसी ही प्रवृत्तिर ही है। बढ़ते हुए बाजार में उत्पादन और क्षमता उपयोग में यह गिरावट घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से आयातों के प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाती है।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
क्षमता	मी.टन	5,131	5,131	5,131	5,131
कुल उत्पादन	मी.टन	2,364	4,681	4,914	4,724
	सूचीबद्ध	100	198	208	200
क्षमता उपयोग	%	46%	91%	96%	92%
	सूचीबद्ध	100	198	208	200

v. बिक्री मात्रा : यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है जो मुख्यतः इस तथ्य के कारण है कि देश में मांग बढ़ी है।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
बिक्री मात्रा					
घरेलू मात्रा	मी.टन	1592	3280	3487	3608
	सूचीबद्ध	100	206	219	227
निर्यात	मी.टन	188	1373	1182	1042
	सूचीबद्ध	100	730	629	554
कुल बिक्री	मी.टन	1780	4653	4670	4651
	सूचीबद्ध	100	261	262	261

vi. मालसूची : संबद्ध वस्तु की मालसूची से संबंधित आकड़ों को निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
मालसूची	मी.टन	629	640	699	671
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	111	107

उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि मालसूची घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन का लगभग 14 प्रतिशत है जो देश में मांग में वृद्धि और घरेलू उद्योग की क्षमता को भी देखते हुए काफी अधिक है।

vii.रोजगार और मजदूरी : रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति निम्नानुसार है :

	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
कर्मचारी	संख्या	382	376	368	364
	सूचीबद्ध	100	98	96	95
मजदूरी/कर्मचारी	रु./संख्या	25291	33284	33624	34742
	सूचीबद्ध	100	132	133	137

उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग में कार्यरत कर्मचारियों में पूरी क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। तथापि, उसी अवधि के दौरान उन्हें प्रदत्त मजदूरी में वृद्धि हुई है।

viii.उत्पादकता : नीचे तालिका से यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में प्रति कर्मचारी उत्पादन के अनुसार उत्पादकता में वृद्धि हुई है। उत्पादकता में वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग का कार्यनिष्पादन निरंतर ऋणात्मक रहा है। तदनुसार, उत्पादकता को क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
उत्पादन (मी.टन)	मी.टन	2,364	4,681	4,914	4,724
कर्मचारी	सं.	382	376	368	364
उत्पादन/कर्मचारी	मी.टन/सं.	6	12	13	13
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	201	216	210

ix.पाटन की मात्रा : पाटन की मात्रा उस सीमा का संकेतक है जहां तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं। विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी अधिक है।

x.पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता : इस क्षेत्र में भावी निवेश संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। ऋणात्मक लाभप्रदता, निवेश पर आय तथा बाजार हिस्से में कमी दर्शाती है कि इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

xi.घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक : जाँच से पता चलता है कि भारत में संबद्ध वस्तु की पर्याप्त मांग है। संबद्ध देशों से पाटित आयात कीमतों से घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पंधुच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है। इसके अलावा संबद्ध देशों से पंधुच मूल्य ने घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास/न्यूनीकरण किया है जिससे उसे वित्तीय घाटा हुआ है। संबद्ध देशों से इतर देशों

से विचाराधीन उतपादके आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं या गैर-पाटित कीमतों पर हैं क्योंकि इन देशों की कीमतें काफी अधिक हैं। उत्पाद की मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति है और इसलिए वह घरेलू उद्योग के कीमत ह्रास या न्यूनीकरण के लिए जिम्मेदार कारक नहीं हो सकता है। अतः यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से पाटित वस्तुएं घरेलू उद्योग के कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के लिए उत्तरदायी हैं।

xii. **वृद्धि** : आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में बिक्री और उत्पादन के अनुसार घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक है। तथापि, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय मांग में भारी वृद्धि के बावजूद पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में पीओआई में ऋणात्मक रहे हैं। घरेलू उद्योग ने यह दलील दी है कि मांग में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग ने लाभ, पर्याप्त नकद प्रवाह और निवेश पर आय में वृद्धि की उम्मीद की थी। तथापि घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण उसे हासिल नहीं कर पाया।

घ. वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

96. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों और घरेलू उद्योग पर उनके प्रभाव की जाँच करने के बाद, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में समग्र रूप से पूरी क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी ह्रास/न्यूनीकरण हुआ है। पहुंच मूल्य की घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से तुलना से भारी कम कीमत पर बिक्री का पता चलता है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, यह निष्कर्ष है कि लाभ, निवेश पर आय और मालसूची के स्तर के संबंध में कार्यनिष्पादन ऋणात्मक रहा है। इस प्रकार, प्राधिकारी इस निष्कर्ष का प्रस्ताव करते हैं कि घरेलू उद्योग को जाँच अवधि के दौरान वास्तविक क्षति हुई है।

ड. अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

97. सामग्री क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों की कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास और न्यूनीकरण प्रभावों के रूप में मौजूदगी की जाँच करने के बाद, भारतीय नियमावली के अधीन सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मापदंडों और पाटनरोधी करार की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जाँच की गई है कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें

98. पीओआई के दौरान, संबद्ध देश से इतर अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात मात्रा के अनुसार पर्याप्त नहीं हैं और उच्च कीमतों पर रहे हैं। अतः अन्य देशों से आयात घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माने जा सकते हैं।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
चीन	मी. टन	2174	1318	1459	1689
कोरिया	मी. टन	2066	1948	1908	2095
ताइवान	मी. टन	1539	2323	2819	2377
वियतनाम	मी. टन	3534	3947	5565	6904
कुल संबद्ध देश	मी. टन	8240	7470	9359	11241
अन्य	मी. टन	484	658	567	461
कुल आयात	मी. टन	9779	9793	12178	13619

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
निम्न से आयात मात्रा का हिस्सा					
चीन	%	22%	13%	12%	12%
कोरिया	%	21%	20%	16%	15%
ताइवान	%	5%	3%	4%	4%
वियतनाम	%	36%	40%	46%	51%
कुल संबद्ध देश	%	84%	76%	77%	83%
अन्य		5%	7%	5%	3%
कुल आयात	%	100%	100%	100%	100%
आयात कीमत (प्रति मी.टन सीआईएफ मूल्य)					
चीन	रु./मी.टन	370639	445644	436080	448302
कोरिया	रु./मी.टन	356852	424438	451694	445120
ताइवान	रु./मी.टन	319934	368670	366503	279332
वियतनाम	रु./मी.टन	346066	410289	434325	434577
कुल संबद्ध देश	रु./मी.टन	353778	418783	435041	430968
अन्य	रु./मी.टन	479062	510279	513972	504740
कुल आयात	रु./मी.टन	374605	442388	454311	452061

(ख) मांग में संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

99. संबंधित उत्पाद की मांग में पूरी क्षति अवधि के दौरान निरंतर वृद्धि होती रही है। इसलिए मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकता है।

(ग) प्रौद्योगिकी में विकास

100. संबंधित उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इसलिए प्रौद्योगिकी में विकास भी घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाला कारक नहीं हो सकता है।

(घ) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

101. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो क्योंकि कच्ची सामग्री और संबद्ध वस्तु देश में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं।

(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात कार्यनिष्पादन

102. प्राधिकारी द्वारा केवल घरेलू प्रचालनों पर विचार करते हुए क्षति संबंधी विश्लेषण किया गया है। अतः निर्यात बाजार के कार्यनिष्पादन से वर्तमान क्षति विश्लेषण प्रभावित नहीं हुआ है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

103. यह नोट किया जाता है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन तथा प्रति दिन उत्पादन के अनुसार घरेलू उद्योग की उत्पादकता इस अवधि में दौरान बढ़ी है।

104. अतः यह नोट किया जाता है कि अन्य सूचीबद्ध ज्ञात कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति हो सकती है। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने यह सुझाने वाला ऐसा कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया है कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति अन्य ज्ञात कारकों की वजह से हुई है। दूसरी ओर, निम्नलिखित मापदंड दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों की वजह से हुई है :

क. संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु काफी कम कीमतों पर हैं। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग बढ़ती हुई लागतों के अनुरूप अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं कर सका है। वास्तव में, घरेलू उद्योग पीओआई में अपनी पूरी लागत को वसूल करने के लिए अपनी कीमत नहीं बढ़ा पाया है। घरेलू उद्योग द्वारा झेले गए कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण प्राथमिक रूप से संबद्ध देशों से उत्पाद के पाटित आयातों के कारण हैं।

ख. घरेलू उद्योग की घरेलू कीमतों पर दबाव के कारण पीओआई के दौरान निरंतर घाटा और निवेश पर नकारात्मक आय प्राप्त हुई है। कीमत वृद्धि करने में असमर्थता और लागत में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्यनिष्पादन में वास्तविक रूप से क्षति हुई है।

105. अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है।

च. क्षति मार्जिन की मात्रा

106. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना जाँच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से निर्यातों के पंधुच मूल्य के साथ की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :

क्र. सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	पंधुच मूल्य	एनआई पी	क्षति मार्जिन		
				अ.डा./कि ग्रा	अ.डा./कि ग्रा	अ.डा./कि ग्रा	%	रेंज
1.	चीन							
	i	हेंगझू सनराइज स्पेनडेक्स कं. लि.	हेंगझू सनराइज स्पेनडेक्स कं. लि.	***	***	***	***	45-55
	ii	यंताई टेहो एडवांस्ड मैटेरियल्स कं. लि.	यंताई टेहो एडवांस्ड मैटेरियल्स कं. लि.	***	***	***	***	60-70
	iii	इंविस्टा फाइबर (शंघाई)कं. लि., इंविस्टा फाइबर कं.	इंविस्टा सिंगापुर पीटीई लि., सिंगापुर	***	***	***	***	15-25

क्र. सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	पंधुच मूल्य	एनआई पी	क्षति मार्जिन		
		लि., इविस्टा फाइबर्स(फोशान) कं. लि.						
	iv	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	60-70
2.	कोरिया			***	***	***	***	
	i	ह्योसंग कार्पोरेशन	ह्योसंग कार्पोरेशन	***	***	***	***	1-10
	ii	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	***	***	***	***	35-45
	iii	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	चोन वोंग टैक्सटाइल्स कं. लि.	***	***	***	***	45-55
	iv	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	विनविन कार्पोरेशन	***	***	***	***	40-50
	v	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	हंसविल कं. लि.,	***	***	***	***	25-35
	vi	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	फोट्रस्ट कं. लि. .,	***	***	***	***	35-45
	vii	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	एसओ एफएनसी इंटरनेशनल,	***	***	***	***	25-35
	viii	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	60-70
3.	वियतनाम							
	i	ह्योसंगत वियतनाम, ह्योसंग डोंग नाई	ह्योसंगत वियतनाम, ह्योसंग डोंग नाई	***	***	***	***	25-35
	ii	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	30-40
4.	ताइवान	कोई उत्पादक/निर्यातक	कोई उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	75-85

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

106. प्रकटन पश्चात चरण में उठाए गए मुद्दों को जांच की कार्यवाही के दौरान पहले भी उठाया गया है और उनका उचित रूप से समाधान भी कर दिया गया है। तथापि, स्पष्टता के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का संक्षिप्त विवरण और उनका निदान पुनः किया जाता है, जो कि निम्नानुसार है।

घरेलू उद्योग द्वारा दी गई टिप्पणियां

107. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई टिप्पणियों की जांच की गई है और उनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

- (1) यह निवेदन है कि हयोसुंग कोरिया और हयोसुंग विएतनाम के उत्तर को अस्वीकार कर दिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने निर्यात कीमत में समायोजन के दावे के संबंध में पूरी सूचना प्रस्तुत नहीं की है, जिससे उन्हें अंततः निम्न पाटन मार्जिन प्राप्त करने में सहायता मिली है। घरेलू उद्योग के प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए कि उसने हयोसुंग कोरिया और हयोसुंग विएतनाम की निर्यात कीमत से उपयुक्त समायोजन किया है। तथापि, तथ्य यह है कि रिकार्ड में हयोसुंग ग्रुप ने भारतीय कार्यालय को कोई कमीशन देने के बारे में निरंतर मनाही की है, जिससे यह स्पष्ट पता चलता है कि उन्होंने कुछ समायोजन किए जाने के बारे में जानबूझ कर ऐसी जटिल सूचना को दबा कर रखा हुआ है, जिसका कीमत की तुलना करने और पाटन मार्जिन पर सीधे प्रभाव पड़ता है। इन परिस्थितियों में उन्हें सहयोगी निर्यातकों के रूप में माने जाने का कोई कारण नहीं है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कोरिया और विएतनाम से हयोसुंग की कंपनियों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तरों को अस्वीकार कर दें।
- (2) घरेलू उद्योग का प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कृपया एकल उत्पादक/निर्यातक विशिष्ट पाटन-रोधी शुल्क की सिफारिश करें। इस परिप्रेक्ष्य में यह निवेदन है कि संयोजन शुल्क से उत्पादकों के लिए उन निर्यातकों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने के लिए एक बड़ा रास्ता खुल जाएगा, जिनका पाटन-रोधी शुल्क कमतर है अथवा शून्य है।

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई टिप्पणियां

108. निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई टिप्पणियां पुनरावृत्ति प्रकृति की हैं और उनकी पहले से ही जांच कर ली गई है तथा उनका निदान संबंधित पैराओं में कर लिया गया है। तथापि, ऐसे कुछेक बिन्दुओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है, जिनकी पुनः जांच करने की आवश्यकता है।

- (1) हयोसुंग ग्रुप ने बताया है कि निबल निर्यात कीमत का आक्कलन करने के लिए समायोजन के लिए कमीशन की कुल राशि पर विचार किया गया है, जिसे हयोसुंग इंडिया कार्यालय को अदा किए गए वास्तविक कमीशन के शीर्ष के अंतर्गत प्रदर्श 10 से सत्यापन के लिए लिया गया है। निर्यातकों ने बताया है कि हयोसुंग इंडिया कार्यालय के भीतर इस ग्रुप के अनेक निष्पादन यूनिट हैं, जैसे कि पीयू, नोटिलस पीयू और पीयू के अन्य संघटक। इस प्रकार निर्यात कीमत और परिणामी पाटन मार्जिन का परिकलन करने के लिए केवल स्पेन्डेक्स पर्फॉरमेंस यूनिट ("पीयू") के लिए अदा किए गए कमीशन पर विचार किया जाना चाहिए।
- (2) इन्विस्टा ग्रुप ने पुनः अनुरोध किया है कि श्रेष्ठ गुणवत्ता और उपभोक्ता की अवधारणा के कारण "लिकरा" को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि कम कीमतों पर निम्न कोटि की वस्तुओं के आयात के कारण याचिकादाता को हुई क्षति की राशि के रूप में शुल्क राशि के अतिरिक्त घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत पर आधारित निर्देशन कीमत को लागू करने के मामले पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि प्राधिकारी द्वारा विगत में भी इसी पद्धति का अनुसरण किया गया है, जैसा कि चीन जनवादी गणराज्य, चीनी ताईपाई, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और कोरिया जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नॉयलान फिलेमेंट से संबंधित जांच के मामले में दिनांक 3 जुलाई, 2006 के अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना संख्या 14/5/2005-डीजीएडी में उल्लिखित किया गया है।
- (3) इन्विस्टा ग्रुप ने पुनः अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को इन्विस्टा ग्रुप के बाजार निरूपण दावे को स्वीकार करना चाहिए क्योंकि वे बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन कार्य कर रहे हैं और पाटन की तुलना करने के प्रयोजनार्थ उनके सामान्य मूल्य को स्वीकार किया जाना चाहिए।

- (4) ताईवान से आयात नगण्य हैं और इसलिए प्राधिकारी को ताईवान से निर्यातों के खिलाफ कोई पाटन-रोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।
- (5) आयातकों और प्रयोक्ताओं की एसोसिएशन की ओर से यह बताया गया है कि एसोसिएशनों के उत्तरों को अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि एसोसिएशनों की भागीदारी से किसी भी तरह से घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है बल्कि उससे प्राधिकारी को मामले के महत्वपूर्ण तथ्यों को रिकार्ड में ला कर उचित निष्कर्ष देने में सहायता मिलती है।
- (6) आयातकों/प्रयोक्ताओं ने बताया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं, संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तुएं नहीं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की तुलना में संबद्ध वस्तुएं उत्तम कोटि की हैं और उनकी भिन्न भौतिक और तकनीकी विशेषताएं हैं। इसलिए "लिकरा" और "क्रियोरा" जैसे ब्रांडों को वर्तमान जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (7) संबद्ध वस्तुओं के प्रयोक्ताओं ने निवेदन किया है कि उत्पादन क्षमता, सामर्थ्य और वास्तविक उत्पादन की कमी आदि ऐसे कारक हैं, जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और न कि आयात इसके कारण है, जैसा कि घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है।
- (8) आयातकों ने यह तर्क दिया है कि प्रकटन विवरण में प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है, जबकि समस्त कार्रवाईयां द्वितीयक स्रोतों से अधिप्राप्त किए गए आयात आंकड़ों पर आधारित थीं। इसलिए आयातक डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों के संसर्गी नहीं हैं, जिसने उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए प्रतिकूल स्थिति में डाल दिया है।
- (9) यह निवेदन किया गया है कि वर्तमान जांच में प्राधिकारी ने निर्दिष्ट प्राधिकारी में परिवर्तन हो जाने के कारण दो सार्वजनिक सुनवाईयों का संचालन किया है। तथापि, प्राधिकारी दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचित करने में विफल रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप प्राधिकारी ने शेष पक्षकारों के लिए पृथक सुनवाई की है। कुछ हितबद्ध पक्षकारों के लिए ऐसी पृथक सुनवाई करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है।
- (10) यह निवेदन है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी क्षति का विश्लेषण करते समय ह्योसुंग कार्पोरेशन, कोरिया के गैर-पाटित आयात की मात्राओं को, पाटित आयातों की मात्राओं से अलग रखने में विफल रहे हैं। यह पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा (1) और विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 3.1 के अंतर्गत उल्लिखित अभिव्यक्त करने संबंधी दायित्व का उल्लंघन है।
- (11) घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और यदि कोई क्षति हुई भी है, तो उसका कारण संबद्ध आयातों से भिन्न कोई अन्य कारक है। इसलिए प्राधिकारी को पाटन और क्षति के साक्ष्य की कमी के कारण तथा जन हित में वर्तमान जांच को समाप्त कर देना चाहिए।
- (12) जांच की शुरुआत 27 जनवरी, 2016 को की गई थी और इसे 27 जनवरी, 2017 को पूरा कर दिया जाना था। चूंकि इस जांच के सार्वजनिक रिकार्ड से ऐसा पता नहीं चलता है कि केन्द्रीय सरकार ने किन्हीं विशेष परिस्थितियों के आलोक में इस जांच को आगे बढ़ाए जाने का अनुमोदन किया है, इसलिए प्राधिकारी को वर्तमान जांच को जारी रखने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं है। इसलिए वर्तमान प्रकटन विवरण, प्रारंभ से ही अमान्य है क्योंकि इसे बिना किसी न्याय-अधिकार से जारी किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

109. उठाए गए उपरोक्त मुद्दों पर प्राधिकारी का निर्णय निम्नानुसार है:-

- (1) प्राधिकारी ने नोट किया है कि हयोसुंग ग्रुप की सभी तीनों कंपनियों नामतः हयोसुंग कार्पोरेशन, कोरिया, हयोसुंग विएतनाम कंपनी लिमिटेड, विएतनाम और डोंग नाई कंपनी लिमिटेड, विएतनाम संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक कंपनियां हैं, जिन्होंने निर्यातक प्रश्नावलियों के व्यापक उत्तर प्रस्तुत किए हैं, जो कि सम्पूर्ण हैं और उन्हें स्वीकार किया गया है। कमीशन से संबंधित बिन्दु को जिसे हयोसुंग ग्रुप की अवधारणा में अंतर होने के कारण पहले पूरी तरह से प्रकट नहीं किया गया था, बाद में निर्यातक द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। इसलिए प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि उसे अस्वीकार करने के बजाय निर्यात कीमत में उचित संशोधन करने के बाद उनके उत्तर को स्वीकार कर लिया जाए।
- (2) हयोसुंग ग्रुप के लिए निबल कारखाना-गत निर्यात कीमत का आकलन करने के लिए सत्यापन प्रदर्श के रूप में प्रस्तुत किए गए दस्तावेज से कमीशन की राशि पर विचार किया गया है। हयोसुंग के प्रतिनिधियों से कहा गया था कि वे अपने दावे के संबंध में साक्ष्य के रूप में कमीशन के उत्पाद-वार ब्यौरे प्रस्तुत करें, लेकिन वे इस आशय का कोई भी विशिष्ट दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे हैं। इसलिए उनके दिल्ली कार्यालय को प्राप्त हुई राशि को अदा किए गए कमीशन की राशि के रूप में लिया गया है और उस पर इन दस्तावेजों के आधार पर कमीशन के लिए निर्यात कीमत में उपयुक्त समायोजन करने पर विचार किया गया है।
- (3) प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क सही नहीं है कि ताईवान से आयात नगण्य हैं क्योंकि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों से पता चलता है कि ताईवान से आयात, न्यूनतम स्तर से अधिक हुए हैं और साथ ही ये विशेष रूप से अधिकतम पाटित कीमतों पर भी हो रहे हैं।
- (4) विचाराधीन उत्पाद की कोटि, समान वस्तु तथा "लिकरा" और "क्रियोरा" जैसे ब्रांडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने के बारे में पुनः निवेदन किया जाता है कि इस अंतिम जांच परिणाम के संबद्ध भाग में प्राधिकारी द्वारा इस विषय की विस्तार से जांच की गई है।
- (5) बाजार निरूपण के दावे को स्वीकार करने के इन्विस्टा के अनुरोध के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उनके उत्तर की विस्तार से जांच की गई है और प्राधिकारी ने यह पाया है कि इन्विस्टा विभिन्न कंपनियों का एक ऐसा समूह है, जो कि विभिन्न संबंधित वस्तुओं का कारोबार कर रही हैं। संबद्ध वस्तुओं के लिए कच्चा माल भी उनकी संबंधित कंपनियों से ही प्राप्त किया गया है। इस कंपनी ने यह बताया है कि कच्चे माल की अधिप्राप्ति, बाजार कीमत पर की गई है, लेकिन इस संबंध में साक्ष्य के रूप में कोई सहायक कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया है। वास्तव में यह देखा गया है कि इस प्रकार से अधिप्राप्त किए गए कच्चे माल की कीमतें, प्रचलित बाजार कीमतों से कम थीं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने निर्णय लिया है कि इन्विस्टा ग्रुप को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा स्वीकृत नहीं किया जाए क्योंकि उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में अपना प्रचालन कार्य नहीं किया है।
- (6) हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि डीजीसीआईएंडएस से कारोबार-चार आयात आंकड़े प्राप्त किए गए हैं और प्राधिकारी द्वारा उन पर विश्वास किया गया है और ये आंकड़े उन्हें प्रदान नहीं किए गए हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सावर्जनिक सुनवाई के दौरान प्राधिकारी द्वारा विशेष रूप से यह निर्देश दिया गया था कि कोई भी हितबद्ध पक्षकार डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े प्राप्त करने के लिए कह सकता है और इस आशय के एक विशिष्ट और प्राधिकृत अनुरोध के प्राप्त होने पर उन्हें ये आंकड़े प्रदान कर दिए जायेंगे। लेकिन प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उचित अनुज्ञप्ति के साथ ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया था। जांच शुरू करने के चरण में और जांच की कार्यवाही के दौरान भी प्राधिकारी द्वारा ऐसा उल्लेख किया गया था कि डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े मंगाए जा सकते हैं, इसलिए हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा निराधार है कि उन्हें डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के उपलब्ध होने की कोई जानकारी नहीं थी।
- (7) प्राधिकारी द्वारा मौखिक सुनवाई के मुद्दे के संबंध में यह बताया जाता है कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का कोई उल्लंघन नहीं किया गया है। पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (6) में यह प्रावधान है कि "निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी भी हितबद्ध पक्षकार अथवा उसके प्रतिनिधि को जांच से संबद्ध सूचना को मौखिक रूप से प्रस्तुत करने की

अनुमति दे सकता है, लेकिन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई ऐसी मौखिक सूचना पर तभी विचार किया जाएगा, जब कि उसे बाद में लिखित रूप से पुनः प्रस्तुत किया जाए। प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक सुनवाई में उपस्थित होने के लिए सूचित कर दिया था और साथ ही उन्हें अपने लिखित निवेदन प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया था। तथापि, भूलवश कुछ आयातकों/प्रयोक्ताओं को सुनवाई के लिए आमंत्रित नहीं किया जा सका था। इसलिए भूलवश छूट गए ऐसे पक्षकारों को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के बारे में प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया था कि उन्हें प्राधिकारी के समक्ष अपने मौखिक विचार प्रकट करने का एक अवसर प्रदान किया जाए तथा साथ ही बाद में उनको लिखित निवेदन, यदि कोई है, को प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया जाए। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि किसी के भी हित की कोई उपेक्षा नहीं की गई है अथवा विचलन नहीं किया गया है क्योंकि प्राधिकारी के समक्ष सुनवाई किए जाने और साथ ही अपने लिखित निवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्रत्येक पक्षकार को अवसर प्रदान किया गया है। इसलिए इस संबंध में आयातक/प्रयोक्ता का तर्क अनुचित है और निराधार है।

- (8) एक सहयोगी निर्यातक, हयोसुंग कार्पोरेशन, कोरिया से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की मात्रा मामूली है और उसका कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके अतिरिक्त निम्नतर शुल्क नियम के आधार पर सहयोगी और असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन-रोधी शुल्क लगाने के लिए वर्तमान मामले में पाटन मार्जिन ही एक निर्धारक कारक है।
- (9) हितबद्ध पक्षकारों के इन निवेदनों के संबंध में कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने क्षति का विश्लेषण करने के लिए घरेलू उद्योग की सत्यापित सूचना का उपयोग किया है और उसका इस अंतिम जांच परिणाम के संबद्ध भाग में विस्तार से उल्लेख किया गया है।
- (10) हितबद्ध पक्षकारों के इस निवेदन के संबंध में कि जांच को 12 महीनों के भीतर पूरा कर दिया जाना चाहिए और जांच की अवधि को बढ़ाए जाने से संबंधित अधिसूचना सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध नहीं है, सही नहीं है। नियम 17 के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा जांच की अवधि को 3 महीने तक बढ़ाए जाने की विधिवत् स्वीकृति प्रदान की गई थी और समय बढ़ाने की ऐसी अधिसूचना की एक प्रति सार्वजनिक फाईल में भी उपलब्ध कराई गई थी, जिसे सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपनी सुविधा से और जब कभी भी आवश्यक समझा गया है, देखा गया है।

निष्कर्ष

111. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :

क. संबद्ध वस्तु का भारत को संबद्ध देशों से निर्यात उसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ग. यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

112. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से भारत में इस उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ कम होगा, घरेलू उद्योग का पतन होने से रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की व्यापक उपलब्धता बनाए रखने में सहयोग मिलेगा। उपभोक्ता अभी भी इस उत्पाद की आपूर्ति के दो अथवा उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

3. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा कायम हो सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं इस संबद्ध वस्तु की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सिफारिशें

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी नीचे दिए गए ढंग और तरीके से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

115. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, इनमें से जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका									
क्र. सं.	टैरिफ मद	वस्तुओं का वर्णन	विनिर्देशन	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि(अम. डा.में)	यूओएम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हेंगझू सनराइज स्पेनडेक्स कं. लि.	हेंगझू सनराइज स्पेनडेक्स कं. लि.	2.74	किग्रा
2)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	यंताई टेहो एडवांस्ड मैटेरियल्स कं. लि.	यंताई टेहो एडवांस्ड मैटेरियल्स कं. लि.	3.34	किग्रा
3)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	इंविस्टा फाइबर (शंघाई) कं. लि., इंविस्टा फाइबर कं. लि., इंविस्टा फाइबर्स (फोशान) कं. लि.	इंविस्टा सिंगापुर पीटीई लि., सिंगापुर	0.48	किग्रा

4)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	3.44	किग्रा
5)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	चीन जन. गण.	कोई	कोई	कोई	3.44	किग्रा
6)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	कोई	चीन जन. गण.	कोई	कोई	3.44	किग्रा
7)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	दक्षिण कोरिया	दक्षिण कोरिया	ह्योसंग कार्पोरेशन	ह्योसंग कार्पोरेशन	0.0	किग्रा
8)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	दक्षिण कोरिया	दक्षिण कोरिया	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	0.15	किग्रा
9)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलामेंट यार्न**	दक्षिण कोरिया	दक्षिण कोरिया	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	चोन वोंग टैक्सटाइल्स कं. लि.	0.79	किग्रा
10)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक	दक्षिण कोरिया	दक्षिण कोरिया	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	विनविन कार्पोरेशन	0.69	किग्रा

			फिलेमेंट यार्न**						
11)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	दक्षिण कोरिया	दक्षिण कोरिया	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	हंसविल कं. लि.,	0.97	किग्रा
12)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	दक्षिण कोरिया	दक्षिण कोरिया	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	फोट्रस्ट कं. लि.	0.86	किग्रा
13)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	दक्षिण कोरिया	दक्षिण कोरिया	टी.के. कैमिकल्स कार्पोरेशन	एसओ एफएनसी इंटरनेशनल	0.82	किग्रा
14)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	दक्षिण कोरिया	कोई	कोई	कोई	1.90	किग्रा
15)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	कोई	दक्षिण कोरिया	कोई	कोई	1.90	किग्रा
16)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	ताइवान	ताइवान	कोई	कोई	2.40	किग्रा
17)	54041	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी	ताइवान	कोई	कोई	कोई	2.40	किग्रा

	100*		डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**						
18)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	कोई	ताइवान	कोई	कोई	2.40	किग्रा
19)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	वियतनाम	वियतनाम	ह्योसंगत वियतनाम, ह्योसंग डोंग नाई	ह्योसंगत वियतनाम, ह्योसंग डोंग नाई	0.36	किग्रा
20)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	वियतनाम	कोई	कोई	कोई	2.16	किग्रा
21)	54041 100*	इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न	150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न**	कोई	वियतनाम	कोई	कोई	2.16	किग्रा

* कस्टम वर्गीकरण केवल सूचक है और आयात के समय माल के विवरण के अनुसार शुल्क का निर्धारण किया जाएगा।

** रंजित यार्न और बीम किस्म के इलेस्टोमेरिक यार्न को छोड़ कर 150 डेनियर्स सहित सभी डेनियर्स के इलेस्टोमेरिक फिलेमेंट यार्न

116. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1968 (1968 का 52) के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी शुल्क शामिल होंगे।

117. केन्द्र सरकार द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम पर आधारित आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

डॉ. इन्द्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th March, 2017

Final Findings**Subject: Anti-dumping duty investigation concerning imports of Elastomeric Filament Yarn from China PR, South Korea, Taiwan and Vietnam**

F. No.14/29/2015-DGAD.--1. Whereas the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the Rules, received a written application from M/s Indorama Industry Ltd. (hereinafter also referred to petitioner or applicant) alleging dumping of Elastomeric Filament Yarn of all deniers upto and including 150 Deniers excluding coloured yarns (hereinafter also referred to as subject goods or product under consideration) from China, Korea, Taiwan and Vietnam (hereinafter also referred to as subject countries).

1. Whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 27th January, 2016 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to consider recommendation of the anti-dumping duty.

A. PROCEDURE

2. The following Procedure described below has been followed with regard to this investigation:
 - i. The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Anti-dumping Rules.
 - ii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 27th January, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from subject countries.
 - iii. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters and other interested parties (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the Anti-dumping Rules.
 - iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and the embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Anti-dumping Rules. A copy of the Application was also made available other interested parties, upon request.
 - v. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Antidumping Rules:
 - a. M/s Hyosung Corporation, Korea
 - b. M/s Invista (Korea) Inc., Korea
 - c. M/s Teakwang Industrial, Korea
 - d. M/s T.K.Chemicals, Korea
 - e. M/s Hyosung Vietnam Co, Vietnam
 - f. M/s Yantai, China
 - g. M/s Investa, China
 - h. M/s Asahi, Taiwan
 - vi. Following companies have filed the exporter questionnaire response as a producer/exporter of the product under consideration in India:
 - a. T. K. Chemicals Corporation, Korea
 - b. Hyosung Corporation, Korea

- c. Chon Woung Textiles Co. Ltd, Korea
 - d. Winwin Corporation, Korea
 - e. Hanswill Co. Ltd., Korea
 - f. Fotrust Co. Ltd., Korea
 - g. SO FNC International, Korea
 - h. Hyosung Vietnam Co. Ltd., Vietnam
 - i. Hyosung Dong Nai Co. Ltd., Vietnam
 - j. Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd., China
 - k. YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd, China
 - l. Invista Fibre (Shanghai) Company Limited, China
 - m. Invista Fibre Foshan Company Limited, China
 - n. Invista Fibre Company Limited, China
 - o. Invista Singapore Pte Ltd., Singapore
- vii. Questionnaires were sent to the following known importers/users / associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:
- a. Auro Spinning Mills
 - b. Aarvee Denims and Exports Ltd.
 - c. Aggarwal Metal Industries
 - d. Alok Industries Ltd
 - e. BST Textile Mills Pvt Ltd
 - f. Blaumann Industries Pvt Ltd.
 - g. Bombay Rayon Fashions Ltd.
 - h. Deepak ImpexPvt Limited
 - i. Saijpur-Gopalpur
 - j. Confederation of Indian Textile Industry (C I T I)
 - k. Indain Spinners Association (I S A)
 - l. Indian Woollen Mills Federation
 - m. Federation of Indian Art Silk Weaving Industry
- viii. Following importers/users responded and filed importer questionnaire response:
- a. Gimatex Industries Limited
 - b. Mafatlal Industries Limited
 - c. Association Chemical Corporation
 - d. International Business & Trade
 - e. Mascot Exports
 - f. Sachinam Fabrics Pvt. Ltd.
 - g. Rama Spinners Pvt. Ltd.
 - h. Anaadhi
 - i. Century Textiles & Industries Ltd.
 - j. S. Bhaskar Industries Pvt. Ltd.
 - k. Ginni International Limited

- l. M/s Vardhman Textiles Limited
 - m. M/s. Raymond UCO Denim Pvt. Ltd.
 - n. M/s Vardhman Acrylics Ltd.
 - o. BanswaraSyntex Limited
 - p. Malwa Industries Ltd.
 - q. M/s. Arvind Limited
 - r. M/s. Vardhman Textiles Limited
 - s. Jindal Denim Inc.
 - t. Aarvee Denim
 - u. Loyal Textile Ltd.
- ix. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange for details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has, therefore, relied upon the DGCI&S data and the detailed information submitted by cooperative exporters for computation required analysis.
- xi. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-dumping Rules.
- xii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xiii. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority also provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 7th October, 2016. A second public hearing was conducted on 7th November, 2016 in view of the change of the Designated Authority as directed by the Hon'ble Supreme Court in the case of Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA) vs Designated Authority, delivered in Civil Appeal No. 949 of 2006 on 07-01-2011. The parties, who presented their views in the oral hearings, were requested to file written submissions of their views expressed orally, followed by rejoinder submissions. Another opportunity of hearing was given by the Designated Authority to the importer namely M/s Associated Chemical Corp., who could not appear on 7th November 2016 because of non-receipt of information. The DI, Importer/user (M/s. Arvind Limited) and the exporter (M/s Hyosung Corp, India) were also accompanied the importer.
- xiv. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this Final Finding. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the exporters.
- xv. Investigation was carried out for the period 1st October 2014 to 30th September 2015 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the period from April 2012-March 2013 April, April 2013-March 2014 April 2014-March 2015 and the POI.
- xvi. The submissions made by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority have been addressed in this Final Finding.
- xvii. ***In this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii. The average exchange rate of 1US\$ = Rs 64.11 prevailing during the POI has been adopted by the Authority for the analysis.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties**

3. The subject goods produced by the Domestic Industry are not like article to the goods exported by subject countries. Further, the goods produced by the Domestic Industry do not meet the quality requirements of the user industry.
4. Interested parties also submitted that the products not manufactured by the Domestic Industry should not be included in the scope of the product under consideration. They specifically submitted that the subject goods packed in beam form, yarn below 20 deniers, coloured yarns, etc. are not manufactured by the DI. The Exporters in their submission established key differences between Beam Type Elastomeric Yarn and Cone type Elastomeric Yarn. The Beam Type Elastomeric Yarn is not a like product to Cone type Elastomeric Yarn on account of differences in the production process; appearance; end usage; pricing etc. Since the Domestic Industry cannot produce Beam Type Elastomeric Yarn, the same should be excluded from the scope of the PUC in pursuance of Rule 2(b) of the AD Rules.
5. Invista group has strongly contended that the goods produced and supplied by them under the brand name of “Lycra” should be excluded from the scope of the subject goods for the following reasons:
 - i. INVISTA produces and exports two types of Elastomeric Filament Yarn to India: (a) ELASSPAN yarn, which is standard grade of elastomeric filament yarn with limited performance and is similar to the elastomeric filament yarn offered by the Petitioner and (b) highly specialized spandex yarn that is sold under the brand name “LYCRA”, the Petitioner does not produce this specialized grade of Elastomeric Filament Yarn substitutable for or interchangeable with LYCRA.
 - ii. LYCRA differs from the goods produced by the domestic industry on account of recovery force, yarn friction, whiteness retention, resistance to chlorine, soft comfort, pricing, end-user requirement, consumer perception. Lycra as compared to any other grade in the market, including the petitioner’s grades, is superior in quality, particularly with respect to suitability, consistency, uniformity, recovery power, yield and consumer recognized functionality.
 - iii. It is therefore the submission of INVISTA that LYCRA ought to be excluded from the scope of the product under consideration in light of Article 2.6 of the Anti-dumping Agreement and Rule 2(d) of the Indian Anti-dumping Rules.
6. Hyosung group has submitted that they manufacture and export their own brand of Elastomeric Filament Yarn which is called Creora spandex (‘Creora’), which is a high quality spandex brand. In this respect, the Exporter has submitted that the DI’s product (‘Inviya’) cannot be considered ‘like article’ to Creora on account of differences in physical and chemical characteristics like growth% (recovery), elongation% (stretch), chlorine resistance and fluorescence. also the product specifications like low heat settable, eco soft black dope dyed, super chlorine, nylon dyeable, anti odor, are far superior to the products of Domestic Industry. Additionally, the end-user requirement and consumer perception place the product grade Creora spandex in different league from applicant’s product and the two products are not “like articles”. The Exporter has submitted that Creora cannot be subjected to any anti-dumping duty.
7. The importers and users have also submitted that their ultimate buyers insist upon them that the fabric manufactured by them should have subject goods of brands like Lycra and Creora in it because of the better quality perception and brand value. It is also submitted that Lycra or Creora are in a completely different commercial segment and market than the products manufactured by the Domestic Industry. Lycra and Creora cannot be treated as like or substitutable with the product manufactured by the domestic industry or imported in India from any source. Therefore, they strongly submitted that these two brands should be excluded from the scope of product under consideration.
8. User industry also submitted that the quality of the goods produced by the Domestic Industry is not acceptable and very often they have to face quality issues in the fabric manufactured by them, which results in financial losses. They also alleged that Domestic Industry is not producing certain deniers within the scope of the product under consideration and same should be excluded from the scope of the product under consideration.

Views of the Domestic Industry

9. The product under consideration in the present application is “Elastomeric Filament Yarn of all deniers upto and including 150 Deniers, excluding coloured yarns”. It is submitted by the Domestic Industry that they are producing all variants of the product under consideration with acceptable quality and same can be considered as like or directly substitutable product to the imported goods. It is further submitted that the Domestic Industry is offering complete range of product under consideration to meet the same specific end-applications or requirement.

10. Domestic Industry further submitted that none of the interested parties had filed any material evidence to substantiate their claim for exclusion from the product scope. They have only made self-serving statements during the course of the investigation through various submissions, merely based on conjectures and therefore, all such claims need to be rejected. It is settled jurisprudence that a product cannot be excluded from the scope of the product under consideration unless and until it is proved that the product for which exclusion is sought is not a like product to the goods produced by the Domestic Industry or the goods which the Domestic Industry is capable of producing.
11. It is also submitted by the Domestic Industry that all the products which qualify as a like product should remain a part of the Product under Consideration. Moreover, it is for the party claiming exclusion to prove along with requisite evidence and technical specifications that any particular product is not a like product. In the absence of any such claim or evidence, the arguments of the interested party ought to be rejected outright.
12. In relation to the requests for exclusion of specific brands made by the Invista Group and the Hyosung Group, the Domestic Industry submitted that the exporters have failed to distinguish their product on the basis of technical characteristics/specifications and tests of technical and commercial substitutability and hence their products cannot be excluded. They further submitted that a claim of superior quality and premium price in the market cannot be a basis for exclusion of their products. Domestic Industry also raised its strong objection on any demand of the interested party to exclude any product on the basis of the “brand name” alone. It is also submitted that even the Chinese Authority in their examination did not allow Invista group to get their brand ‘Lycra’ to be excluded from the product under consideration.
13. In relation to exclusion of elastomeric yarns coming in beam form, the Domestic Industry submitted that beam is only a mode of packing and cannot *per se* be a basis for making any distinction from the basic elastomeric yarns. In view thereof, Domestic Industry submitted that the Authority should not accept the request of interested party to exclude elastomeric filaments yarns merely because they are coming in different form of packaging.
14. According to the Domestic Industry, there is no difference in the subject goods produced by them and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods.

Examination of the Authority

15. The product under consideration in the present application is Bare Elastomeric Filament Yarn of all varieties and deniers upto and including 150 Deniers. These filament yarns are also commonly referred to as Spandex or Elastane. The product under consideration gives the fibre its built-in lasting elasticity. It is an elastomeric fibre used widely as the minor component in garments to provide stretch with recovery. Subject goods are mainly used to make such garments that require great comfort and fit. As such, they find applications in manufacturing of hosiery, swimsuits, aerobic or exercise wear, ski pants, golf jackets, disposable diaper, waist bands, bra straps and bra side panels etc. They are also extremely suitable for making shaped garments like bra cups. Subject goods are also used to make compression garments such as surgical hose, support hose, bicycle pants, foundation garments etc. The subject goods are classified under chapter heading 54041100. However, the subject goods are also being imported under tariff headings 54024400 and 54026990. In any case, the custom classification is indicative only and has no bearing on the product scope involved in these investigations.
16. It is also noted that the subject goods are described in terms of the deniers and are sold generally in the range of 10 to 1680 deniers. The Domestic Industry has the capability to produce the entire range of these deniers but is currently producing upto 150D only as bulk of the demand is in this range. However, Domestic Industry is planning to produce higher deniers later with expansion of its production capacity. Further, domestic Industry does not produce coloured elastomeric yarns. Therefore, coloured elastomeric yarns and elastomeric yarns above 150 deniers were not included in the scope of the Product under Consideration at the time of initiation of the investigation.
17. In relation to the issues of quality complaints made by the interested parties, it is noted that the quality *per se* is not a determinative factor for the purpose of anti-dumping investigations. However, it is noted that while the Domestic Industry may have had some quality issues in the initial phase of their operations, they have been able to demonstrate that during the period of investigation, quality claims received by them have been very miniscule i.e., less than **% of their total turnover. During the course of the proceedings, it was also noted that returns take place in this industry not necessarily on account of poor or unacceptable quality but also due to issues arising out of machine compatibility, technology, finish oil used, etc. Further, the Domestic Industry has produced documentary evidence to establish that both the Domestic Industry and exporters occasionally compensate users for any compatibility or quality issues concerning their product which was duly verified at the spot verification. Therefore, return of certain quantities on the alleged ground of poor quality or lack of compatibility cannot be considered as a valid ground for the purposes of anti-dumping investigations.

18. The Authority also notes that even when the interested parties have disputed the quality of subject goods, the very same parties have repeatedly purchased subject goods from the Domestic Industry. It is also noted that the Domestic Industry was exporting the product to various countries, which proves that their quality is acceptable. In any case, it is also a well-settled jurisprudence that quality perception is not relevant for defining the scope of the Product under Consideration in an anti-dumping investigation.
19. In relation to the exclusion requests of brands like Lycra and Creora from the scope of the product under consideration, the authority noted that the submissions made by the interested parties are not a sufficient evidence to prove their claim of exclusion and have failed to distinguish their product on technical basis and their imported subject products are commercially and use wise substitutable with the domestically produced subject goods. Further, no product can be excluded based on their brand names from the scope of the product under consideration. Therefore, the Authority noted that the criteria for exclusion have not been satisfied, and thus the request of the interested parties to exclude brands like Lycra and Creora from the scope of the product under consideration has been rejected.
20. In relation to the exclusion of elastomeric yarns coming in beam form from the scope of the product under consideration, it is noted that the subject goods imported in beam type is only a different mode of packaging and does not render any different characteristic to the product. However, the Authority notes that the Domestic Industry is not producing the elastomeric yarn in beam form. While the form of packaging per se cannot be a basis to decide the issue of “like article”, the Authority notes that the user industry in this case cannot substitute the beam form by cone packaging for their normal operations. The steps involved from cone type to beam type are many and there is a huge value addition in the process. Accordingly, the Authority decides not to consider elastomeric yarn in beam form as like article to the Product under Consideration.
21. In view of the aforesaid, the Product under Consideration is defined as follows:

“Elastomeric Filament Yarn of all deniers upto and including 150 Deniers, excluding coloured yarns and Beam type Elastomeric yarns.”

22. The Authority notes that there is no known difference in product under consideration, as defined above, produced by the Indian industry and exported from subject countries. The product under consideration produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject countries within the scope and meaning of Rule 2(d) of anti-dumping Rules.

C. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

Submissions made by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

23. It has been submitted by the opposing interested parties that M/s Indorama Industries Ltd. should not be considered as domestic industry by virtue of being the sole producer of Elastomeric Yarns in the country. In this context, it is submitted that the Domestic industry has been defined to consider “domestic producers” in plurality to exclude a sole oligopolistic producer from its definition (Rule 2(b) of AD Rules). While defining domestic industry, the plural reference to domestic producers should not be construed for a single entity to be considered as domestic industry. Singularity on account of exclusion from domestic industry or exclusion for administrative purposes by the authorities or unavailability of data is an acceptable reason. But, where a single oligopolistic producer is considered to constitute domestic industry, this would void the provisions under rule 5(3)(a) and 5(3)(b).
24. A single producer cannot form Domestic Industry by virtue of exclusion or non-availability of data only. The intent of the law in defining domestic producers in “plurality” was to protect industry at large and not grant a sole producer unfair pricing mechanism in India. In view thereof, the interested parties requested the Authority to kindly terminate the investigation as a single domestic producer cannot be said to be eligible to file or seek any protection of anti-dumping measures.

Views of the Domestic Industry

25. The petition has been filed by M/s Indorama Industry Ltd, accounting for 100% of the total Indian production. Moreover, it is submitted that the petitioner has neither imported the subject goods from the subject countries nor they are related to any importer of the subject goods from the subject countries. Therefore, the applicant satisfies the requirements of ‘standing’ under Rule 5 of the AD Rules and also constitutes ‘Domestic Industry’ in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

26. In relation to the issue that the definition of Domestic Industry under Rule 2(b) does not cover a situation where there is a single producer of the like article in India as Rule 2(b) refers to “producers” and not “producer”, in this context, Domestic Industry submitted that the whole issue is simply devoid of any merit or substance and hence needs to be rejected. They further, submitted that according to Section 13 of the General Clauses Act 1897 categorically the words in the singular shall include the plural, and vice versa in all Central Acts and Regulations. Therefore, the use of the word “producers” in Rule 2(b) shall automatically include its singular form i.e., “producer”. Further, there is nothing in the entire Rule 2(b) which may suggest that reading singular in a plural expression would be repugnant to the subject or the context. It is also submitted by the Domestic Industry that the Authority had considered single domestic producer as eligible Domestic Industry.

Examination of the Authority

27. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under: -

“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

28. The Application has been filed by M/s Indorama Industry Ltd. and account for 100% of the total production of the like product produced in India. It is further noted that they have neither imported the product under consideration, nor they are related to any importer or exporter of the product under consideration. Therefore, the petitioner constitutes ‘Domestic Industry’ in terms of Rule 2(b) of the AD Rules. Since the application is filed by applicant accounts for 100% of the total domestic production and is supported by other producers, it satisfies the requirements of ‘standing’ under Rule 5 of the AD Rules.
29. As regards the issue that the petitioner being the sole producer cannot constitute domestic industry, the Authority does not find any merit in the argument. As pointed out by the Domestic Industry, Section 13 of the General Clauses Act 1897 categorically states that the words in the singular shall include the plural, and vice versa in all Central Acts and Regulations. Therefore, the use of the word “producers” in Rule 2(b) shall automatically include its singular form i.e., “producer”. In view thereof, there is no bar that a single domestic producer cannot be considered as eligible Domestic Industry in terms of Rule 2(b). The arguments raised by the interested parties that single domestic producer cannot be treated as eligible Domestic Industry is rejected being devoid of any merit.
30. In light of the above, the Authority holds that the petitioner satisfies the requirement of standing to file the present petition and constitutes ‘Domestic Industry’ within the meaning of the AD Rules.

D. CONFIDENTIALITY

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

31. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
- The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides absolutely no information with respect to volume related information also.
 - Information relating to petitioner’s policy regarding its distribution channels, commission/discount policy, credit terms, normal value calculation etc also kept as confidential.
 - The domestic industry has claimed and has been allowed excessive confidentiality in the sense that they have not made available their annual report in the public file.
 - Domestic Industry has also not provided the details of their costing.

Submissions made by the domestic industry

32. The various submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
- Excessive confidentiality has been claimed by the exporters. Exporters had not only claimed confidentiality on the volume related information but also kept certain narrative portion of the response as confidential.
 - Non-confidential versions of the questionnaire response were not the exact replica of the confidential version filed by the exporters.

- iii. Petitioner has claimed confidentiality on information provided by them as allowed in rule 7 of the AD rules and a meaningful summary of such information with narrative description were also provided in the non-confidential version of the petition. The claims of interested parties that the petitioner has claimed excessive confidentiality are baseless.

Examination by the Authority

33. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- i. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

- ii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

E. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

34. The miscellaneous submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- The application filed by the Domestic Industry is not in the form and manner prescribed by the Authority. The petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated.
 - The DG Safeguards, which is a quasi-judicial authority functioning under the Ministry of Finance, had given definitive findings that the Applicant had faced no injury from imports of the subject goods between 2012-13 and 2014-15 Q1. The Applicant also never challenged these findings in any appellate forum. This means that the order of the DG Safeguards stands intact and is binding on the Designated Authority, which is also a quasi-judicial authority that is conducting the present investigation on the same subject goods.
 - The Authority has not evaluated the petition properly in terms of Article 5.3 of the WTO Anti-Dumping Agreement read with Rule 5(3) of the AD Rules and therefore, the investigation needs to be terminated.
 - Domestic Industry had got support from the Government of India in terms of the benefit in the zero duty for the imports of their major raw materials. This reduction had helped the Domestic Industry to reduce their cost of sales and improve their profitability of the subject goods.
 - The elastomeric filament yarn is a costly material and constitutes almost 35% of total cost even though content wise it constitutes 2 -10% of total fibers in the yarn/fabric. The imposition of duty will lead to making the Indian fabric noncompetitive resulting in loss of sales particularly export sales.

Views of the Domestic Industry

35. The miscellaneous submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- The supply chain of responding exporters are not complete and therefore, their response needs to be rejected.

Hyosung group had not provided the responses of their all related companies in all the subject countries and therefore their response needs to be rejected.

- ii. It is also submitted by the Domestic Industry that Hyosung group has not disclosed the existence of its Delhi office, which is helping the complete group in their sales and marketing of subject goods in India. It is also submitted that the Hyosung group knowingly not disclosed the fact that their related entity in China has exported the subject goods to India.
- iii. Domestic Industry also submitted that all the responding associations cannot be considered as interested parties in terms of Rule 2(c) of the anti-dumping Rules. These associations can be permitted to participate as an interested party in the investigations only and only if it proves to the satisfaction of the Authority that the majority of the members are either importers or producers of subject goods. It is pertinent to note that the majority test is to be applied in the context of total membership of respective association. It is important to note that there is no evidence on record that such an exercise has been carried out by any of these associations to prove the basic requirements for being considered as an interested party. Since none of the association has even provided the list of their members along with their respective activities, under no circumstances, all responding associations can be considered as an interested party.
- iv. In relation to submissions of the other interested parties relating the past Safeguard investigations on the subject goods, Domestic Industry submitted that the history of the previous cases is of no legal or factual relevance to the fact of this case as the product under consideration and period of investigation are different. The Authority is required only to see whether a case for imposition of anti-dumping duties is made out in the facts and circumstances of the present case. It is further submitted that any previous investigation under a different law is of no consequence in the present case, as the law, purpose and objective of both the laws are different. Therefore, to compare the proceedings in two different authorities, setup for achieving different objectives, is not only misconceived but devoid of any factual or legal merit.
- v. In relation to the impact of Anti-dumping duties on end consumer it has been stated that there will be marginal / negligible impact on the downstream industry / ultimate user on account of imposition of anti-dumping duties. The Domestic Industry has carried out an impact analysis assuming that the Hon'ble Authority recommends levy of 20% anti-dumping duties. The impact on immediate consumer i.e., fabric manufacturers will be in the range of 0.6% to 3%, whereas the end consumer of fabric will have to pay a meager 0.1% to 0.49% additional amount on account of levy of anti-dumping duties. The calculation of impact on downstream industry for various manufactured products is as follows:

S No	Details	UOM	Pair of Socks	Stretch Denim Fabric	Suiting Fabric	Ladies Brassiere	T-Shirts	Jeans	Legging
1	Fabric type Used		Knitted	Woven	Woven	Woven/Knitted	Knitted	Woven	Knitted
2	Total Weight of Fabric	Grams/ UOM	40.00	520.00	375.00	50.00	300.00	600.00	300.00
3	Spandex/ Elastomeric Yarn Content	%	5.00	2.00	2.00	10.00	3.00	2.00	5.00
4	Spandex/ Elastomeric Yarn Content	Grams	2.00	10.40	7.50	5.00	9.00	12.00	15.00
5	Spandex Denier Consumed	Den	20	70	70	40	20	70	40
6	Spandex Imported - CIF India price	USD/Kg	5.80	4.50	4.50	4.50	5.80	4.50	4.50
7	Avg. Delivered price to customer (net of CVD)-0% BCD from ASEAN	Rs./Kg@ ex-67.50	381	315	315	315	381	315	315

8	Cost of Spandex in the Product	Rs./Pc	0.76	3.28	2.36	1.58	3.43	3.78	4.73
9	Avg. Selling Price for Manufactured Garment	Lowest-Rs.	70	170	500	200	400	500	200
10	Spandex % cost of Total Price	% of Price	1.1%	1.9%	0.5%	0.8%	0.9%	0.8%	2.4%
11	Likely Delivered price of spandex - on increase of Imp Duty	20%	460	380	380	380	460	380	380
12	Likely cost of Spandex in Product Manufactured	Rs./Pc	0.92	3.95	2.85	1.90	4.14	4.56	5.70
		% of Price	1.3%	2.3%	0.6%	1.0%	1.0%	0.9%	2.9%
13	Impact on product sold, in case of Increase of Spandex Duty	Rs./Pc	0.16	0.68	0.49	0.33	0.71	0.78	0.98
		% of Price	0.23%	0.40%	0.10%	0.16%	0.18%	0.16%	0.49%

- vi. From the above, it is clear that the impact on the user industry on account of any levy of anti-dumping duties is negligible. Such impact can be on account of exchange rate fluctuations as well as on account of the fluctuating international prices of major raw material. Therefore, the contention of a part of the user industry that their local or export market will be impacted is incorrect. On the contrary, the imposition of anti-dumping duties at this stage will ultimately benefit the user industry as they would be assured of regular and quick supplies of locally produced quality goods at competitive rates.

Examination by the Authority

36. The various miscellaneous issues raised by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are examined herein below:
- As regards the argument of the responding parties that the petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of *prima facie* evidence furnished by the domestic industry showing dumping, injury and causal link. There was sufficient evidence to justify the initiation of the investigation in accordance with the Act and Rules. The Authority has also called for additional information wherever required and verified the information furnished by the domestic industry.
 - As regards the arguments of the interested parties that the Authority failed to properly evaluate the validity of the application by the Domestic Industry, in terms of the Article 5(3) of WTO and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, they have relied upon WTO Panel Report in DS 156 Guatemala – Definitive Anti-Dumping Measures on Grey Portland Cement from Mexico. In this context, Authority notes that the interested parties have completely failed to appreciate and understand the scope of Rule 5 and the obligations of the Authority at the time of initiation of an investigation. It is also a settled law that the final determination is required to be based on the information made available by the Domestic Industry as well as other interested parties after proper examination and verification by the Authority. Therefore, the method of normal value used for the purpose of initiation recedes in the background and would have no bearing on the outcome of the case.
 - In relation to the allegation of the Domestic Industry that supply chain of the responding interested party are not complete, the same have been discussed under the relevant paragraphs relating to the computation of dumping margin.
 - As regards the issues of treating trade associations as eligible interested parties in terms of Rule 2 (c), it is noted that the contention of the Domestic Industry to reject the responses filed by associations, holds merit as none as associations have fulfilled their obligations in terms of the Rules. However, the Authority in view of the larger interest, have accepted submissions / information filed by them.
 - As regards to the submissions of the interested parties that the Domestic Industry have got advantage due to

reduction in import duties for the major raw materials, it is noted that the impact of the same has already been considered in cost and non-injurious price determination.

- f. As regards the impact of duty on downstream industry, the analysis carried out by Domestic Industry was examined and the Authority noted that the impact is not significant in terms of cost increase to the users and manufacturers of the fabric because the content of the subject goods is very low in the final manufactured products. The imposition of antidumping duties, if any, will only marginally affect the price level of product in India.

NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F. Normal Value

37. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provisions relating to Non- Market Economy countries

39. Annexure-I to AD rules states as under:

7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.

40. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers and exporters from the subject countries filed the prescribed questionnaire responses.

- a. Hyosung Corporation, Korea
- b. Hyosung Vietnam Co. Ltd., Vietnam
- c. Hyosung Dong Nai Co. Ltd., Vietnam
- d. T. K. Chemicals Corporation, Korea
- e. Chon Woung Textiles Co. Ltd, Korea
- f. Winwin Corporation, Korea
- g. Hanswill Co. Ltd., Korea
- h. Fotrust Co. Ltd., Korea
- i. SO FNC International, Korea
- j. Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd., China
- k. YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd, China
- l. Invista Fibre (Shanghai) Company Limited, China
- m. Invista Fibre Foshan Company Limited, China
- n. Invista Fibre Company Limited, China
- o. Invista Singapore Pte Ltd., Singapore

I. CHINA PR

Views of the Domestic Industry

41. The Domestic Industry had filed full information with regard to the normal value and export price which was necessary for the purpose of initiation of an investigation. In terms of Rule 5, the Domestic Industry is required to give information which is sufficient to justify the initiation of an investigation. Necessary evidence had also been provided in support of their claim of normal value as well as export price.
42. The INVISTA group has companies in Taiwan, Vietnam and South Korea who have not participated in the present investigation. The response is therefore incomplete and should be rejected.
43. China PR should be treated as nonmarket economy country for the following reasons:
 - i. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
 - ii. Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
 - iii. Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of

each and every parameter laid down under the rules. Contrarily, while examining material injury existence of a single parameter is considered sufficient to establish such injury. In other words, where one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status.

- iv. It is not for the Authority to establish that the responding companies are operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. But it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- v. Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
- vi. It has been submitted that the normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules without invoking proviso to 8(2) in view of the aforementioned facts and circumstances.
- vii. The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) import price from third country into India, (b) selling price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. It is also submitted that since these options for determination of normal value are available, the Designated Authority may not kindly consider "any other basis" because this is required to be applied only when other basis listed under the law cannot be applied.

Views of the opposing Interested Parties/exporter

44. The general submissions concerning normal value, export price and dumping margin made by the opposing producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The Domestic Industry did not produce any evidence in support of their claim for normal value as well as export price. In this connection, it is submitted that no investigation is tenable without the fulfillment of the basic evidentiary standards and, therefore, the present investigation must be terminated immediately.
 - ii. The conditions specified in the relevant provisions do not include "non-availability" of data relating to domestic selling prices as a ground for construction of normal value. The basis stated in the application for resorting to constructed normal value is thus erroneous.
 - iii. The estimate of inland freight, ocean freight, commission, etc., provided by the Domestic Industry is also not supported by any evidence. The application did not contain any evidence as to how the figures cited were arrived at and what the relevant calculations are.
 - iv. The normal value and export price arrived at by petitioner in the petition cannot be accepted as correct since petitioner had not made available any evidence to support their computation.
 - v. The Designated Authority has also not followed the prescribed procedure with regard to Normal Value terms of paragraph 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules.
 - vi. The adjustments made by the Domestic Industry with respect to the export price are abnormally high and unsupported by any evidence. Therefore, the Authority should use correct adjustments while computing Export price.
45. INVISTA has three companies in China namely M/s INVISTA Fibers Company Limited ('IFC'), M/s. INVISTA Fibers (Foshan) Company Limited ('IFF') and M/s. INVISTA Fibers (Shanghai) Company Limited ('IFS'), which produce and export the product under consideration to India, through their Singapore based company namely, M/s INVISTA (Singapore) Pte. Limited ('ISP'). All the three companies in China are held by a wholly-owned subsidiary, namely, CH Hong Kong Holdings II Ltd. who is an indirect wholly-owned subsidiary of INVISTA B. V., a company registered under the laws of Netherlands. INVISTA B. V. is a wholly-owned subsidiary of Koch Industries Inc. INVISTA group has asked for Market Economy treatment and have given detailed Questionnaire response. It was explained that INVISTA operates in market economy conditions and is a foreign owned company. INVISTA obtains raw materials from its related companies' on arm's length basis and various utilities on market prices.
46. It has been stated that even though INVISTA has presence in Taiwan and South Korea, neither of those companies have exported the subject product to India in the period of investigation or the injury period. As regards Vietnam, INVISTA has no presence there whatsoever. Therefore the response submitted by INVISTA is complete with respect to various entities.

Examination of Authority regarding MET claim

47. The Authority observed that INVISTA is a group of various companies dealing in various related goods. The raw material for the subject goods are also procured from the related companies. The company stated that raw materials are at market price but no supporting papers were submitted in this regard. In fact the prices of these raw material prices so procured are lower than the prevailing market prices. In view thereof, the Authority has decided not to grant Market Economy Status to INVISTA group as they have not operated under market economy environment and normal value has been constructed on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.
48. The submission of INVISTA, regarding participation of all the relevant entities in the present investigation is correct. In view thereof, the Authority has decided to calculate individual dumping margin to INVISTA group as a whole as all the three companies are considered as single economic entity.

Export Value in case of M/s INVISTA Group, China

49. IFC: In Appendix-2 IFC has reported *** transactions of exports to India during POI, through Invista Singapore. The producer has claimed adjustment on account of overseas freight and the same have been accepted after necessary verification.
50. IFS: In Appendix-2 IFS has reported *** transactions of exports to India during POI through Invista Singapore. The producer has claimed adjustment on account of overseas freight and the same have been accepted after necessary verification.
51. IFF: In Appendix-2 IFF has reported *** transactions of exports to India during POI through Invista Singapore. The producer has claimed adjustment on account of overseas freight and the same have been accepted after necessary verification.
52. Invista Singapore has reported *** transactions of exports to India during POI produced by their related producers IFC, IFS and IFF. The exporter has claimed adjustment on account of freight, clearance & handling charges, overseas insurance, SG&A, Profit and credit cost. The same have been accepted after necessary verification. The export price for the exporter is as mentioned in table below.

Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	5-15

Normal Value in case of M/s Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd., China

53. The Authority noted that the M/s Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd has not claimed market economy treatment in terms of Para 8(3) of Annexure 1 to the Anti-Dumping Rules, the Designated Authority is left with no alternative but to determine normal value estimated on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.

Export price in case of M/s Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd, China

54. During the POI, M/s Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd, China has exported *** MT of the subject goods to India. The exporter claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, marine insurance, credit cost, and Bank charges and the same have been accepted after necessary verification. The CNV & net export price was calculated PCN wise. The weighted average for the same is as below.

Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	35-45

Normal Value in case of M/s YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd, China

55. The Authority noted that the M/s YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd, has not claimed market economy treatment in terms of Para 8(3) of Annexure 1 to the Anti-Dumping Rules, the Designated Authority is left with no alternative but to determine normal value estimated on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.

Export price in case of M/s YantaiTayho Advanced Materials, China

56. During the POI, M/s YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd, China has exported *** MT of the subject goods to India. The exporter claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, handling charges, marine insurance, credit cost, bank Charges and VAT. The same have been accepted after necessary verification. The CNV & net export price was calculated PCN wise. The weighted average for the same is as below.

Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	45-55

Normal value and Export Price for all other producers and exporters

57. For other producers/ exporters from China who have not participated / cooperated in this investigation, The Authority proposes to determine the normal value and export price on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods so determined is as follows.

Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	45-55

II. KOREA**Submissions by the Domestic Industry**

58. The submissions made by the domestic industry concerning normal value, export price and dumping margin against Hyosung Corporation are as follows:
- The Domestic Industry has submitted that while Hyosung group has filed its responses from Korea and Vietnam, it has failed to provide correct and complete details in relation to their complete supply chain. They have withheld the critical information about their manufacturing activities of the subject goods in China which also happens to be one of the subject countries in the instant investigation. The Domestic Industry has further submitted that Hyosung Group has also not disclosed the fact that Hyosung China has supplied the subject goods to India and to other three subject countries namely South Korea, Vietnam and Taiwan.
 - Hyosung group has provided incomplete information as they did not disclose their office in India, which is involved in the marketing and after sales service.
 - Hyosung group has not reported the fact that they are giving commission of 3% - 6% to their Delhi branch and also giving post sales rebates to traders. This information has direct impact on the calculation of export price and dumping margin. In view thereof, the export price of Hyosung Korea and Hyosung Vietnam cannot be accepted. This approach of the Authority will be in line with the view taken by the Authority in recent findings.
 - Hyosung group has not reported instances of Commissions paid by Hyosung group to importers / users of the subject goods to compensate for the price difference between the landed value and sales made to users of the subject goods. This has effectively reduced the ability of the Domestic Industry to match landed value and therefore, price undercutting apparently seems to be negative.
 - Hyosung group has not reported instances of Hyosung group giving post sales commissions / rebates to importers / traders to undercut the prices of Domestic Industry.

- vi. Hyosung group has also not reported instances of compensation paid to importers / traders for defects in the quality to be ultimately reimbursed to users of the subject goods.
- vii. It is also submitted that since all the Hyosung entities have not participated in the current investigations, the basic statutory tests in relation to normal value for Korea and Vietnam cannot be applied. Accordingly, their information cannot be accepted for the purpose of determination of exporter-specific normal value.
- viii. Responding exporter has specifically withheld information from the Authority in relation to the sources of supply of raw material and utilities. Even the costing heads have not been provided in Appendix 8, which gives rise to a suspicion that they are attempting to hide something or to mislead the Authority.

Submissions by Hyosung Corporation

- 59. The Hyosung Group has filed detailed submissions for the three entities of the group namely, Hyosung Korea, Hyosung Vietnam Co. Ltd. and Hyosung Dong Nai Co. Ltd, which are complete in every way. Further, Hyosung Viet Nam Co., Ltd. and Hyosung Dong Nai Co., Ltd. have asked for single dumping margin at the group level as they are affiliated entities of the same group.
- 60. Hyosung group has specifically rebutted the allegation made by DI regarding submissions dealing with normal value and export price:
 - a. Hyosung China has only exported Elastomeric Yarn above 150 deniers which is not part of the PUC. The Exporters have also provided the details of the export made by Hyosung China to India which establishes that it has not exported the PUC to India.
 - b. Hyosung had mentioned about India office but due to an inadvertent omission, the address of Hyosung India office was not provided in the Exporter Questionnaire. However, Hyosung entities have cooperated in this investigation and provided all the relevant information.
 - c. Hyosung group has stated that no commission has been paid to Hyosung Delhi office. However, Hyosung Vietnam provides monetary support to the Hyosung Delhi office as the Delhi office undertakes various activities on behalf of Hyosung Vietnam and incurs various expenses on all these business activities. The details of these amounts have been shown as post sales expenses in Appendix 2 of the Exporter Questionnaire response of Hyosung Vietnam. Further, they have made oral submission through their legal consultants that if the Authority considers it as commission then they may consider it so and adjust it from export price, however they have requested to rely upon submissions made by them during the investigation.
 - d. They have further clarified that Hyosung Vietnam provides compensation for the defect in the PUC for both the export and domestic market in order to guarantee the product quality. The total number of claims reimbursed by Hyosung Vietnam to the Indian customers during the POI is *** and it is related with *** transactions out of total export sales to India. Further, the total claim expense is ***% of the total export sales value to India. In addition, Hyosung Vietnam has *** claim compensations for domestic sales in Vietnam which is just ***% of the total domestic sales value. It is to be noted that all the transactions related to compensation claims were directly traced and actual amounts pertaining to the same has been reported to the Authority.
 - e. Hyosung group have clarified that no post sales rebate has been provided to compensate for the price difference for the PUC. As explained above, commission is provided to unrelated sales agents and to Hyosung India office, on account of expenses, the details of which have already been provided in Appendix 2 of the EQR of Hyosung Vietnam. Further, the Exporters in their submission have also highlighted that except for the 2 debit notes submitted by DI, all other invoices are beyond the POI. Thus, the Exporters submit that the documents and data pertaining to post POI period are not relevant for this investigation and therefore, the debit notes which do not relate to the POI are irrelevant for this investigation and should be rejected.

Examination of the Authority

- 61. The Authority noted that three entities of Hyosung group have filed the exporter questionnaire responses, namely Hyosung Corporation from Korea, Hyosung Vietnam Co. Ltd., and Hyosung Dong Nai Co. Ltd., from Vietnam, who all are producers of the subject goods. The group has filed detailed response which is complete and is accepted.
- 62. It is observed that there are other Hyosung entities in China and Taiwan who have not participated in the investigation as none of them have exported the subject goods to India during POI. Therefore, response filed by Hyosung group is considered complete.
- 63. The various other submissions by all the opposing interested parties regarding export price of Hyosung Group have been examined in detail. The producers exporters M/s Hyosung Corporation and M/s Hyosung Vietnam were asked to respond to the representation of DI regarding payment of large commission to their Delhi office attaching therewith some documents as evidence. The submissions and counter submissions have been examined in depth by the Authority and it has been decided to make appropriate adjustments in the export price, on account of

commissionbased on the documents furnished as verification Exhibits, to arrive at the net ex-factory export price for the Hyosung Group.

Normal value and Export Price for Hyosung Corporation

64. The questionnaire response filed by the exporter has been examined for domestic sales and it is found that ***% transactions of the total domestic sales is profit making. Therefore, the Authority has proceeded to determine the normal value based on complete sales data. The Producer has exported directly to India. They have claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, handling charges, marine insurance, credit cost; bank Charges and duty drawback reimbursement. The same have been accepted after necessary verification. An additional adjustment has been made on account of commission paid to their Delhi office. The normal value and export price for the producer exporter is as below.

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	(10)-0

Normal Value in case of M/s T K Chemicals.

65. The questionnaire response filed by the exporter has been examined and it is found that T.K. Chemicals has provided details of the subject goods in relevant Appendices of their response. It was noted that **% transactions of the total domestic sales is profit making. Therefore, the Authority has proceeded to determine the normal value based on complete sales data. The Normal value of the exporter so determined is mentioned in the table below.

Export price in case of M/s T K Chemicals

66. The producer has exported directly as well as through other unrelated exporters. They have submitted detailed questionnaire response for their own unit and with other unrelated exporters covering majority of the exports. The adjustments claimed by the exporter on their direct exports are on account of inland freight, overseas freight, handling charges, marine insurance, brokerage, credit expense, bank charges and duty drawback reimbursement. The same have been verified and accepted to the extent found correct. The Net Export price of the exporter for the direct exports so determined is as below.

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	1-10

Export price in case of M/s. Chon Woung Textiles Co. Ltd

67. During the POI, M/s Chon Woung Textiles Co. Ltd has exported subject goods which were procured from the unrelated producer namely M/s T K Chemicals, Korea. M/s Chon Woung Textiles Co. Ltd has exported *** MT of the subject goods to India. The exporter claimed adjustment on account of overseas freight, clearance & handling charges, overseas insurance, brokerage, SG&A, Profit and credit expense, and the same have been accepted after necessary verification. The export price for the exporter is as mentioned in table below.

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	5-15

Export price in case of M/s Winwin Corporation, Korea

68. During the POI, M/s Winwin Corporation has exported subject goods which were procured from the unrelated trader M/s Chon Woung Textiles Co. Ltd, who had sourced the subject goods from the unrelated producer namely

M/s T K Chemicals, Korea. M/s Winwin Corporation has exported *** MT of the subject goods to India. The exporter claimed adjustment on account of overseas freight, clearance & handling charges, overseas insurance, brokerage, SG&A, Profit and credit expense, and the same have been accepted after necessary verification. The export price for the exporter is as mentioned in table below.

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	5-15

Export price in case of M/s Hanswill Co. Ltd., Korea

69. During the POI, M/s Hanswill Co. Ltd. has exported subject goods which were procured from the unrelated producer namely M/s T K Chemicals, Korea. M/s Hanswill Co. Ltd. has exported *** MT of the subject goods to India. The exporter claimed adjustment on account of overseas freight, clearance & handling charges, overseas insurance, brokerage, SG&A, Profit and credit expense, and the same have been accepted after necessary verification. The export price for the exporter is as mentioned in table below.

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	10-20

Export price in case of M/s. Fotrust Co. Ltd., Korea

70. During the POI, M/s Fotrust Co. Ltd has exported subject goods which were procured from the unrelated producer namely M/s T K Chemicals, Korea. M/s Fotrust Co. Ltd has exported *** MT of the subject goods to India. The exporter claimed adjustment on account of overseas freight, clearance & handling charges, overseas insurance, brokerage, SG&A, Profit and credit expense, and the same have been accepted after necessary verification. The export price for the exporter is as mentioned in table below.

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	5-15

Export price in case of M/s. So FNC International, Korea

71. During the POI, M/s So FNC International has exported subject goods which were procured from the unrelated producer namely M/s T K Chemicals, Korea. M/s So FNC International has exported *** MT of the subject goods to India. The exporter claimed adjustment on account of overseas freight, clearance & handling charges, overseas insurance, brokerage, SG&A, Profit and credit expense, and the same have been accepted after necessary verification. The export price for the exporter is as mentioned in table below.

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	5-15

Normal value and Export price for all other producers and exporters

72. For other producers/ exporters from Korea who have not participated / co-operated in this investigation, the normal value and export price for other exporters has been determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods so determined is as follows:

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	30-40

III. VIETNAM

Normal value and Export price

73. The Questionnaire response has been received from two producers in Vietnam covering the majority of the Vietnam exports to India. These two producers of the subject goods belong to Hyosung group. Out of these two

entities Hyosung Vietnam Co. Ltd. has exported the subject goods to India during POI, but Hyosung Dong Nai Co. Ltd. has not exported the subject goods to India. However, the two producers in Vietnam are one and have asked to be treated as single entity for analysis of dumping and injury. Hyosung Vietnam Co., Ltd. and Hyosung Dong Nai Co., Ltd. share “common ownership structure; administrative departments; technical service, sales team; sales management department; sales office; salary and human resource system etc”. Also both the companies are located in the same geographical area and manufacture the same brand of subject merchandise (known as, “CREORA”). There is no difference in the production process and the products manufactured by Hyosung Vietnam and Hyosung DongNai. In view of the same, Hyosung Vietnam and Hyosung Dong Nai should be considered as a single entity and therefore, these two entities should be provided a single dumping/injury margin.

74. The submissions of the Hyosung group Vietnam were considered and it has been decided to give both the producer companies in Vietnam a single dumping margin as they are related companies of the same group. Also it has been the consistent practice of the Authority to consider related exporting producers or exporting producers belonging to the same group as one single entity for the determination of a dumping margin and thus to establish one single dumping margin for them.

Normal value/Export Price for Hyosung Vietnam Co. Ltd &Hyosung Dong Nai Co

75. The questionnaire response filed by the exporter has been examined for domestic sales and it is found that ***% transactions of the total domestic sales are profit making. Therefore, the Authority has proceeded to determine the normal value based on complete sales data. The Producer has exported directly to India. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, clearance & handling charges, overseas insurance, credit cost, Bank Charge, Claim Expense, Commission and Ex-Factory Expense and the same have been accepted after necessary verification. An additional adjustment has been made on account of commission paid to their Delhi office. The normal value and export price for the exporter is as mentioned in table below

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	1-10

Normal value and Export price for all other producers and exporters

76. For other producers/ exporters from Vietnam who have not participated / co-operated in this investigation, the normal value and export price for other exporters has been determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods so determined is as follows:

Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	35-45

IV. TAIWAN

77. No producer/ exporter from Taiwan has filed a questionnaire response. Therefore, the normal value and export price for all exporters has been determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of all producers/exporters of the subject goods so determined is as follows

Constructed Normal value		Constructed Export Price		Dumping Margin			
USD/KG	Rs/KG	USD/KG	Rs/KG	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	55-65

DUMPING MARGIN

78. The dumping margin for subject goods has been determined by comparing PCN wise normal value (constructed wherever the actual normal value is not available/acceptable) and net export price at ex-factory level for the subject goods. The table below shows the weighted average values for various subject countries. It is seen that the dumping margin for the subject goods is more than de-minimus for imports from all the subject countries except one cooperative exporter from Korea.

Sr. No.	Country	Producer	Exporter	NV/CNV	NEP	Dumping Margin		
				USD/KG	USD/KG	USD/KG	%	Range
1.	China							
	i	Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd	Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd	***	***	***	***	35-45
	ii	YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd	YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd	***	***	***	***	45-55
	iii	Invista Fibre (Shanghai) Company Limited; Invista Fibre Company Limited; INVISTA Fibers (Foshan) Company Limited	Invista Singapore Pte Ltd., Singapore	***	***	***	***	5-15
	iv	Any Other	Any Other	***	***	***	***	45-55
2.	Korea			***	***	***	***	
	i	Hyosung Corporation	Hyosung Corporation	***	***	***	***	(10) - 0
	ii	T. K. Chemicals Corporation	T. K. Chemicals Corporation	***	***	***	***	1-10
	iii	T. K. Chemicals Corporation	Chon Woung Textiles Co. Ltd,	***	***	***	***	5-15
	iv	T. K. Chemicals Corporation	Winwin Corporation,	***	***	***	***	5-15
	v	T. K. Chemicals Corporation	Hanswill Co. Ltd.,	***	***	***	***	10-20
	vi	T. K. Chemicals Corporation	Fotrust Co. Ltd.,	***	***	***	***	5-15
	vii	T. K. Chemicals Corporation	SO FNC International,	***	***	***	***	5-15
	viii	Any Other	Any Other	***	***	***	***	30-40
3.	Vietnam							

Sr. No.	Country	Producer	Exporter	NV/CNV	NEP	Dumping Margin		
	i	Hyosung Vietnam, Hyosung Dong Nai	Hyosung Vietnam, Hyosung DongNai	***	***	***	***	1-10
	ii	Any Other	Any Other	***	***	***	***	35-45
4.	Taiwan	Any producer/exporter	Any producer/exporter	***	***	***	***	55-65

METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

79. The injury related submissions made by various opposing interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are summarized as follows:

- i. Import prices have increased during the injury period and therefore the claim of the petitioner that the dumped imports are affecting profitability and its inability to increase its selling price has no merit. There is no volume effect as well.
- ii. There is huge demand and supply gap and therefore imports from subject countries are inevitable and therefore, these imports cannot be said to be injuring the Domestic Industry.
- iii. There has been admitted improvement in production, production capacity, sales, employment, productivity (per day as well as per employee) etc., when compared to the base year. Thus, injury claimed by domestic industry holds no merit. It is also submitted that the Domestic Industry has gained market share whereas market share of subject countries has declined. Therefore, injury to the Domestic Industry cannot be attributed to imports from subject countries.
- iv. In the post-POI period, the domestic sales, profitability and inventory situation of the Applicant further improved, which demonstrated that imports were not causing any serious injury to the Applicant.
- v. The real cause for the alleged injury if any to the petitioner is not dumping of subject goods but rather due to other reasons such as high freight cost, backward area benefit which the Applicant was not able to avail, quality issues which are also recorded by the DG Safeguards.
- vi. Domestic Industry miserably failed to establish its case for material injury and also failed to establish causal relationship between alleged dumped imports and injury, if any, suffered by the Domestic Industry.

Views of the Domestic Industry

80. The following injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are summarized as below:

- i. Imports of the product under consideration have shown significant increase over the years with a significant increase in POI;
- ii. Market share of subject countries in demand is significant. Market share of the domestic industry has decreased during the POI as compared to the immediately preceding year. The same is due to significant imports from subject countries;
- iii. Domestic industry prices reflect the effect of the prices that are being offered by the importers in the domestic market. With reduction in the prices by the foreign producers, the only choice available to the Indian producers is to either realign their prices with the changes in the import prices or lose orders and consequently the market share;
- iv. It is also submitted that exporters from subject countries are giving post sales discounts and commission to assert pressure on the Domestic Industry;
- v. Imported goods have suppressed / depressed the prices of the domestic industry;

- vi. The profitability of the domestic industry has severely affected in the period of investigation due to dumped imports from subject countries. As a result of the increased volumes at dumped prices, the domestic industry is suffering injury during the injury investigation period. Further, it clearly indicates that the dumped imports from subject countries have caused serious injury by preventing the domestic industry from increasing its prices to a remunerative level throughout the injury period. Thus, the dumped imports have not only severely affected their profitability but also resulted in impediment of the legitimate return on investments to a very significant extent;
- vii. Decline in profitability of the domestic industry was due to increase in the import volume at non-remunerative prices from the subject countries.
- viii. Decrease in the selling price was more than the decrease in cost of production. This indicates that the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
- ix. Domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from subject countries. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.
- x. Regarding the Demand and Supply Issues, the Domestic Industry has stated that they had planned to set up 15000 MT to cater to the increased demand in India, to be installed in three phases of 5000 MT each. The submissions are backed by documentary evidence to that effect. However, due to price pressure created by the exporters Domestic Industry was not able to implement its targeted phase-wise installation of capacity on time. Further, it has been stated that the objective of anti-dumping duty is not to block the imports but to address the issues of dumping of subject goods and consequent injury faced by the Domestic Industry. It was also submitted that similar arguments have been raised in the past before the Hon'ble Authority but have been rejected consistently. Domestic Industry has cited previous cases in support of their contention and requested the Authority to reject the issues relating to demand and supply as even if there is a gap in the demand-supply position, it has no bearing on the fact that the subject goods are being dumped at injurious prices into India. The very essence of the anti-dumping laws and rules is to provide a level playing for domestic manufacturers vis-a-vis any other manufacturer exporting to India.

Examination by the Authority

- 81. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
- 82. As regards the contention that there is a huge demand supply gap, the Authority notes that the demand supply gap justifies imports per-se but not dumping of the product in the country. The Authority holds that the demand supply gap in the product cannot prejudice the rights of the domestic industry to seek protection under the law. It is the consistent practice of the Authority to recommend imposition of anti-dumping duties, if it is established that dumping is causing injury to the domestic industry.
- 83. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.
- 84. Non-injurious price has been computed in accordance with Annexure 3 to the Anti-dumping Rules and the established practices of the DGAD.

A. Volume Effect of Dumped Imports

Import Volume and Market Share

- 85. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a

significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject good from the subject countries has been analyzed as under:

Sr No.	Particulars	Units	2012-13	2013-14	2014-15	POI
1	China P RP	MT	2174	1318	1459	1689
2	Korea RP	MT	2066	1948	1908	2095
3	Taiwan	MT	465	257	428	553
4	Vietnam	MT	3534	3947	5565	6904
5	Imports from subject countries	MT	8240	7470	9359	11241
5a	Trend	Indexed	100	91	114	136
6	Imports from other countries	MT	1539	2323	2819	2377
6a	Trend	Indexed	100	151	183	154
7	Total Imports	MT	9779	9793	12178	13619
7a	Trend	Indexed	100	100	125	139
8	Domestic Sales-Applicant	MT	1592	3280	3487	3608
8a	Trend	Indexed	100	206	219	227
8	Total Demand (MT)	MT	11371	13073	15666	17227
9a	Trend	Indexed	100	115	138	151
10	Share in Total Demand					
A	Imports from China PR	%	19	10	9	10
B	Imports from Korea	%	18	15	12	12
C	Imports from Taiwan	%	4	2	3	3
D	Imports from Vietnam	%	31	30	36	40
E	Total Imports- Subject Countries	%	72	57	60	65
F	Imports from Other Countries	%	14	18	18	14
11	Sale of Domestic Industry	%	14	25	22	21

86. It is noted from the above table that imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms in POI as compared to the previous years. The imports from subject countries have increased to the extent of 36% during the POI as compared to base year i.e., 2012-13.
87. The share of imports of subject countries in overall imports is 83%. Similarly, the market share of subject countries in the total demand is 65%, which is significant. Thus, it is seen that the volumes from subject countries are very significant in absolute terms as well as in relation to total imports and the overall demand in the country.

B. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

88. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred, in normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from subject countries. The Authority has carried out the analysis of price undercutting and price underselling on PCN basis as there is significant variation in the per kg prices of various types of Deniers.

a. Price Undercutting

89. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry on PCN to PCN basis, the weighted average of various deniers is as below:

	Units	China	Korea	Taiwan	Vietnam	Subject Countries
Quantity	MT	1689	2095	553	6904	11241
Landed Value	Rs./ MT	471390	468043	293717	444659	445610
Selling Price	Rs./ MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./ MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Range	(20) - (10)	(15) - (5)	30-40	(15) - (5)	(15) - (5)

90. A detailed analysis was carried out PCN wise and Authority notes that the Domestic Industry has suffered price undercutting against some of the deniers from some of the subject countries in various combinations. The Domestic Industry has claimed that they could not increase its selling price due to price pressure of low priced dumped imports from subject countries which have also increased substantially in quantitative terms during POI.

b. Price Underselling

91. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject countries. The comparison has been made on PCN wise and weighted average of all the calculations is as follows:

	Units	China	Korea	Taiwan	Vietnam	Subject Countries
Quantity	MT	1689	2095	553	6904	11241
Landed Value	Rs./ MT	471390	468043	293717	444659	445610
Non Injurious Price	Rs./ MT	***	***	***	***	***
Price Underselling	Rs./ MT	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***
Price Underselling	Range	20 - 30	30 - 40	75-85	15-25	20-30

It is noted from the above table that the domestic industry has suffered significant price underselling on account of imports of the subject goods from the subject countries.

c. Price Suppression and Depression

92. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period, as detailed below:

Weighted Average	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Wt. Average Landed Value of Imports of Subject Countries	Rs./MT	375718	473280	463123	445610
Index	Indexed	100	126	123	119
Wt. Average Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	77	71	70
Wt. Average Domestic Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	122	117

93. From the above Table, it is clear that the (weighted average) landed value of imports from subject countries as a whole increased in the injury period except during the POI where it decreased as compared to the immediate preceding year. Similarly, the domestic selling prices showed the same trend during the period. However, the decline in selling price during the POI as compared to preceding year is much more than the decline in cost of sales. This clearly proves that the prices of the Domestic Industry are suppressed and depressed.

C. Economic Parameters of the Domestic Industry

94. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
95. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:
- i. **Market share:** The details of imports, domestic sales and the market share of the domestic industry is as below:

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Domestic Industry Sale	MT	1592	3280	3487	3608
	Indexed	100	206	219	227
Imports from Subject Countries	MT	8240	7470	9359	11241
Imports from Other Countries	MT	1539	2323	2819	2377
Total Imports	MT	9779	9793	12178	13619
Total Demand	MT	11371	13073	15666	17227
	Trend	100	115	112	184
Market share in Demand					
Of Domestic Sales	%	14.00	25.09	22.26	20.95
Of Imports from Subject Countries	%	72.46	57.14	59.74	65.25
Of Imports from Other Countries	%	13.53	17.77	18.00	13.80

As mentioned earlier, imports of the subject goods from subject countries have increased from 2013 to POI. It may also be noted that market share of domestic sales has decreased during POI as compared to the preceding years whereas during the same period market share of imports from subject countries increased substantially.

- ii. **Profitability:** It is noted that despite the fact that cost of sales of the Domestic Industry declined in the POI and that Domestic Industry is operating at its full capacity, they are still unable to make profits due to the price pressure exerted by the dumped imports from the subject countries. The Domestic Industry has submitted that they were forced to match the post landed discounted prices offered by the exporters. It is also seen that while the selling price saw an upward trend upto 2013-14, and declined in the POI, the same consistently remained below the cost of sales of the Domestic Industry resulting into continued losses due to the overall pressure on their selling prices.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	77	69	70
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Trend	Indexed	100	113	122	116
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(31)	0	(5)
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(64)	0	(11)
Interests	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	53	45	47
PBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	49	26	56

iii. **Return on Investment:** The return on investment has seen similar trend as that of profitability as can be seen from the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
ROI	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(60)	0	(9)

iv. **Production and Capacity Utilization:** It can be seen that the production of the Domestic Industry has increased in the POI as compared to the base year which is largely due to the fact that base year was the very first year of their operations. However, it is important to note that the production of the subject goods decreased in the POI as compared to the immediate preceding year i.e., 2014-15. The capacity utilization of the Domestic Industry also followed the same trend as that of production. This decline in the production and capacity utilization in the growing market reflects the adverse impact of imports from the subject countries on the Domestic Industry.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Capacity	MT	5,131	5,131	5,131	5,131
Total Production	MT	2,364	4,681	4,914	4,724
	Indexed	100	198	208	200
Capacity Utilization	%	46%	91%	96%	92%
	Indexed	100	198	208	200

v. **Sales Volumes:** It is noted that the sales volume of the Domestic Industry has increased in the POI as compared to the base year which is largely due to the fact that the demand in the country has increased.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Sales volume					
Domestic	MT	1592	3280	3487	3608
	Indexed	100	206	219	227
Exports	MT	188	1373	1182	1042
	Indexed	100	730	629	554
Total Sales	MT	1780	4653	4670	4651
	Indexed	100	261	262	261

vi. **Inventories:** The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Inventory	MT	629	640	699	671
Trend	Indexed	100	102	111	107

It is noted from the above table that the inventory of the Domestic Industry increased in the POI as compared to the base year. It is also noted that the inventory is around 14% of the total production of the Domestic Industry, which is significant seeing the growth in the demand in the country and also seeing the capacity of the Domestic Industry.

vii. **Employment and Wages:** The position with regard to employment and wages is as follows:

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employees	Number	382	376	368	364
	Indexed	100	98	96	95
Wages/employee	Rs/Number	25291	33284	33624	34742
	Indexed	100	132	133	137

It is noted from the above table that the employees engaged by the Domestic Industry declined throughout the injury investigation period. However, the wages paid to them increased during the same period.

viii. **Productivity:** It can be seen from the table below that productivity in terms of production per employee has increased in the POI as compared to the base year. Despite increase in productivity, the performance of the Domestic Industry continued to be negative in POI. Accordingly, productivity is not a factor that can be attributed to injury.

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Production (MT)	MT	2,364	4,681	4,914	4,724
Employees	No.	382	376	368	364
Production/employee	MT/No.	6	12	13	13
Trend	Indexed	100	201	216	210

ix. **Magnitude of Dumping:** Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry. The analysis shows that the dumping margin determined against subject countries is above *de minimis* and significant.

x. **Ability to raise Capital Investment:** The future investment in the sector is marred by the presence of dumped imports from subject countries. The negative profitability, return on investment along with reduced market share indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is seriously affected due to the dumped imports from the subject countries.

xi. **Factors affecting domestic prices:** The examination indicates that there is a healthy demand in India for the subject goods. The dumped import prices from subject countries are directly affecting the prices of the domestic industry in the domestic market. It is also noted that the landed value of subject goods from subject countries are below non-injurious price of the domestic industry. Further, landed value from subject countries had suppressed / depressed the prices of the Domestic Industry causing financial losses to them. The imports of the product under consideration from countries other than subject countries are not injuring the domestic industry or are at non-

dumped prices as the prices offered by these countries are significantly higher. Demand for the product is showing an increase trend and, therefore, could not have been a factor responsible for price depression and suppression faced by the domestic industry. It is thus evident that the dumped goods from subject countries are responsible for the depressed and suppressed prices of the domestic industry.

- xii. **Growth:** There was positive growth of the domestic industry in terms of sales and production in the POI as compared to the base year. However, profits, cash profit as well as ROI remained negative in the POI as compared to the preceding years despite significant increase in demand. The domestic industry has contended that with increase in demand, the domestic industry had expected growth in profits, comfortable cash flow and increase in return on investments. However, the domestic industry was not able to achieve the same due to the presence of the dumped imports from subject countries.

D. CONCLUSION ON MATERIAL INJURY

96. After examining the volume and price effects of imports of subject goods from subject countries and its impact on the domestic industry, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from subject countries increased significantly throughout the injury investigation period in absolute terms. With regard to price effect on account of imports of subject goods from subject countries, it is noted that imports of the subject goods from subject countries is significantly suppressing / depressing the prices of domestic industry. Comparison of the landed values with the non-injurious prices of the Domestic Industry also reveals significant price underselling. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is concluded that the performance remained negative in respect of profit, return on investment and the inventory level. Thus, the Authority proposes to conclude that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation.

E. OTHER KNOWN FACTORS & CAUSAL LINK

97. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) Volume and prices of imports from third countries

98. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries are not significant in volume and were reported at high prices. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
China	MT	2174	1318	1459	1689
Korea	MT	2066	1948	1908	2095
Taiwan	MT	465	257	428	553
Vietnam	MT	3534	3947	5565	6904
Total Subject Countries	MT	8240	7470	9359	11241
Others	MT	1539	2323	2819	2377
Total Imports	MT	9779	9793	12178	13619
Share in Import Volume from					
China	%	22%	13%	12%	12%
Korea	%	21%	20%	16%	15%
Taiwan	%	5%	3%	4%	4%
Vietnam	%	36%	40%	46%	51%
Total Subject Countries	%	84%	76%	77%	83%
Others		5%	7%	5%	3%

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Total Imports	%	100%	100%	100%	100%
Import Price (CIF Value per MT)					
China	Rs/MT	370639	445644	436080	448302
Korea	Rs/MT	356852	424438	451694	445120
Taiwan	Rs/MT	319934	368670	366503	279332
Vietnam	Rs/MT	346066	410289	434325	434577
Total Subject Countries	Rs/MT	353778	418783	435041	430968
Others	Rs/MT	479062	510279	513972	504740
Total Imports	Rs/MT	374605	442388	454311	452061

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

99. There has been a constant rise in demand of the product concerned throughout the injury period. Therefore, decline in demand is not a possible reason of injury to the Domestic Industry.

(c) Developments in technology:

100. Technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, development in technology is also not a factor causing injury to the domestic injury.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

101. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry as the raw materials as well as the subject goods are freely importable in the country.

(e) Export performance of the domestic industry

102. The injury analysis has been done by the Authority taking into consideration their domestic operations only. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis.

(f) Productivity of the Domestic Industry

103. It is noted that the productivity of the domestic industry in terms of production per employee as well as production per day has increased over the period.

104. It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other factors. None of the interested parties has also led any evidence to suggest that the material injury caused to the Domestic Industry is attributable to other known factors. On the other hand, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- The imported subject goods from subject countries were at significantly low prices. Resultantly, the domestic industry was not able to increase its prices commensurate with the increasing costs. In fact, the Domestic Industry could not increase its prices in the POI to recover its complete cost. The price depression and price suppression suffered by the domestic industry is primarily on account of the dumped imports of the product from subject countries.
- The pressure on the domestic prices of the domestic industry led to continued losses and negative return on investment during the POI. The disability to increase price coupled with the increasing costs has materially injured the financial performance of the Domestic Industry.

105. It is therefore, concluded that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports from subject countries.

F. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

106. The non-injurious price of the subject goods produced by the Domestic Industry determined has been compared with the landed value of the exports from subject countries for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

Sr. No.	Country	Producer	Exporter	Landed Value	NIP	Injury Margin		
				USD/KG	USD/KG	USD/KG	%	Range
1.	China							
	i	Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd	Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd	***	***	***	***	45-55
	ii	YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd	YantaiTayho Advanced Materials Co. Ltd	***	***	***	***	60-70
	iii	Invista Fibre (Shanghai) Company Limited; Invista Fibre Company Limited; INVISTA Fibers (Foshan) Company Limited	Invista Singapore Pte Ltd., Singapore	***	***	***	***	15-25
	iv	Any Other	Any Other	***	***	***	***	60-70
2.	Korea							
	i	Hyosung Corporation	Hyosung Corporation	***	***	***	***	1-10
	ii	T. K. Chemicals Corporation	T. K. Chemicals Corporation	***	***	***	***	35-45
	iii	T. K. Chemicals Corporation	Chon Woung Textiles Co. Ltd, Korea	***	***	***	***	45-55
	iv	T. K. Chemicals Corporation	Winwin Corporation, Korea	***	***	***	***	40-50
	v	T. K. Chemicals Corporation	Hanswill Co. Ltd., Korea	***	***	***	***	25-35
	vi	T. K. Chemicals Corporation	Fotrust Co. Ltd., Korea	***	***	***	***	35-45
	vii	T. K. Chemicals Corporation	SO FNC International, Korea	***	***	***	***	25-35
	viii	Any Other	Any Other	***	***	***	***	60-70
3.	Vietnam							
	i	Hyosung Vietnam Hyosung DongNai		***	***	***	***	25-35
	ii	Any Other		***	***	***	***	30-40
4.	Taiwan	Any producer/exporter		***	***	***	***	75-85

Post Disclosure Statement

107. The issues raised at post disclosure stage have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. However, for the sake of clarity the submissions by the interested parties have been summarised and again addressed as below:

Comments by the Domestic Industry

108. The comments submitted by domestic industry have been examined and are summarised as below:

i. It is submitted that the response of Hyosung Korea and Hyosung Vietnam is needed to be rejected as they have failed to provide complete information in relation to adjustments claimed in the export price which ultimately helped them to secure lower dumping margin. The Domestic Industry appreciates the efforts of the Hon'ble Authority for making appropriate adjustments from the export price of Hyosung Korea and Vietnam. However, the fact that Hyosung group had consistently denied on record the existence of any commission to Indian office, clearly shows that they had intentionally withheld critical information relating to certain adjustments which directly affects the price comparison and dumping margin. Under these circumstances, there is no reason for considering them as cooperating exporters. The Authority is requested to reject the responses filed by Hyosung entities from Korea and Vietnam on account of misdeclaration.

ii. Domestic Industry requests the Authority to kindly recommend single producer / exporter specific anti-dumping duty. In this context, it is submitted that combination duty will leave open a big window for the producers to export the subject goods via those exporters who have lesser or nil anti-dumping duties.

Comments by Exporters/Importers/other interested parties

109. The comments submitted by exporters/importers/users/associations are repetitive and have already been examined and addressed appropriately in respective paragraphs. However, some of the points requiring re-examination are summarised as below:

i. The Hyosung group has stated that the total amount of commission considered for adjustments for arriving at net export price is not correct which has been taken from verification exhibit 10 from the heading the actual commission amount paid to Hyosung India office. The Exporters have stated that there are many Performance Units of the group such as Power PU; Nautilus PU and Other segment PU within Hyosung India office. As such only the commission paid for the Spandex Performance unit ('PU') should have been considered for computing the export price and the resultant dumping margin.

ii. The INVISTA group has again requested to exclude Lykra from the scope of PUC on account of its superior quality and consumer perception. Further they have requested that a reference price imposition based on the Non Injurious Price of the Domestic Industry be considered in addition to the duty amount as the injury that is suffered by the Petitioner is on account of the imports of the lower quality goods at a low prices. They have also submitted that the same practice was followed by the Authority in past in the case of investigation concerning Nylon Filament yarn originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, Malaysia, Indonesia, Thailand and Korea RP vide Final Findings Notification No.14/5/2005-DGAD dated July 3, 2006.

iii. The INVISTA group has reiterated that the Authority should accept the market treatment claim of the group, as they are operating under market economy conditions and their normal value should be accepted for the purposes of dumping comparisons.

iv. The imports from Taiwan are negligible and therefore, the Authority should not recommend imposition of any anti-dumping duty against exports from Taiwan.

v. On behalf of importers and users' association it has been stated that responses of the associations should not be rejected, as the participation of associations does not affect interests of domestic industry in any way but only assist the Authority to reach to a fair conclusion by bringing on record important facets of the case.

vi. The importers/users have stated that the articles produced by the domestic industry are not like articles to the subject imported goods. The subject goods are of better quality than the goods produced by the domestic industry and the same possess different physical and technical characteristics. Therefore, the brands like LYCRA and Creora should be excluded from the scope of the present investigation

vii. The users of the subject goods submitted that the shortage of production capacity, capability and actual production etc. are the factors causing injury to the domestic Industry and not the imports as alleged by the domestic industry.

viii. The importers have contended that the Authority has used DGCI&S import data, in the disclosure statement, whereas all the proceedings were based on import data procured from secondary sources therefore, importers were not privy to DGCI&S import statistics thereby putting them at a disadvantage for their comments.

ix. It has been by an stated that in the instant investigation the Authority had conducted two public hearings due to change in the Designated Authority. However, the Authority had failed to intimate all the interested parties for the second public hearing. Subsequently, the Authority conducted a separate hearing for the remaining parties. This separate hearing for few interested parties is against the principles of natural justice.

x. That the Designated Authority has failed to exclude un-dumped import volumes of Hyosung Corporation, Korea from the total volume of dumped imports while conducting injury analysis. This is in contravention to the express obligation provided under Paragraph (i) of Annexure II to the AD Rules and Article 3.1 of the WTO Anti-dumping Agreement.

xi. There is no injury suffered by the domestic industry and any injury caused is due to factors other than the subject imports. Therefore, the Authority should terminate the present proceedings for lack of evidence of dumping, injury and in the public interest.

xii. The initiation of investigation was done on 27th January 2016 and had to be completed by 27th January 2017. Since the public record of this investigation do not show that the Central Government has accorded approval to extend the investigation in light of any special circumstances, the Authority has no jurisdiction to continue the present investigation. The present disclosure statement, is therefore, void ab-initio as it has been issued without jurisdiction.

Examination by the Authority

110. The decision of the Authority on the issues raised above is as below:

i. The Authority noted that all the three entities of Hyosung group, namely Hyosung Corporation from Korea, Hyosung Vietnam Co. Ltd., and Hyosung Dong Nai Co. Ltd., from Vietnam, who all are producers of the subject goods, have filed the detailed exporter questionnaire responses which is complete and is accepted. The point regarding the commission which was not originally disclosed in full on account of difference of understanding by the Hyosung Group was subsequently admitted by the exporter. Therefore the Authority decided to accept their response after making appropriate modifications in export price instead of rejecting it.

ii. The amount of commission has been taken from the documents furnished as verification Exhibits, to arrive at the net ex-factory export price for the Hyosung Group. The representatives of Hyosung were asked to give evidence for their claim of product wise breakup of the commission, however, they were not able to provide any specific documents to that effect, therefore, the amount received by their Delhi office has been taken as the amount of commission paid and considered to make appropriate adjustments in the export price, on account of commission based on these documents.

iii. The Authority notes that the argument of interested parties that the imports from Taiwan being negligible, is not correct as the DGCI&S data shows that imports from Taiwan is above de-minimis level and are also coming at significantly dumped prices.

iv. With regard to the quality of product under consideration, like article and exclusion of the brands “Lycra” and “Creora” from the scope of PUC, it is reiterated that the same have been examined in detail by the Authority in the relevant section of the final findings.

v. Regarding the request of INVISTA for accepting their MET claim, the Authority notes that their response was examined in detail and the Authority observed that INVISTA is a group of various companies dealing in various related goods. The raw material for the subject goods were also procured from their related companies. The company stated that raw materials were procured at market price but no supporting papers were submitted in this regard. In fact, it was observed that the prices of these raw material prices so procured were lower than the prevailing market prices. In view thereof, the Authority has decided not to grant Market Economy Status to INVISTA group as they have not operated under market economy environment.

vi. As regards the contention of the interested parties that the detailed transaction-by-transaction import statistics obtained from DGCI&S and relied upon by the Authority has not been provided, the Authority notes that it was specifically directed by the Authority during the public hearings that any of the interested party may ask for the DGCI&S data and it shall be provided to them upon receipt of an specific and authorized request for the same, however

the authority notes that none of the interested parties had requested for the same with proper authorization. In the initiation notification itself it was mentioned by the authority that during the course of the investigation, DGCI&S data would be called for, therefore the claim of the interested parties that they were not aware of the presence of DGCI&S data is baseless.

vii. Regarding the issue of oral hearing by the Authority it is stated that there is no violation of the principle of natural justice. The Rule 6(6) of the Anti-Dumping rules provides that “the designated authority may allow an interested party or its representative to present the information relevant to the investigation orally but such oral information shall be taken into consideration by the designated authority only when it is subsequently reproduced in writing.” The Authority had informed all the interested parties to attend the hearing and also gave them the opportunity to file their written submissions. However, a few of the importers/users were inadvertently missed out from the invitation to the hearing. Therefore, to offer an opportunity to these missed out parties the Authority decided to invite them to present their views orally before the authority and also to file written submissions subsequently, if any. In view thereof, the Authority concludes that there is no violation or dilution of anybody’s interest as everyone was given opportunity of being heard before the authority and also to file their written submissions. The contention of the importer/user in this behalf is misplaced and without any basis.

viii. The volume of exports of subject goods from Hyosung Corporation, Korea, who is a cooperative exporter, is nominal and does not have any visible impact. Moreover, on the basis of lesser duty rule, the dumping margin is the determining factor in the instant case for imposition of anti-dumping duty for the cooperative and non-cooperative exporters.

ix. In relation to the submissions of the interested parties that Domestic Industry had not suffered any injury, it is noted that the Authority has used verified information of the Domestic Industry for injury analysis, the same is dealt in detail at the relevant section of this final findings.

x. The submissions of the interested parties that investigation should have been completed within 12 months, and that extension notification is not available in the public domain, is not correct. The extension of 3 months was duly granted by the Central Government in terms of Rule 17 and copy of extension notification was made available in the public file which has been inspected by all interested parties as per their convenience and whenever deemed necessary.

Conclusion

111. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its associated normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The material injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from subject countries.

Indian Industry’s Interest And Other Issues

112. The Authority recognizes that imposition of antidumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply.
113. The Authority notes that the purpose of antidumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

RECOMMENDATIONS

114. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it

necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

115. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col No.9 of the table below is recommended to be imposed on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table									
Sl. No	Tariff code	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount (in USD)	UOM
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	All deniers upto and including 150 Deniers**	China PR	China PR	Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd	Hangzhou Sunrise Spandex Co. Ltd	2.74	KGS
2)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	China PR	China PR	Yantai Tayho Advanced Materials Co. Ltd	Yantai Tayho Advanced Materials Co. Ltd	3.34	KGS
3)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	China PR	China PR	Invista Fibre (Shanghai) Company Limited; Invista Fibre Company Limited; Invista Fibers (Foshan) Company Limited	Invista Singapore Pte Ltd., Singapore	0.48	KGS
4)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	China PR	China PR	Any	Any	3.44	KGS
5)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	China PR	Any	Any	Any	3.44	KGS
6)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Any	China PR	Any	Any	3.44	KGS
7)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	South Korea	South Korea	Hyosung Corporation	Hyosung Corporation	0.0	KGS
8)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	South Korea	South Korea	T. K. Chemicals Corporation	T. K. Chemicals Corporation	0.15	KGS
9)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	South Korea	South Korea	T. K. Chemicals Corporation	Chon Woung Textiles Co. Ltd, Korea	0.79	KGS
10)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	South Korea	South Korea	T. K. Chemicals Corporation	Winwin Corporation, Korea	0.69	KGS
11)	5404 11 00*	Elastomeric Filament	-do-	South Korea	South Korea	T. K. Chemicals	Hanswill Co. Ltd., Korea	0.97	KGS

		Yarns				Corporation			
12)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	South Korea	South Korea	T. K. Chemicals Corporation	Fotrust Co. Ltd., Korea	0.86	KGS
13)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	South Korea	South Korea	T. K. Chemicals Corporation	SO FNC International, Korea	0.82	KGS
14)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	South Korea	Any	Any	Any	1.90	KGS
15)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Any	South Korea	Any	Any	1.90	KGS
16)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Taiwan	Taiwan	Any	Any	2.40	KGS
17)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Taiwan	Any	Any	Any	2.40	KGS
18)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Any	Taiwan	Any	Any	2.40	KGS
19)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Vietnam	Vietnam	Hyosung Vietnam: Hyosung DongNai	Hyosung Vietnam; Hyosung DongNai	0.36	KGS
20)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Vietnam	Any	Any	Any	2.16	KGS
21)	5404 11 00*	Elastomeric Filament Yarns	-do-	Any	Vietnam	Any	Any	2.16	KGS

116. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
117. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

Dr.INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority